अषाढ़ मास, शुक्ल पक्ष 20 वर्ष, अंक 239 पृष्ठ 8 मूल्य 1.00

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज से प्रकाशित

www.akhandbharatsandesh.net

नगर संस्करण प्रयागराज | मंगलवार 24 अगस्त 2021 | विश्व निर्माण एवं मानव विकास को द्रुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान आश्रम की अनुपम भेंट

क्रियायोग संदेश

स्थायी सुख, शान्ति व निर्भय वातावरण के लिए "क्रियायोग अभ्यास करें" सत्य की अनुभूति में सभी प्रकार के क्लेश हमेशा के लिए दूर हो जाते हैं। अध्यात्मिक वैज्ञानिकों ने सिद्ध कर दिया है कि क्रियायोग के द्वारा हम सत्य से जुड़ जाते हैं। ज्ञान, शक्ति, शान्ति, आनन्द, नाम-यश, धन आदि के लिए मनुष्य को दर-दर भटकना पड़ता है, और प्राप्त न होने पर मनुष्य में हिंसक प्रवृत्ति प्रकट होती है। क्रियायोग में भक्ति दृढ़ होने पर ज्ञान, शक्ति, शान्ति,आनन्द, धन आदि सब कुछ स्वयं मनुष्य के पास आ जाते हैं।

क्रियायोग प्राचीनतम् एवं नित्य नवीन पूर्ण विज्ञान है। ईश्वरीय नियमों के अनुसार कलिकाल में क्रियायोग का ज्ञान विलुप्त हो गया। आरोही द्वापर युग के आते ही मृत्युंजय अमर गुरु श्री महावतार बाबा जी द्वारा क्रियायोग को पुनर्जीवित कर पुनः परिष्कृत किया गया। उन्नीसवीं शताब्दी में महावतार बाबाजी ने क्रियायोग को लाहिड़ी महाशय जी के माध्यम से मानवजाति को दिया। क्रियायोग ही सनातन धर्म में वर्णित यज्ञ है। क्रियायोग ही वेदपाठ है। क्रियायोग अभ्यास से मनुष्य को अपने वास्तविक स्वरूप ''अहंब्रह्मास्मि'' की अनुभूति एक ही जन्म में सम्भव है।

स्वामी श्री योगी सत्यम्

क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान संस्थान प्रयागराज

10 मिनट का अभ्यास 20 वर्ष का विकास

अफगानिस्तान संकट पर मोदी सरकार ने बुलाई सर्वदलीय मीटिंग

विदेश मंत्रालय को दिया हालात की जानकारी देने का आदेश

नई दिल्ली (एजेंसी)। अफगानिस्तान में पैदा हुए संकट पर बातचीत के लिए केंद्र सरकार ने 26 अगस्त को सर्वदलीय बैठक बुलाई है। इस मीटिंग में अफगानिस्तान में फंसे भारतीयों को निकालने के लिए सरकार की ओर से किए गए प्रयासों की जानकारी विपक्षी दलों को दी जाएगी। इसके अलावा अफगानिस्तान में तालिबान राज के बाद भारत सरकार क्या कूटनीतिक कदम उठा रही है, इस पर भी चर्चा होने की संभावना है। यह बैठक 26 अगस्त को सुबह 11 बजे होगी। इससे पहले पीएम नरेंद्र मोदी ने विदेश मंत्रालय से कहा था कि वह अफगानिस्तान में हुए घटनाक्रम की जानकारी संसद में

राजनीतिक दलों के नेताओं को दे। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने इस बारे में ट्वीट कर बताया था, 'अफगानिस्तान में घटनाक्रम के मद्देनजर पीएम नरेंद्र मोदी ने आदेश दिया है कि संसद में सभी राजनीतिक दलों के नेताओं को पूरी जानकारी दी जाए। इस संबंध में आगे की जानकारी संसदीय कार्य मंत्री प्रहलाद जोशी देंगे।माना जा रहा है कि इस मीटिंग में सरकार सभी राजनीतिक दलों को अफगानिस्तान में हुए घटनाक्रम की जानकारी देगी। इसके अलावा अफगानिस्तान में फंसे भारतीयों को निकालने के लिए क्या प्रयास किए गए हैं, इस बारे में भी बताया जाएगा। बीते कुछ सप्ताह में तालिबान ने अफगानिस्तान पर कब्जा जमा लिया है। राजधानी काबुल समेत देश के कई प्रांतों पर तालिबान ने कब्जा जमा लिया है। 15 अगस्त को राजधानी काबुल पर तालिबान ने कब्जा जमा लिया था। उसके बाद राष्ट्रपति अशरफ गनी ने देश छोड़ दिया था। इसके बाद बड़ी संख्या में भारतीय वहां फंस गए थे, जिन्हें निकालने के लिए एयरफोर्स को सक्रिय किया गया था। अब तक भारत ने 730 लोगों को अफगानिस्तान से बाहर निकाला है। इनमें राजनयिकों के अलावा बड़ी संख्या में हिंदू और सिख समुदाय के लोग भी शामिल हैं।

फायजर बायोटेक की वैक्सीन को एफडीए की मंजूरी, 12 से 15 साल वालों के लिए भी हो सकेगी इस्तेमाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। फाइजर बायोटेक की कोरोना वैक्सीन अमेरिकी फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन (एफडीए) से पूर्ण स्वीकृति पाने वाली पहली वैक्सीन बन गई है। अब यह वैक्सीन 16 साल से ऊपर के लोगों को लगाई जाएगी। इसके अलावा यह 12 से 15 वर्ष के लोगों के लिए भी इमरजेंसी में इस्तेमाल हो सकेगी। वहीं कमजोर प्रतिरोधक क्षमता वाले व्यक्तियों के लिए इसका इमरजेंसी में भी इस्तेमाल किया जा सकेगा। एफडीए कमिश्नर जैनेट वुडकॉक ने कहा कि एफडीए से इस वैक्सीन को अप्रूवल मिलना अपने आप में बड़ी बात है। इंडिया टुडे की खबर के मुताबिक कोविड 19 पैंडेमिक से लड़ाई में यह एक अहम हथियार साबित होगा। उन्होंने कहा कि एफडीए से अप्रूवल मिलने के चलते लोगों को पूरा भरोसा रहेगा कि यह एक स्टैंडर्ड दवा है। साथ ही इसकी सेफ्टी, सिक्योरिटी और प्रभाव को लेकर भी लोगों में भरोसा रहेगा।

महिला अधिकारियों को नहीं मिल रही स्थायी सेवा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय सेना की कई महिला अधिकारियों को सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बावजूद स्थायी कमिशन नहीं मिल पाया है. इन महिला अधिकारियों ने अब अपने संघर्ष को और आगे ले जाने का फैसला किया है.भारतीय सेना में 28 महिला अधिकारी ऐसी हैं जिन्हें सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बावजूद परमानेंट कमिशन यानी स्थायी सेवा नहीं दी गई. इन महिला अधिकारियों को सेना ने सेवा से मुक्त करने के आदेश भी दे दिए हैं, लेकिन इनमें से कुछ ने अब इस आदेश के खिलाफ सशस्त्र बल अधिकरण में जाने का फैसला लिया है. क्या होता है स्थायी कमिशन भारतीय सेना में स्थायी कमिशन का मतलब होता है सेवानिवृत्ति तक सेना में काम करना. इसके लिए पुणे स्थित नेशनल डिफेन्स अकैडमी, देहरादून स्थित इंडियन मिलिट्री अकैडमी या गया सहित ऑफिसर्स ट्रेनिंग अकैडमी में भर्ती होना आवश्यक होता है.

2020 तक महिलाएं अधिकतम 14 साल तक भारतीय सेना में सेवाएं दे सकती थीं, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने एक ऐतिहासिक फैसले में सेना को महिला अधिकारियों को भी स्थायी सेवा देने का आदेश दिया. हालांकि कई महिला अधिकारियों का कहना है कि अभी भी उन्हें सेना द्वारा स्थायी सेवा के लिए नहीं चुना जा रहा है. एक रिपोर्ट के अनुसार भारतीय सेना में करीब 43,000 अधिकारी हैं जिनमें से 1,653 महिलाएं हैं. अदालत के आदेश का कितना पालन हुआ सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद 615 महिला अधिकारियों को स्थायी सेवा देने पर विचार किया गया, लेकिन इनमें से 277 महिलाओं को चुना गया. अनुत्तीर्ण घोषित की गई महिलाओं ने एक बार फिर सर्वोच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया, जिसने सेना को फटकार लगाई फटकार के बाद सेना ने 147 अतिरिक्त महिला अधिकारियों को स्थायी सेवा दे दी. इस तरह 615 में से कुल 424 महिला अधिकारियों को स्थायी सेवा मिल गई. मार्च 2021 में सुप्रीम कोर्ट ने सेना को फिर से आदेश दिया कि उन सभी महिला अधिकारियों को स्थायी सेवा दी जाए जिन्होंने सेना के आंकलन में 60 प्रतिशत अंक प्राप्त किये हैं, मेडिकल कसौटी पर खरी उत्तरी हैं और जिन्हें अनुशासनिक और विजिलेंस मंजूरी भी मिल चुकी है. 2021 में सेना ने 28 महिला अधिकारियों को स्थायी सेवा नहीं देने का फैसला किया था. जुलाई में इनको सेवा से मुक्त करने के आदेश भी जारी कर दिए गए, लेकिन इनमें से कई अधिकारियों ने इन आदेशों के खिलाफ सशस्त्र बल अधिकरण में जाने का फैसला किया है।

यूपी के पूर्व सीएम कल्याण सिंह पंचतत्व में विलीन, राजकीय सम्मान के साथ दी गई अंतिम विदाई

बुलंदशहर (एजेंसी)। राम मंदिर आंदोलन के प्रणेता यूपी के पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह पंचतत्व में विलीन हो गए। उनका अंतिम संस्कार बुलंदशहर जनपद के नरौरा में गंगा तट पर बासी घाट पर किया गया। बेटे राजवीर ने मुखाग्नि दी। राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार से पहले रक्षामंत्री राजनाथ सिंह, सीएम योगी, डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने पुष्प चक्र चढ़ाकर श्रदांजलि दी। इसके पहले उनके पार्थिव शरीर को उनकी कर्मभूमि अलीगढ़ से उनकी जन्मभूमि पैतृक गांव अतरौली लाया गया जहां अपने जनप्रिय नेता का अंतिम दर्शन को लोगों का हुजूम उमड़ पड़ा।अंतिम संस्कार से पूर्व गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया और पूरा क्षेत्र कल्याण सिंह अमर रहे, राम भक्त कल्याण

सिंह अमर रहे के नारों से गूंज उठा। भाजपा के झंडे में लिपटे उनके शव पर, राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा भी लिपटा था।

अलीगढ़ से नरौरा तक पूरे रास्ते उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ व भाजपा प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह शव वाहन के पीछे कार से चलते रहे। जैसे ही पार्थिव देह नरोरा स्थित बांसी घाट पहुंचा, वहां मौजूद लोगों ने जननायक कल्याण सिंह अमर रहे, राम भक्त कल्याण सिंह अमर रहे, जैसे नारे लगाने शुरू कर दिए और कार्यकताओं में उनके शव पर पुष्पांजलि अर्पित करने की होड़ लग गई। भीड़ को संभालने में पुलिस को मशक्कत करनी पड़ी तो खुद सीएम योगी ने माइक लेकर लोगों को अपने स्थान से ही श्रद्धांजलि अर्पित करने की अपील करनी पड़ी।

गृहमंत्री अमित शाह ने भी अलीगढ़ के अतरौली पहुंचकर अहिल्या बाई स्टेडियम में कल्याण सिंह के अंतिम दर्शन किये और उन्हें श्रद्धांजलि दी। अमित शाह के अलावा राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, पूर्व केंद्रीय मंत्री उमा भारती समेत तमाम केंद्रीय व प्रदेश सरकार के मंत्री, सांसद, विधायक व नेता भी यहां पहुंचे। शनिवार की रात निधन के बाद लखनऊ में पीएम मोदी भी श्रद्धांजलि देने पहुंचे।

दिल्ली में यूएनएचसीआर दफ्तर के बाहर अफगान शरणार्थियों का प्रदर्शन

नई दिल्ली (एजेंसी)। अफगान शरणार्थियों ने सोमवार को दिल्ली में संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी उच्चायुक्त (यूएनएचसीआर) के कार्यालय के सामने एक विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान शरणार्थी कार्ड, तीसरे देश में पुनर्वास के विकल्प और अंतरराष्ट्रीय निकाय और भारत सरकार से सुरक्षा की मांग की गई। प्रदर्शनकारी, जिनमें महिलाएं और बच्चे भी शामिल थे ठहम भविष्य चाहते हैंठ के नारे वाले बैनर लिए हुए थे।मीडियाकर्मियों से बात करते हुए, भारत में अफगानिस्तान समुदाय के प्रमुख, अहमद झिया गनी ने कहा, ठहम अपनी तीन मांगों के लिए यहां एकत्र हुए हैं, भारत में एलटीवी (दीर्घकालिक वीजा) के लिए आवेदन करने के लिए शरणार्थी कार्ड। दूसरा, पुनर्वास के लिए हमें यूएनएचआरसी से एक सहायक पत्र की जरूरत है ताकि हम दूसरे देश में जा सकें। तीसरा, भारत सरकार और यूएनएचआरसी से सुरक्षा। हमारे पास शिक्षा, नौकरी जैसी कोई सुविधा नहीं है। उन्होंने कहा, दुनिया अफगानिस्तान में मौजूदा स्थिति देख रही है।

'कुछ हल निकालो', किसान आंदोलन से सड़कें जाम होने पर केंद्र सरकार से बोला सुप्रीम कोट

नई दिल्ली (एजेंसी)। किसान आंदोलन के चलते सड़कें बंद होने को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार से कहा है कि वह इस समस्या का कोई हल निकाले। नोएडा एक शख्स की ओर से दायर याचिका की सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने यह बात कही। याचिकाकर्ता ने मांग की थी कि नोएडा से दिल्ली को जोड़ने वाली सड़कें किसान आंदोलन के चलते बंद हैं और इसकी वजह से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इन सड़कों को खोला जाना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार से कहा कि आखिर अब तक सड़कें बंद क्यों हैं। प्रदर्शन करने में कोई बुराई नहीं है, लेकिन सड़कें ब्लॉक नहीं होनी चाहिए।

इसके साथ ही शीर्ष अदालत ने केंद्र सरकार और तीन संबंधित राज्य सरकारों को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। अदालत ने केंद्र और राज्य सरकारों से कहा कि वे समन्वय स्थापित करें और रोड ब्लॉक को खत्म कराने का प्रयास करें। अर्जी की सुनवाई के दौरान जस्टिस कौल ने कहा, 'समाधान केंद्र सरकार और संबंधित राज्यों के हाथ में है। किसी भी कारण से सड़कों को बंद नहीं किया जाना चाहिए।इस मसले के समाधान के लिए केंद्र सरकार को समय दिया जाता है। वह इस मसले का समाधान करे और हमें रिपोर्ट सौंपे। अदालत ने केंद्र सरकार को एक तरफ समाधान तलाशने की सलाह दी तो वहीं किसान आंदोलन को लेकर भी नसीहत दी। कोर्ट ने कहा कि किसानों के पास आंदोलन का अधिकार है, लेकिन वे इसके लिए सड़कें नहीं बंद कर सकतीं। वे कहीं और भी आंदोलन कर सकते हैं।

नोएडा की रहने वालीं मोनिका

अक्टूबर में आ सकती है कोरोना की तीसरी लहर, बच्चों को लेकर स्वास्थ्य मंत्रालय चिंतित

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा गठित एक समिति ने कहा है कि कोरोना वायरस (कोविड -19) बीमारी की तीसरी लहर अक्टूबर के आसपास अपने चरम पर पहुंच सकती है। ये बच्चे वयस्कों की तरह गंभीर रूप से प्रभावित कर सकती है। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) को सौंपी गई अपनी रिपोर्ट में, समिति ने डॉक्टरों, कर्मचारियों और वेंटिलेटर और एम्बुलेंस जैसे उपकरणों सहित बाल चिकित्सा सुविधाओं की गंभीर आवश्यकता के बारे में बात की है। एक रिपोर्ट के अनुसार, एमएचए के राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान (ꣿꣿꣿ) के तहत विशेषज्ञों की समिति का गठन किया गया था। रिपोर्ट में विशेषज्ञों ने अन्य बीमारी वाले बच्चों और विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के लिए वायरस के खिलाफ टीकाकरण अभियान को प्राथमिकता देने के बारे में भी लिखा है। बता दें कि देश के दवा नियामकों ने 12 वर्ष से अधिक उम्र के बच्चों के लिएवैक्सीन को मंजूरी दे दी है। यह अभियान अभी शुरू होना बाकी है।

यूपी मिशन 2022: अखिलेश बोले-

सपा में ही मिलेगा महिलाओं को सही प्रतिनिधित्व

लखनऊ (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि उनकी पार्टी महिलाओं को समुचित प्रतिनिधित्व देने के लिये कटिबद्ध है। अखिलेश यादव ने सोमवार को पार्टी मुख्यालय में विभिन्न संगठनों की सैकड़ो महिलाओं से राखी बंधवाने के बाद कहा कि सपा महिलाओं को समुचित प्रतिनिधित्व देने के लिए सदैव प्रतिबद्ध है। लोकतंत्र में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए सड़क से सदन तक समाजवादी पार्टी ईमानदारी से उनके अधिकारों के पक्ष में हमेशा खड़ी रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा मतदाताओं को भ्रमित करने की साजिश में लगी है। भाजपा ने जनहित में कोई काम नहीं किया। जनता को फिर धोखा देने की रणनीति बनाने में ही भाजपा संलिप्त है। विकास पर सरकार कोई चर्चा नहीं करती है। भाजपा का एजेण्डा विकास विरोधी है। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा सरकार में अपहरण, बलात्कार और हत्याओं

के कारण महिलाओं का जीना दूभर हो गया है। महिला हिंसा में उत्तर प्रदेश शीर्ष स्थान पर है। सरेराह बहन-बेटियों के साथ छेड़खानी होती है। रक्षाबंधन के दिन भी विचलित करने वाली दुष्कर्म की कई घटनाएं हुई। प्रतापगढ़ में किशोरी का अपहरण कर सामूहिक दुष्कर्म किया गया। शाहजहांपुर, रामपुर, बांदा से कई घटनाएं हुई। 'मिशन शक्तितले महिलाएं रौंदी जा रही है। खुद मुख्यमंत्री के गोरखपुर जिले में अपराध का ग्राफ तेजी से बढ़ रहा है। वहां हत्या, लूट, अपहरण की घटनाएं बढ़ी है। महिलाओं, बच्चियों का ऐसा अपमान कभी नहीं हुआ जैसा भाजपा राज में हो रहा है। उन्होंने कहा कि महिला उत्पीड़न की घटनाओं को रोकने के लिए जिस वूमन पावर हेल्पलाइन 1090 की स्थापना समाजवादी सरकार में की गयी थी, यूपी की भाजपा सरकार ने उसे ध्वस्त कर दिया है। प्रदेश में आतंक का राज है। महिला सुरक्षा का दावा सिर्फ कागज़ों पर रह गया है। महिला विरोधी भाजपा को उत्तर प्रदेश की माताएं-बहनें सबक सिखाने के लिए तैयार बैठी है।

खबर संक्षेप

घर से किशोरी लापता अनहोनी की आशंका

घूरपुर। इलाके के कंजासा गांव से एक किशोरी अचानक लापता हो गई। परिजनों ने अनहोनी की आशंका जताते हुए थाने में शिकायती पत्र देकर कार्रवाई की मांग की है। कंजासा गांव में 6 दिन पूर्व एक 13 वर्षीय किशोरी अचानक घर से लापता हो गई। परिजनों ने आस पास सहित नाते रिश्तेदारो के यहां खोजबीन की लेकिन कोई पता नहीं चला। सोमवार के दिन परेशान परिजन अनहोनी की आशंका जताते हुए थाने में शिकायती पत्र देकर कार्रवाई की मांग की है। मामले में पुलिस जांच पड़ताल कर रही है।

बगैर प्रपत्र व ओवरलोड खनिज परिवहन कर रहे दो ट्रक सीज

घूरपुर। घूरपुर पुलिस ने बगैर प्रपत्र व ओवरलोड खनिज परिवहन कर रहे दो ट्रक को पकड़ सीज कर दिया। एसओ राजेश उपाध्याय ने अवैध खनिज परिवहन के खिलाफ सोमवार के दिन चलाए अभियान में बगैर रवन्ना व ओवरलोड गिट्टी परिवहन करते घूरपुर हाईवे पर पकड़ सीज कर दिया। इस कार्रवाई से अवैध खनिज परिवहन संचालकों में खलबली मच गई।

बिजली,पानी सड़क मार्ग विकास के मुख्य पिलर हैं : उज्जवल

करछना के कबरा गांव में डेढ़ लाख लीटर पानी टंकी का लोकार्पण

अखंड भारत संदेश

विधायक उज्जवल रमण सिंह पानी की टंकी का लोकार्पण करते हुए

करछना। पानी-बिजली-मार्ग विकास के मुख्य आधार है इसी पर हम लोगों की कोशिश होती हैं कि क्षेत्र की समस्या धीरे धीरे पूर्ण हो वैसे विकास एक सततं प्रक्रिया है जो निरन्तर चलने वाली क्रिया है इसके लिए जनता का सहयोग भी आपेक्षित होता हैं उक्त बातें करछना विधायक उज्जवल रमण सिंह ने कबरा करछना में डेढ़ लाख लीटर पानी टंकी लागत लगभग एक करोड़ का लोकार्पण करते हुए कहा।उन्होंने कहा कि पानी की टंकी के चालू होने से 5000 लोगों को शुद्ध पीने के पानी की व्यवस्था हो गई हैं।जो जीवन के लिए अतिआवश्यक हैं।

उन्होंने कहा कि बेंदो-रवनिका और रवनिका-मनैया रोड़ निर्माण से शहर से इन कटे हुए गांव की कनेक्टिविटी हुई हैं।ऐसे जनउपयोगी कार्य सांसद कुंवर रेवती रमण सिंह और मैं जमुनापार के विकास के लिए लगातार प्रयास किया गया है। साथ में प्रधान बब्बू लाल आदिवासी, पूर्व प्रधान लवकुश मौर्य, शिवप्रसाद तिवारी, चन्द्रकांत तिवारी, राधे श्याम केसरवानी, शिवाकांत पाण्डेय, असर्फी लाल प्रजापति, रामनीधि पाल,रामानंद यादव, चन्द्र प्रसाद चंदा, लक्ष्मी नारायण निषाद,माधव यादव आदि रहे।

घूरपुर में प्रमुख जसरा का ग्रामीणों ने किया अभिनंदन

घूरपुर। मैं आप सब के बीच का हूं ,आप सबके सहयोग और अपार प्रेम के कारण ही प्रमुख जसरा बन पाया हूं। उक्त बातें क्षेत्र के सारीपुर गांव में सोमवार के दिन प्रमुख जसरा अजित सिंह उर्फ पप्पू छतहरा ने ग्रामीणों के बीच कहा। आगे उन्होंने कहा कि सरकार की ओर से मिलने वाले धन का पूरी ईमानदारी के साथ विकास कार्यो में लगाया जाएगा। प्रमुख ने कार्यक्रम के पूर्व सिद्धपीठ मा शीतला धाम पहुंचकर दर्शन पूजन भी किया। इस मौके पर ग्राम प्रधान प्रतिनिधि गुलाब पटेल,पवन द्विवेदी, प्रधान कंजासा दिनेश निषाद, दिनेश मिश्र, छविनाथ द्विवेदी, धर्मेंद्र द्विवेदी, गीता यादव, राजन निषाद, मालाराम आदि कई लोगों ने प्रमुख को माला पहना कर स्वागत सम्मान किया। कार्यक्रम का संचालन समाज सेवी मुकेश द्विवेदी ने किया।

न्यूज झरोखा

बिना मास्क लगाये समर्थकों संग जन संपर्क करते बसपा प्रत्याशी

बिना मास्क व असलहा धारी के साथ जनसंपर्क कर कोरोना को दावत दे रहे बसपा प्रत्याशी

उतरांव प्रयागराज। कोविंड 19 का प्रकोप अभी खत्म नहीं हुआ है वहीं लोग हल्के में ले रहे हैं। प्रतापपुर विधानसभा के बसपा प्रभारी अहमद अंसारी मुंह में बिना मास्क के ही असलहा दारो के साथ इन दिनों तेजी के साथ जनसंपर्क में जुटे हुए हैं। वही कोविड-19 जैसी वैश्विक महामारी को हल्के में लेते हुए जनसंपर्क के दौरान न तो इनके मुंह पर मास्क हैं न ही सेनीटाइजर का प्रयोग इनके द्वारा किया जा रहा है।इनको डर लोगो से है जो असलहा के साथ रक्षक को लेकर चल रहे हैं। वही विधानसभा क्षेत्र के लोगों को जनसंपर्क कर जरूर रहे हैं लेकिन कोरोना जैसी घातक बीमारी को दावत भी दे रहे है। फिर हाल जब एक जिम्मेदार नेता ही ऐसे कर रहे हैं तो और अन्य की बात दूर है।

जंघई रेलवे स्टेशन पर टिकट दलालों का कब्जा प्रशासन हुआ मूकदर्शक

जंघई। जंघई जंक्शन रेलवे स्टेशन पर टिकट दलालों ने अपना आधिपत्य जमा लिया है बताया जा रहा है कि टिकट दलाली इतने चरम पर है कि आम आदमी को एक भी आरक्षण का टिकट नहीं मिल रहा जबकि रात से ही लाइन लगा कर खड़े हो जाते हैं।दलालों की आरपीएफ और जीआरपी मिलीभगत के कारण कोई बोल नही पाता।कोरोना संक्रमण की गति धीमी होने के बाद अब हर कोई अपने गंतव्य को जाना चाह रहा है।लेकिन यात्रा कैसे हो यह बड़ा सवाल है रेलवे द्वारा कुछ चुनिदा ट्रेनें ही चलाई जा रही हैं जो ट्रेनें चल रही हैं उसमें टिकट लेना आसान नहीं है। ऐसे में टिकट दलालों की सक्रियता बढ़ गई है दलाल एक-एक टिकट पर तीन गुना पैसा वसूल रहे हैं टिकट दलाल बहुत ही होशियारी से अपना काम कर रहे हैं हर दिन उनके लोग काउंटर पर खड़ा हो जाते हैं। टोकन विधि से टिकट लेने में भी यह आगे रह रहे हैं आसानी से अपना टिकट बनवा ले रहे हैं। जबकि सप्ताह भर से टिकट के लिए परेशान लोग लाइन में किसी प्रकार खड़े होते है तो सुबह होते ही दलालो की टीम उन्हें लाइन से निकालकर खुद पहला दूसरा नंबर ले लेते हैं।और इसमें टिकट दलालों का सहयोग आरपीएफ जीआरपी स्टेशन मास्टर की मिलीभगत से इनका कार्य होता है।ऐसे में लाइन में लगे लोग मायूस हो कर लौट जाते हैं।

शांति भंग की धारा में 5 लोगों का चालान

अपराधियों पर चलाये जा रहे अभियान के तहत शांतिभंग में हुआ चालान

अखंड भारत संदेश

शंकरगढ़, प्रयागराज। क्षेत्र में अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के क्रम में सोमवार को शंकरगढ़ पुलिस ने 5 लोगों का शांति भंग की धारा में चालान किया है। थानाध्यक्ष कुलदीप कुमार तिवारी ने बताया कि विवाद की सूचना मिलने पर थाने के एसआई अरविंद कुमार यादव, कांस्टेबल जयकरण, अभय कुमार और इंद्रजीत कुशवाहा ने ग्राम चुंदवा में पहुंचकर मामले की छानबीन की। थानाध्यक्ष ने बताया कि मौके पर विवाद कर रहे नंदकुमार पुत्र स्वर्गीय अयोध्या प्रसाद, रवि सिंह पुत्र संतोष सिंह, आलोक सिंह पुत्र श्रीराम सिंह, गुलाब सिंह पुत्र लालजी सिंह और अरुण सिंह पुत्र गुलाब सिंह (सभी निवासीगण चुंदवा शंकरगढ़) का धारा 105,107,116 के तहत चालान कर दिया गया है।

घूरपुर पुलिस के चंगुल में देशी बम के साथ बदमाश

अवैध देशी बम के साथ एक बदमाश गिरफ्तार

घूरपुर। घूरपुर पुलिस ने एक बदमाश को आधा दर्जन देशी बम के साथ गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। मुखबिर की सूचना पर एसओ घूरपुर राजेश उपाध्याय ने मय फोर्स गौहनिया ओवर ब्रिज के पास से सोमवार के दिन घेराबंदी कर घटना देने के फिराक में खड़े बदमाश को दबोच लिया। तलाशी लेने पर उसके पास आधा दर्जन अवैध देशी बम बरामद हुआ। पुछताछ मे उसने अपना नाम विशाल भारतीय पुत्र शेरे लाल निवासी पीपल गांव शाहपुर धूमनगंज बताया। वर्तमान में घूरपुर के रेरा गांव स्थित अपने मामा के यहां अड्डा जमाया था। एसओ ने बताया कि गिरफ्तार बदमाश के खिलाफ धूमनगंज और अतरसुइया थाने में कई संगीन धाराओं में केस दर्ज है।

जान बख्श का पूरा में 15 साल से ठप है जल निगम की सप्लाई

शिकायतों का निस्तारण न होने से आजिज उपभोक्ताओं ने कटा दिया कनेक्शन,कुआं और हैंडपंप से आज भी गांव के लोग बुझा रहे प्यास

अखंड भारत संदेश

लालगोपालगंज के जान बख्श का पूरा गांव में कुआं से पानी निकालता युवक।

लालगोपालगंज। जल निगम विभाग की लगातार लापरवाही की जान बख्श का पूरा गांव भेंट चढ़ गया। गांव की टोटियां वर्षों से सूखी पड़ी हैं। बे-मायनी साबित हो रहे जल निगम के कनेक्शन को लोगों ने कटवा दिया। पूरा गांव निजी जल स्रोत पर निर्भर है। लालगोपालगंज क्षेत्र के जान बख्श का पूरा गांव में 25 साल पहले बिछाई गई जल निगम की पाइप लाइन पूरी तरह से ध्वस्त हो गई है। जिसकी लगातार शिकायत किए जाने के बाद भी मामले को संजीदगी से नहीं लिया गया था। जिसके कारण 15 साल से जान बख्श का पूरा गांव की मुकम्मल तौर पर सप्लाई ठप हो गई। इसके बाद भी ग्रामीणों ने हार नहीं मानी। लगातार सप्लाई बहाल किए जाने की गुहार लगाते रहे। लेकिन विभागीय अधिकारियों का रुख देखकर उपभोक्ताओं की आस टूट गई थी। जिसके कारण फारूक अहमद खान, राम सजीवन, अब्दुल मोहीद, सत्यनारायण, मोहम्मद दाऊद खान, मोहम्मद इस्लाम आदि उपभोक्ताओं ने जल निगम का कनेक्शन कटा दिया। 15 वर्ष से गांव के लोग कुआं और हैंडपंप के सहारे जीवन यापन कर रहे हैं। लोगों को गांव के एक छोर से दूसरे छोर तक पानी लाना मुश्किल हो रहा है। इस संबंध में एई अमित कुमार ने बताया कि ग्रामीण क्षेत्र में जल जीवन मिशन के तहत एलटी कंपनी को काम मिला है। जल्द ही वहां की लाइन अलग बनाकर ग्रामीणों को पानी मुहैया कराया जाएगा।

जान बख्श का पूरा गांव में घर के अंदर जल निगम की शोपीस बनी टोटी दिखाता रियाज अहमद।

(1) रियाज पुत्र फारुक खान का कहना है कि गांव में जल निगम का पानी लगभग 20 वर्षों से नहीं आ रहा है। अब तो विभाग में शिकायत करना भी गांव वालों ने छोड़ दिया है। घर में टोटियां फिलहाल शोपीस के तौर पर लगी हैं।

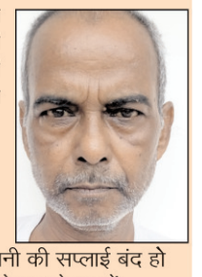

(2) राजेंद्र कुमार ने बताया कि जल निगम का पानी नहीं आ रहा था। जिससे मुफ्त में बिल जमा करने के बजाय कनेक्शन कटा दिया गया।

(3) गांव के हरिदास ने बताया कि दरवाजे पर गांव वालों के लिए सरकारी जल निगम लगा था। 15 साल पहले ही पानी की सप्लाई बंद हो गई है। जिससे साइकिल के सहारे घर में इस्तेमाल करने के लिए पानी लाया जाता है।

मौत को दावत दे रही अतरी गाँव के नाला में बनी पुलिया

कोरांव क्षेत्र के पाण्डे के मड़हा नहर की पटरिया गड्ढो में तब्दील मरम्मत कराने की मांग

अखंड भारत संदेश

मौत को दावत दे रही क्षतिग्रस्त पुलिया

रत्योरा प्रयागराज। भले ही सूबे के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सरकार बनते ही प्रदेश की सड़कों को गड्ढा मुक्त करने का संकल्प लिया गया था लेकिन जमीनी हकीकत गड्ढा मुक्त प्रदेश गड्ढा युक्त प्रदेश बनता जा रहा है। बताते चलें कि कोरांव तहसील क्षेत्र के पाण्डे के मड़हा से सेमरी तक की राजबहा नहर की पटरियां कई गांवों जैसे चांदी टीकर मझिगवां सेमरी जमुवा पोवारी आदि गांवों को जोड़ने वाली नहर की पटरियों पर बड़े बड़े गड्ढे हो जाने के चलते आवागमन में लोगों को कड़ी मशक्कत का सामना करना पड़ता है। जिम्मेदार अधिकारी इमानदार सरकार को बदनाम करने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। इसी प्रकार टीकर चौराहे से डील उसरी राजबहा नहर की पटरिया पर बनी सड़क गड्ढो से तब्दील हो गई है। जो कि नहर पर बनी सड़क से कई गाँवो को जोड़ती है।ग्रामीणों ने बताया कि टीकर राजबहा नहर की पटरी पर बनी सड़क जिलापंचायत से बनवाई गई थी।जो कि आज नहर की सड़क गड्ढो में तब्दील होने के कारण ताल तलैया बनी हुई है। टीकर नहर राजबहा से अतरी गाँव के नाले पर बनी पुलिया मौत को दावत दे रही है। जब टूटी हुई पुलिया के सम्बंध में ग्राम प्रधान राजेश कुमार पटेल गाँव डील उसरी से फोन से सम्पर्क किया तो उन्होंने बताया कि पूर्व प्रधान के द्वारा नाले की पुलिया के निर्माण कार्य कराया गया था जो कि काफी समय होने के कारण पुलिया जर्जर व टूटी हुई है। प्रधान राजेश ने कहा कि ब्लाक प्रमुख कोरांव मुकेश कोल ने पुलिया निर्माण कार्य के लिए सर्वे किया है और जल्द से जल्द बनवाने की भरोसा दिलाया है। सड़क पर बड़े बड़े गड्ढे होने की वजह से बरसात का पानी गड्ढो में भरा होने की वजह से सड़क रस रही हैं।जिससे नहर पर बनी सड़क कमजोर साबित हो रही है।अब सोचने वाली बात यह है कि यदि नहर कट जाती है तो सैकड़ों बीघे की बोई गई फसल किसानों की बर्बाद हो जाती हैं।ग्रामीणों ने जिलाधिकारी प्रयागराज का ध्यान आकर्षित कराते हुए गड्ढो से तब्दील सड़क मार्ग को मरम्मत कराने की मांग की है।

करछना के रामगढ़ में हनुमान मंदिर में हुई चोरी

करछना। थाना क्षेत्र के गांव रामगढ़ में बीती रात अज्ञात चोरों ने एक मंदिर को निशाना बनाया मंदिर के संरक्षक गांव निवासी ओमप्रकाश शुक्ला के अनुसार बताया कि बीती रात अज्ञात चोरों ने सिद्ध हनुमान मंदिर में चोरों ने मंदिर का घंटा और हनुमान जी की मूर्ति में ऑख का टीका चोर निकाल ले गये, सुबह जानकारी होने पर गांव वासियों ने इस कृत्य से बेहद नाराजगी जाहिर करते हुए पुलिस को अज्ञात चोरों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई ।मंदिर में चोरी की घटना से ग्रामीणो में आक्रोश बना हुआ है ।

मोहर्रम पर्व,सर कटा सकते हैं लेकिन सर झुका सकते नहीं

हजरत इमाम हुसैन की शहादत ने इस्लाम के वजूद को बढ़ाया, शहादत के वक्त हुसैन की उम्र सत्तावन साल थी,हुसैन की कब्र को भी अब्बासी हुकूमत ने नस्ट कर दरिया की धार से बहाने का प्रयास किया लेकिन दरिया ने इंकार कर दिया था

शहजादे

कोराव, प्रयागराज। यह सच है कि इस्लाम का वजूद हजरत इमाम हुसैन की शहादत से कायम है। देखा जाए तो शहीदाने कर्बला के वाक्यात काबिले गौर और अफसोस लायक हैं। यजीद की बैत से इंकार से लेते हुए आशूर तक इमामे हुसैन का आंदोलन कुल एक सौ पचहत्तर दिनों तक चला। चार महीने दस दिन मक्के में बारह दिन मदीने में २३दिन मक्के और कर्बला के रास्ते में आठ दिन कर्बला में । कुफे से इमाम हुसैन के दूत मुस्लिम बिन अकील की बैत करने वालों संख्या करीब चालीस हजार बताई गई है। कूफे वालों ने इमाम हुसैन अलैहिस्सलाम को बारह हजार खत लिखे गए थे। अबू तालिब की नस्ल से कर्बला में शहीद होने वालों की संख्या तीस थी। हजरत इमाम अली मुकाम की मदद में लगे होने के वजह से शहीद होने वाले कुल कुफियों की तादाद १३८थी। जिसमें १५ उनके गुलाम थे। शहादत के वक्त उनके बदन पर ३३घाव भाले के और ३४घाव तलवारों के थे। और तीरों की तादात अनगिनत थी। हुसैन की जिस्म पर कुल १९०० तक घाव थे। इमाम हुसैन की जिस्म पर दस घुरसवारों में घोड़े दौड़ाए थे। कूफे से इमाम हुसैन के खिलाफ जंग के लिए कर्बला जाने वाले सिपाहियों की तादात ३३हजार थी। मोहर्रम की दसवीं के दिन दस शहीदों के लिए हजरत इमाम हुसैन ने मर्सिया भी पढ़ा था। और उनके लिए दुआएं भी की और बातें भी की थी। हजरत अली अकबर हजरत अब्बास हजरत कासिम अब्दुल्लाह इब्ने हसन,अब्दुल्लाह,मुस्लिम बिन औसजा, हबीबे इब्ने मजाहिर, हूर बिन यजीद,रियाही, जुहैर बिन कैन,और जोन। इमामे हुसैन कर्बला के सात शाहीदों के के सिरहाने पैदल दौड़ते हुए गए थे। वो थे मुस्लिम बिन औसजा,हूर, वसेह रूमी,जॉन,,हजरत कासिम,हजरत अब्बास, हजरत अली अकबर,। दसवीं के मोहर्रम का ये आलम था कि यजीद बादशाह के सिपाहियों ने तीन सहिदों अब्दुल्लाह बिन उमर कल्बी,उमर बिन जनाडा,आस बिन अबी शबीब शाकेरी के सिरों को काट काट कर इमाम हुसैन की तरफ फेंका था।? और यजीदीयों ने अली अकबर हजरत अब्बास,अब्दुर्रहमान बिन उमेर को टुकड़े टुकड़े कर डाइट था। कुल नौ शहीदों की माओ ने अपने आंखों के सामने कत्ल होते देखा था,नौजबिल्लह। यजीदियों की बेवफाई देखिए कि पांच मासूम बच्चों अब्दुल्लाह इब्ने हुसैन,अब्दुल्लाह बिन हसन,मोहम्मद बिन अबी, सईद बिन अकील,कासिम बिन हसन अमर बिन जुनादा अंसारी को भी सहीद कर दिया। इसी तरह पैगम्बर इस्लाम के पांच सहाबी अनस,हबीब,मुस्लिम, हानी,अब्दुल्लाह को भी नहीं उन लोगों ने बख्शा और शहीद कर दिया। इमामे हुसैन की शहादत के बाद भी यजीदियों ने सअद,अबू,सुवैद,मुहम्मद बिन अबी,हुसैन के साथियों को कत्ल कर दिया। मुहम्मद बिन अबी सअद बच्चे थे हुसैन की शाहादत के बाद बिबियां रोने लगीं तो उन्हे भी याजीदी सिपाहियों कत्ल कर दिया। कुल सात लोग तो अपने बाप के ही सामने शहीद हुए। अंदर गर्दी देख पांच औरतों से न देखा गया तो उन लोगों यजीदीयो पर हमला बोल दिया। लेकिन कर्बला में शहीद होने वाली एक औरत अब्दुल्लाह बिन उमेर काल्बी की पत्नी और बहब की मा थीं। अगर देखा जाए तो हजरत इमाम हुसैन के हाथों मारे जाने वाले यजीदी सिपाहियों की संख्या १९५०तक बताई गई है। गौर का मुकाम है कि जब शहादत के बाद हजरत अब्बासी की हुकूमत वजूद में आई तो हारून रशीद बादशाह के हुक्म पर हजरत इमामे हुसैन अलैहिस्सलाम की कब्र तक को भी जूतवा कर नामों निशान मिटवा दिया। इतना ही नहीं अब्बासी खलीफा मुत्वक्किल के काल में हुसैन की कब्र के आस पास घरों को भी ध्वस्त कर दिया था। और कब्र मुबारक को समतल करने के बाद नदी का पानी उसी तरफ बहवा दिया। लेकिन खोदा का करिश्मा देखिए कि नदी का पानी ही नहीं कब्र पर चढ़ा। जब मामून की हुकूमत वजूद में आई तो हुसैन के कब्र मुबारक पर उनका रौजा बनवा दिया। फिर नस्ट करवाया किन्तु बसरा और कुफ्रे के लोगों ने फिर से रोज ए मुबारक को तैयार कर दिया। लेकिन सन २५७ हिजरी में मुत्वक्कील ने फिर से रोजे को ध्वस्त करा दिया। लेकिन उन्ही के बेटे मुंतासिर ने अपने राज में हुसैन का रउजा दोबारा बनवा दिया। इस तरह इमामे हुसैन की शहादत को इस्लाम के वजूद को मजबूत दशार्ता है। गंगा जमुनी तहजीब में देखा जाए तो कवियों ने रायटर ने जो पुस्तकों में हमदर्दी बतौर जो लेख लिखा है कि इमाम हुसैन जब नहर फरात के पास कत्ल किए गए तो गंगा जमुना बहन भाइयों ने भाई नहर फरात को कहा था कि तुम कैसे भाई हो कि यजीदियो ने तुम्हारे सामने हजरत मोहम्मद साहेब के नेवासे इमाम हुसैन को शहीद कर दिया और तुम देखते रहे। काश हम लोग होते तो उन हत्यारों को अपनी आगोश में लेलेते। और तबाह कर देते।

मिशन शक्ति कार्यक्रम में जानकारी देते उपस्थित लोग

करछना में मिशन शक्ति को लेकर किया जागरूक

करछना। मिशन शक्ति को लेकर डिस्टिक कोऑपरेटिव बैंक लिमिटेड शाखा करछना में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। अध्यक्षता कर रहे वरिष्ठशाखा प्रबंधक संजय कुमार जैसवार ने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा महिलाओं के जीवन में आर्थिक विकास,स्वावलंबन और सुरक्षा के लिए तरह-तरह के कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं जो बहुत ही सराहनीय है। उन्होंने बताया कि केसीसी समितियों के माध्यम से बैंक द्वारा महिलाओं को ऋण देने और जीरो बैलेंस से खाता खोलने की योजनाएं हैं।इसके अलावा स्ववित्तपोषित कार्यक्रमों के अंतर्गत महिलाओं को प्रशिक्षण दिलाकर भी बैंक से ऋण प्रदान किया जाएगा। इस दौरान महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए बैंक संबंधी तमाम योजनाओं की जानकारी दी गई। इसके अलावा वीमेन पावर लाइन 1080,महिला हेल्पलाइन 181, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076,एंबुलेंस सेवा108,पुलिस आपातकालीन सेवा 112,आदि के बारे में भी मौजूद महिलाओं को जानकारी दी गई। एडीओ सहकारिता सोनल ने कोऑपरेटिव बैंक द्वारा विकास खंण्ड में चलाई जा रही योजनाओं की जानकारी दी।शिव कुमारी शुक्ला,छाया जायसवाल, सुशीला देवी,सुनीता समेत बड़ी संख्या में उपभोक्ता महिलाएं मौजूद रहीं।

खबर संक्षेप

बहुजन नाट्य कार्यशाला का आयोजन 1 सितम्बर से

प्रयागराज। सोमवार को प्रबुद्ध फाउंडेशन और डा. अम्बेडकर वेलफेयर एसोसिएशन (दावा) के संयुक्त तत्वावधान में बहुजन साहित्य कला और संस्कृति के साथ साथ बहुजन रंगमंच के विकास संरक्षण सम्बर्धन एवं उसके पुनर्स्थापत्य के लिये एक पच्चीस दिवसीय प्रस्तुतिपरक बहुजन नाट्य कार्यशाला का आयोजन आगामी दिनाक 01 सितम्बर 2021 से अपराह्न 04 बजे से रात्रि 07 बजे तक प्रीतम नगर स्थित सन्त गाडगे भवन, प्रयागराज में किया जा रहा है। प्रस्तुतिपरक बहुजन नाट्य कार्यशाला में चयन एक साक्षात्कार के आधार पर किया जाएगा। बहुजन रंगमंच से जुड़ने के लिये इक्छुक युवक/ युवतियां जिनकी उम्र 18 वर्ष से 30 वर्ष के मध्य हो 31 अगस्त तक उपस्थित होकर साक्षात्कार दे सकते है। इस पच्चीस दिवसीय प्रस्तुतिपरक बहुजन नाट्य कार्यशाला का निर्देशन प्रबुद्ध फाउंडेशन के प्रबंधक/सचिव रंग निर्देशक उच्च न्यायालय के अधिवक्ता बहुजन समाज पार्टी के मण्डल सेक्टर प्राभारी रामबृज गौतम के द्वारा किया जाएगा।प्रस्तुतिपरक बहुजन नाट्य कार्यशाला में भाग लेने वाले प्रतिभागी नीचे दिये गये मोबाईल नंबर पर संपर्क कर सकते हैं।

मां और चार बच्चों की लाश गांव पहुंचने पर मचा कोहराम

एसएसपी ने घटना स्थल पर पहुंचकर लिया जायजा

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। थाना क्षेत्र के बसहाई गांव में सोमवार को एक ही परिवार के चार लोगों के शव पहुंचने पर हड़कंप मच गया। मौके पर बड़ी संख्या में ग्रामीण इकट्ठा हो गए, चार शव देखकर हर एक की आंख नम हो गई। बता दे कि रविवार सुबह गोल्हैया गांव स्थित माइंस की खदान में एक महिला व उसके तीन बच्चों का शव एक साथ मिला था। महिला ने अपने बच्चों के साथ आत्महत्या की या उसकी हत्या की गई यह अभी स्पष्ट नहीं हो सका है। बता दे कि बसहाई गांव निवासी शिव करन यादव की पत्नी रेनू 35 व उसकी पत्नी कल्पना 15, सरोज उर्फ कल्लो 13 व पुत्र गोलू 12 का शव गोल्हैया गांव स्थित माइंस की खदान में रविवार सुबह पानी में तैरता मिला था। घटना की जानकारी होने पर क्षेत्र में हड़कंप मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव कब्जे में लेकर उसे पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मामले को लेकर परिवारिक विवाद की भी बात सामने आ रही है। ग्रामीणों ने बताया कि पति पत्नी के बीच अक्सर झगड़ा व मारपीट हुआ करती थी। मामले में एक वीडियो भी वायरल हुआ था, जिसको आधार मानकर भी पुलिस जांच कर रही है। वहीं रेनू के मायके वालों ने हत्या का आरोप लगाते हुए पुलिस से शिकायत की है। हालांकि एक साथ चार मौतों को लेकर पुलिस भी सक्रिय है और हर एंगल से मामले की जांच कर रही है। परिजनों के साथ ग्रामीणों से पूछताछ कर मौत की गुत्थी को सुलझाने का प्रयास किया जा रहा है।

घटना स्थल पर जायजा लेते पुलिस टीम के साथ एसएसपी

घटना स्थल पर पहुंच एसएसपी ने की जांच

सोमवार को एसएसपी सर्वश्रेष्ठ त्रिपाठी व एसपी क्राइम आशुतोष मिश्र गोल्हैया स्थित माइंस की खदान पहुंचे और घटना स्थल की जांच की। दोनों अधिकारी अपने मताहतों के साथ करीब एक घंटे तक वहां मौजूद रहे। घटना स्थल पर जांच करने के बाद दोनों अधिकारी मृतक के घर पहुंचे यहां उन्होंने घटना को लेकर ग्रामीणों से पूछताछ की। मामले को लेकर उन्होंने हर पहलू की जांच की तथा अपने मताहतों को कुछ दिशा निर्देश दिया।

सिरसा गंगा घाट पर राहगीरों के लिए कीचड़ बन रहा मुसीबत

सिरसा गंगा घाट पर आवागमन करने वाले राहगीरों के लिए कीचड़ बना मुसीबत

सिरसा/मेजा। प्रयागराज मेजा क्षेत्र गंगा आर पार यात्रा करने वाले लोगों के लिए सिरसा गंगा घाट पर जमे कीचड़ से खासा राहगीरो को परेशानी झेलनी पड़ रही है। गौरतलब है कि पिछले दिनों आई बाढ़ की वजह से तटीय क्षेत्र में निवास करने वाले लोगों के लिए मुसीबत बनी हुई थी। वही जैसे ही बाढ़ का पानी कम हुआ लोग आवागमन किए जहां घाट पर पहुंच रहे है।पानी का स्तर कम होने से घाट पर जबरदस्त कीचड़ से राहगीरों को दो-चार होना पड़ रहा है यहां तक की बाइक सवार कीचड़ में फिसल कर गिर भी रहे हैं। सिरसा गंगा फेरी घाट पर जबरदस्त कीचड़ होने के कारण कीचड़ में फिसल कर गिरने से एक बाइक सवार घायल हो गया। देखा जाए तो आए दिन आर पार की यात्रा करने वाले लोगों को भारी फजीहते झेलनी पड़ रही है। वही गंगा के घाटों के कीचड़ से दुर्गंध से तटीय क्षेत्रों के लोगो मे बीमारी का जोखिम बढ़ गया हैं। समय रहते विभागीय अधिकारियों इस बिकट समस्या पर ध्यान नही दिया गया तो आने वाले समय मे बहुत बड़ी बीमारी और दुर्घटना घट सकती हैं।

सपा नेता की होर्डिंग को अराजक तत्वों ने फाड़ा ,युवावों में आक्रोश

पुलिस द्वारा कार्रवाई न होने पर सपा कार्यकताओं में पुलिस के रवैये पर नाराजगी

अखंड भारत संदेश

करछना। विधान सभा करछना स्थित बसही मार्केट मे लगी सपा के चर्चित युवा नेता राकेश यादव शनी की होर्डिंग को अराजक तत्वों ने रात में फाड् दिया । सपा नेता राकेश यादव शनी ने स्वतंत्रता दिवस एवम रक्षा बंधन की छेत्र वासियों को शुभ कामना तथा लक्ष्य 2022 की होर्डिंग बसही मार्किट सहित छेत्र के कई जगहों पर लगाई थी जिसमे सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष माननीय अखिलेश यादव करछना विधायक माननीय उज्जवल रमन सिंह ,सांसद माननीय कुंवर रेवती रमन सिंह की फोटो लगी थी । संकीर्ण एवम तुच्छ मानसिकता के अराजक तत्वों ने बिती रात पूरे मार्कट सहित सपा नेता के घर पर लगी होर्डिंग को सीढ़ी लगाकर छत पर चढ़कर फाड् दिए । छत पर चढ़कर होर्डिंग फाड़ना गंभीर विषय है जिससे छेत्र के युवावों में बहुत आक्रोश व्याप्त है । सपा नेता शनी यादव पुलिस चौकी पनासा में लिखित शिकायत की है पर कोई कार्यवाही नही हुई जिससे सपाइयों में बेहद नाराजगी है।

सपा नेता का फाड़ा गया जमीन पर गिरा होर्डिंग

कार में टक्कर लगने पर दबंगों ने डॉक्टर को पिस्टल सटाकर धमकाया

प्रयागराज। कैंट में बहन के घर से वापस लौट रहे डॉक्टर राहुल आनंद(35) को पिस्टल सटाकर धमकाया गया। कार में टक्कर लगने पर उसमें सवार दो दबंगों ने उनसे गालीगलौज भी की। पुलिस ने गाड़ी नंबर के आधार पर एफआईआर दर्ज कर ली है। स्टैनली रोड, बेली कॉलोनी निवासी डॉ. राहुल बीएचयू में सीनियर रेजीडेंट के पद पर तैनात हैं। रविवार को वह राखी बंधवाने अपनी बहन के धूमनगंज स्थित घर गए थे। वहां से लौटते वक्त सप्लाई डिपो के पास इकोस्पोर्ट कारसवार कार उनकी कार में टक्कर मारते हुए आगे निकली। उन्होंने आपत्ति जताई तो कारसवार दो युवक नीचे उतरे।

एक के हाथ में पिस्टल और दूसरा अपने हाथ में डंडा लिए हुए था। इसके बाद उन्हें जबरन रोककर गालीगलौज की गई, साथ ही जान से मारने को भी धमकाया गया। घटना के दौरान उनका भाई भी मौजूद था। मामले की शिकायत पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

बढ़ती महगांई व अपराध पर अंकुश नहीं लगा पा रही भाजपा सरकार : अशफाक अहमद

कांग्रेसी कार्यकताओं ने बैठक कर कांग्रेस को बताया देश को सशक्त करने वाली पार्टी वहीं भाजपा पर लगाया सरकारी सम्पत्ति को बेचने का आरोप

अखंड भारत संदेश

फूलपुर। देश में बढ़ती मंहगाई व भ्रष्टाचार के साथ ही अपराधों में आई बाढ़ पर कांग्रेसियों ने बैठक कर भाजपा सरकार पर जमकर अपनी भड़ास निकाली। फूलपुर के जाफरपुर उर्फ बाबूगंज गांव में सोमवार को पार्टी के पूर्व जिला उपाध्यक्ष अशफाक अहमद की अध्यक्षता में हुई बैठक में सैकड़ों कांग्रेसी कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यकताओं को संबोधित करते हुए कांग्रेस पार्टी के पूर्व जिला उपाध्यक्ष अशफाक अहमद ने कहा की आजादी के बाद से कांग्रेस की सरकार ने राष्ट्र हित में अनेक कार्य कर देश को सशक्त बनाने का कार्य किया वहीं महज कुछ वर्षों में ही भाजपा सरकार ने किसानों, नौजवानों को गुलामी की जंजीरों में बांधने का मार्ग प्रशस्त कर दिया है। सरकारी सम्पत्ति बेचने की बात हो या फिर निजीकरण को बढ़ावा देने की बात हो सरकार ने हमेशा पूंजीपतियों का ही पक्ष लिया और गरीबों से सिर्फ वोट बैंक की राजनीति कर लोकलुभावन वादे किए। खाद्य पदार्थ की बढ़ती कीमतों पर चिंता व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा की अगर यही स्थिति रही तो वह दिन दूर नहीं जब बहुतायत मात्रा में गरीब भुखमरी का शिकार होकर दम तोड़ देंगे। उन्होंने कार्यकताओं से आगामी विधानसभा चुनाव में जीत के लिए अभी से लग जाने की अपील की वहीं वरिष्ठ समाजसेवी एडवोकेट देवराज उपाध्याय ने कहा की वर्तमान सरकार में महिलाओं पर हो रही हिंसा जहां उनकी महिला सुरक्षा पर किए वायदों की कलई खोलती है वहीं प्रशासन के सामने ही बेखौफ अपराधियों द्वारा महिलाओं का अपमान करना यह प्रदर्शित करता है की कहीं न कहीं उन्हें सरकार द्वारा संरक्षण प्राप्त है। इस दौरान अन्य कार्यकताओं ने भी अपने विचार साझा किए और पार्टी की मजबूती के लिए कृत संकल्पित हुए। मौके पर सद्दाम हुसैन, समशेर बहादुर पटेल, महताब अली, सलमान अली,समर बहादुर यादव, मोहम्मद असलम, अकबर अली, मुमताज अंसारी, मोहम्मद हलीम, सेराज अहमद, मोहम्मद शदाब, असगर अली, मोहम्मद राशिद, तौसीफ अहमद, रशीद अहमद, मोहम्मद आबिद, मोहम्मद जावेद सहित अन्य कांग्रेसी मौजूद रहे।

बाबूगंज गांव में बैठक करते कांग्रेसी कार्यकर्ता

हंडिया पुलिस ने हत्या का किया खुलासा चार अभियुक्त पुलिस के गिरफ्त में

हंडिया। अपराध एवं अपराधियों पर नियंत्रण हेतु चलाए जा रहे अभियान के क्रम में पुलिस उप महानिरीक्षक/ वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, शर्वश्रेष्ठ त्रिपाठी पुलिस अधीक्षक प्रोटोकॉल गंगापार कुलदीप तिवारी व क्षेत्राधिकारी हंड़िया संतोष सिंह के निर्देशन में चलाए जा रहे अभियान के तहत पंजीकृत मुकदमा दिनांक 21/08/2021 को गुमशुदा आरव यादव (21 वर्ष) पुत्र शिव शंकर निवासी कुराकाठ थाना हंड़िया जनपद प्रयागराज की गुमशुदगी के उपरांत उसकी हत्या कर शव को बगहा प्लांट हंड़िया में फेंक देने के संबंध में दिनांक 23/08/2021 को पंजीकृत मुकदमा अपराध संख्या 0516/21 धारा 147, 149, 302, 201/34 भादवी से नामजद वांछित अभियुक्तगण को प्रभारी निरीक्षक ब्रिजेश कुमार सिंह के साथ उप निरीक्षक विमलेश यादव, हमराही कांस्टेबल शिव कुमार यादव, कांस्टेबल अरविंद यादव व कांस्टेबल आशीष राठौर के द्वारा अभियुक्तगणों राजा बाबू यादव पुत्र तेज बहादुर यादव निवासी ग्राम बगहा थाना हंड़िया जनपद प्रयागराज, शुभम यादव उर्फ नान बाबू पुत्र राकेश कुमार यादव निवासी कुराकाठ थाना हंड़िया जनपद प्रयागराज, रामजी यादव पुत्र राम स्वरूप यादव निवासी बगहा थाना हंड़िया जनपद प्रयागराज, रोहित यादव पुत्र शिव चंद्र यादव निवासी कुराकाठ थाना हंड़िया जनपद प्रयागराज को मुखबिर खास की सूचना के मुताबिक मुंगराव मोड़ से दिनांक 22/08/2021 को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ के क्रम में अभियुक्त राम जी पुत्र राम सुमेर द्वारा बताया गया कि मृतक आरव यादव का मेरी बहन से प्रेम प्रसंग चल रहा था। वह मेरी बहन से मोबाइल से बात करता था और अक्सर मेरे घर के तरफ शाम के समय किसी न किसी बहाने बनाकर मेरी बहन से मिलने आता रहता था। जब इस बात की जानकारी मुझे हुई तो मैंने अपने ही गांव के अपने दोस्त राजा बाबू पुत्र तेज बहादुर को सारी बातें बताया और उक्त आरव यादव को ठिकाने लगाने के लिए योजना बनाया कि आरव यादव को मार डालेंगे। दिनांक 20/08/2021 को हम लोगों ने योजना बनाकर राजा बाबू ग्राम कुराकाठ गए तथा रोहित व राजा बाबू से मिले। तब राजा बाबू ने नान बाबू उर्फ शुभम के मोबाइल से के पास ले गए तथा वहीं पर उसकी बाइक खड़ी कराकर खेत के रास्ते पानी से होते हुए बगहा प्लांट के पीछे ले गए। जहां पहले से मौजूद राम जी व हम चारों लोगों ने मिलकर योजना के अनुसार बगहा प्लांट के पीछे भरे कमर तक पानी में ले जाकर आरव यादव की डुबोकर हत्या कर दिया। और उबको प्लांट के 15 फीट गहरे गड्ढे में भरे पानी में छिपा दिया। विवेचना के दौरान अभियुक्त गणों को मुखबिर के निशानदेही पर गिरफ्तार कर उनके विरुद्ध आवश्यक वैधानिक कार्यवाही की गई।

श्रीराम मंदिर के लिए सत्ता को ठोकर मार दी थी कल्याण सिंह ने : केशरी नाथ

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। भाजपा कार्यालय में सोमवार को श्रद्धांजलि सभा का आयोजन हुआ। यहां पूर्व सीएम कल्याण सिंह को श्रद्धांजलि देने के बाद पूर्व राज्यपाल केशरी नाथ ने उनसे जुड़े आपातकाल एवं राम जन्मभूमि आंदोलन के मुकदमों का अनुभव साझा किया। कहा कि कल्याण सिंह ने अपने जीवन में जिस भी पद पर रहे, उस पद की मयार्दा को उन्होंने बनाए रखा। राम मंदिर के लिए उन्होंने सत्ता को ठोकर मार दी।

पूर्व राज्यपाल ने कहा कि सीएम रहते हुए उन्होंने नियम और कानून का पालन करते हुए शासन चलाया। राम जन्म भूमि के वह अहम किरदार रहे। गुलामी का प्रतीक बाबरी मस्जिद के विध्वंस की सारी जिम्मेदारी उन्होंने अपने ऊपर ले ली, लेकिन राम भक्तों के ऊपर आंच तक नहीं आने नहीं दी। श्रद्धांजलि सभा में पूर्व कैबिनेट मंत्री नरेंद्र कुमार सिंह गौड़ ने कहा कि कल्याण सिंह के नेतृत्व में उन्हें प्रदेश की जनता की सेवा करने का मौका मिला। उनके शासनकाल में नौजवानों, किसानों, युवाओं, महिलाओं के हित में तमाम कार्य किए गए। उन्होंने बिना किसी भेदभाव के नौजवानों को नौकरी दी।

शिक्षा जगत के कल्याण के लिए नकल अध्यादेश जैसे कठोर निर्णय लिए और तकनीकी शिक्षा में विकास किया गया। श्रद्धांजलि सभा में सांसद केसरी देवी पटेल, विधायक हर्षवर्धन बाजपेई, अनामिका चौधरी ,कमलेश कुमार, मुरारी लाल अग्रवाल, राघवेंद्र मिश्रा ,रणजीत सिंह ने भी अपने संस्मरण साझा किए। शोक सभा की अध्यक्षता करते हुए भाजपा महानगर अध्यक्ष गणेश केसरवानी ने की। इस अवसर पर कार्यकताओं ने 2 मिनट का मौन रखकर उनकी आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की। श्रद्धांजलि सभा में कुंज बिहारी मिश्रा, गिरि बाबा , वरुण केसरवानी, राजेश केसरवानी, पार्षद किरन जायसवाल, अमन बलेचा ,रमेश पासी ,बृजेश मिश्रा आदि मौजूद रहे।

श्रद्धांजलि अर्पित करते केशरीनाथ

जनवादी पार्टी के नेतृत्व में निकलेगी जन क्रांति रथ यात्रा

लेडियारी। जनवादी पार्टी सोशलिस्ट के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉक्टर संजय सिंह चौहान के नेतृत्व में जनवादी जन क्रांति रथ यात्रा बलिया से होते हुए चंदौली, सोनभद्र, मिजार्पुर, भदोही, प्रयागराज आदि जिलों में जनता जनार्दन के आशीर्वाद हेतु घूमेगी । उक्त बातें पार्टी के जिला अध्यक्ष प्रयागराज रमाशंकर सिंह चौहान ने बताई ।आगे बतलाया कि आज प्रदेश का युवा और किसान तेजी से जनवादी पार्टी के विचारों से प्रभावित होकर तेजी से जुड़ रहा है।इसका परिणाम आगामी 2022 के चुनाव में तेजी से देखने को मिलेगा । रथ यात्रा का स्वागत कार्यक्रम संपूर्ण प्रयागराज में जगह-जगह कार्यकताओं द्वारा रखा गया है जिसके तदोपरांत 28 अगस्त को विधानसभा कोरांव के रत्योरा मोड में स्वागत समारोह का आयोजन किया गया है। जिसमें ज्यादा से ज्यादा लोगों को एवं कार्यकताओं को पहुंचने की अपील की गई है ।

राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ ने ग्राम पंचायत जारी में श्रद्धांजलि अर्पित करते

कल्याण सिंह को बताया भगवान श्रीराम का भक्त

जारी। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और बीजेपी के वरिष्ठ नेता कल्याण सिंह की लंबी बीमारी के बाद उनका निधन हो गया। उनके निधन की खबर के बाद बीजेपी सहित देशभर में शोक की लहर है। ग्राम पंचायत जारी में दिन सोमवार को सुबह कल्याण सिंह के निधन पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने गहरी शोक संवेदना व्यक्त करता है। संघ के वीरेंद्र जायसवाल ने कहा कि कल्याण सिंह जमीन से जुड़े राजनेता और कुशल प्रशासक थे। उनके निधन से सार्वजनिक जीवन में एक अपूरणीय क्षति हुई है। वे हिन्दुत्वनिष्ठ, भगवान श्रीराम के अनन्य भक्त और भारतीय मूल्यों के प्रति समर्पित थे। श्रीराम जन्मभूमि आंदोलन में अपनी राष्ट्रीय कर्तव्य-निष्ठा का निर्वाह कर जननायक बन गए थे। जहां उपस्थित राम सजीवन पूर्व प्रधान, शिवराम अग्रहरी व्यापार मंडल अध्यक्ष, शिव प्रसाद केसरवानी मंडल अध्यक्ष, आलोक कुमार कोल जिला पंचायत सदस्य, श्रीकांत चतुर्वेदी, ननकू वर्मा, मयंक जयसवाल ,उपस्थित सभी लोगों ने संवेदना व्यक्त की।

पूर्व मुख्यमंत्री को भाजपाईयों ने दिया श्रद्धांजलि

हनुमान मंदिर जंघई में भाजपाइयों ने श्रद्धांजलि अर्पित किया

जंघई। पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह के निधन पर हनुमान मंदिर जंघई में शोक सभा का आयोजन हुआ।शोक सभा में उपस्थित लोगों ने कल्याण सिंह के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए श्रद्धांजलि दिया।इस अवसर पर जंघई भाजपा मंडल अध्यक्ष संदीप गुप्ता तोगड़िया, मंडल महामंत्री प्रदीप शर्मा, मंडल मंत्री मनोज दुबे, महामंत्री अखिलेश द्विवेदी, मनोज मौर्या, धीरज सिंह सहित तमाम कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कल्याण सिह को दी गई भावभीनी श्रद्धांजलि

करछना। सोमवार को बेला चौराहे के समीप के जुटे भाजपाइयो ने प्रदेश के पूर्व मुख्यमत्री किसानो के शुभ चितक और मदिर आदोलन के प्रेणेता कल्याण सिह के निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए कहा कि वे प्रदेश की राजनीति को नई दिशा और दशा प्रदान करने वाले दृढ इच्छा शक्ति के धनी व्यक्ति थे।वे प्रदेश के मुख्यमत्री व राजस्थान व हिमाचल प्रदेश के राजस्पाल भी रहे और अपने राजनीतिक कौशल और कार्यो के लिए हमेशा लोगो के बीच याद किए जाएगे उनकी याद मे दो मिनट का मौन रख श्रद्धाजलि दी गई।इस मौके पर इन्द्रजीत वर्मा,जगत बहादुर सिह चन्द्रभान सिह,जगबहादुर,बाबा बालकदास सरतेज सिह सदाशिव,विमल,दिनेश सिह राजेश्वरी प्रसाद सिह,लाल बहादुर पाल,राजू पाल,भाग सिह बुल्ले सिह,सजय सिह सरदार सिह आदि दर्जनो लोग शोक सवेदना व्यक्त की।

पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह को भाजपाईयों ने दिया श्रद्धांजलि

जंघई। पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह के निधन पर हनुमान मंदिर जंघई में शोक सभा का आयोजन हुआ।शोक सभा में उपस्थित लोगों ने कल्याण सिंह के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए श्रद्धांजलि दिया।इस अवसर पर जंघई भाजपा मंडल अध्यक्ष संदीप गुप्ता तोगड़िया, मंडल महामंत्री प्रदीप शर्मा, मंडल मंत्री मनोज दुबे, महामंत्री अखिलेश द्विवेदी, मनोज मौर्या, धीरज सिंह सहित तमाम कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

चौकीदार के पद पर हुई थी नियुक्ति, हेराफेरी कर बन गए लैब सहायक

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज । लोक निर्माण विभाग में सेवा पुस्तिका की जांच में कई नए तरह की धांधली सामने आ रही हैं। एक कर्मचारी नेता ने अपनी ज्वाइनिंग के समय अपनी शैक्षिक योग्यता पांच पास दिखाई थी लेकिन उसके बाद वह कागजों में हेराफेरी कर अपनी पदोन्नति लैब सहायक के पद पर करा ली है। कर्मचारी नेता के खिलाफ शिकायत हो गई है। मामले में निर्माण खंड एक के अधीशासी अभियंता को पत्र लिखकर जांच कर कार्रवाई के आदेश दिए गए हैं। विभागीय जानकारी के मुताबिक कर्मचारी नेता चौकीदार के पद पर नियुक्ति हुए थे। उस समय उनकी शैक्षिक योग्यता कक्षा पांच थी। बाद में स्थाई मास्टर रोल में होने के लिए बेलदार के पद पर पद परिवर्तित करा लिया। तथा, बेलदार के पद पर स्थाई अधिष्ठान में नियुक्त हो गए। पद परिवर्तन कराने के फलस्वरूप कर्मचारी नेता ज्येष्ठता सूची से कनिष्ठ कर्मचारी हो गए। जिस समय सेवा में आए उस समय जनपदीय ज्येष्ठता सूची में अंकित जन्मतिथि के अनुसार 18 वर्ष, छह माह के थे। इस पर सवाल खड़े हो रहे हैं कि जब ये कक्षा पांच ही पास थे तो ज्येष्ठता, श्रेष्ठता और योग्यता की अनदेखी करते इनकी पदोन्नति लैब सहायक के पद पर कैसे हो गई है? जबकि विभागीय पदोन्नति के लिए एक मानदंड बनाया गया है।

पदोन्नति नोडल अधिकारी की अध्यक्षता (चार अधीशासी अभियंताओं की कमेटी) में एक चयन चार्ट बनता है और उस पर कमेटी के सभी अधिशासी अभियंताओं के हस्ताक्षर करके अधीक्षण अभियंता के कार्यालय भेजा जाता है। लेकिन, इन सब कार्यवाहियों की अनदेखी हुई है। जांच में यह भी बात सामने आई है कि कर्मचारी नेता की सेवावधि में एक साल का गैप है। उन्हें एक साल, 13 दिन का वेतन आहरित नहीं हुआ है। जांच में कर्मचारी नेता की पूरी हकीकत सामने आने के बाद विभाग में खलबली मच गई है। कर्मचारी नेता के खिलाफ बीजेपी के मंडल अध्यक्ष दिलीप कुमार केसरवानी ने मुख्य अभियंता से शिकायत कर जांच की मांग की है। मामले में निर्माण खंड एक से जांच कर कार्रवाई करने को कहा गया है।

संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबले अचानक पहुंचे प्रयागराज

प्रयागराज। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबले सोमवार को अचानक प्रयागराज पहुंचे। यहां संघ पदाधिकारियों से मुलाकात के बाद उन्होंने राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के दिवंगत पूर्व विभाग संघ चालक राम शिरोमणि मिश्रा की तेरहवीं में शिरकत की। इस दौरान उन्होंने वहां उन्होंने अपनी श्रद्धांजलि देने के साथ कहा कि स्वर्गीय रामशिरोमणि मिश्र के जीवन पर पुस्तक का प्रकाशन होना चाहिए।सरकार्यवाह ने रामशिरोमणि को सच्चे अर्थों में संघ का स्वयंसेवक बताया। वह इस धरती के रत्न थे, ऐसे लोगों को संसार की भलाई के लिए बार-बार जन्म लेना चाहिए। सामाजिक सेवा तथा शिक्षा का दानकर वह ऋण मुक्त होकर इस संसार से विदा हुए हैं । उनके जीवन पर एक पुस्तक प्रकाशित की जानी चाहिए। श्रद्धांजलि सभा को क्षेत्र प्रचारक अनिल, क्षेत्र बौद्धिक प्रमुख मिथिलेश, नेहरू ग्राम भारती के चांसलर जेएन मिश्रा, उत्तर प्रदेश उच्चतर शिक्षा परिषद के अध्यक्ष गिरीश चंद्र त्रिपाठी आदि ने भी संबोधित किया।

माओवादी हमले में जख्मी कौशाम्बी का जवान शहीद

अखंड भारत संदेश

पुणे के कमांड हॉस्पिटल में 8 महीने से चल रहा था इलाज

कौशांबी। माओवादी हमले में गोली का शिकार कौशाम्बी के लाल की सोमवार शाम को मौत हो गई। वह आठ महीने से अस्पताल में जिंदगी-मौत के बीच संघर्ष कर रहा था। मौत की मनहूस खबर परिजनों को हुई तो कोहराम मच गया। परिजन जवान का शव लेने के लिए पुणे रवाना हो गए हैं।सिराथू तहसील के रमसहायपुर निवासी नरेंद्र कुमार पुत्र लल्लू राम भारतीय सेना की 72वीं टास्क फोर्स (स्पेशल ऑपरेशन) में तैनात थे। नरेंद्र की तैनाती आंध्रप्रदेश के औरंगाबाद जिले में थी। जहां जंगल में माओवादी गतिवधियों की सूचना पर कांबिग शुरू हुई। घात लगा कर बैठे माओवादियों ने जवानों पर ताबड़तोड़ गोलियां चलानी शुरू कर दी।इस दौरान नरेंद्र कुमार के सीने में गोली लगी। जवाबी कार्रवाई में माओवादी भाग खड़े हुए। घायल जवानों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। जिसमे नरेंद्र कुमार भी थे। पुणे के कमांड हॉस्पिटल में आठ माह तक इलाज के बाद सोमवार को उन्होंने शाम 7.36 बजे अंतिम सांस ली। मातृभूमि के लिए अपना सर्वोत्तम बलिदान देने वाले जवान नरेंद्र कुमार के निधन की सूचना पर परिजन पुणे के लिए रवाना हो गए है। ग्राम प्रधान सूर्य प्रकाश मिश्रा ने बताया, गांव के लिए यह दुःख की घड़ी है। परिजन पार्थिव शरीर लेने रवाना हो चुके हैं। ग्रामीण अपने वीर जवान का शव आने का इंतजार कर रहे हैं। पार्थिव शरीर मंगलवार की दोपहर तक गांव पहुंचने की जानकारी परिजनों से मिली है।

लोक कल्याण ही धर्मार्थ जीवन का ध्येयः प्रमोद तिवारी

सीडब्ल्यूसी मेंबर ने बाबा बूढ़ेश्वर नाथ मे भण्डारे में हुए शामिल

लालगंज, प्रतापगढ़। देउम स्थित बाबा बूढ़ेश्वरनाथ धाम मे सोमवार को ओम नमः शिवाय जाप पर हुए भण्डारे एवं शिव महिमा पूजन उत्सव मे श्रद्धालुओं की भारी भीड़ दिखी। केन्द्रीय कांग्रेस वर्किंग कमेटी के सदस्य प्रमोद तिवारी तथा अयोध्या धाम के गुरू महराज पं. गिरीशपति त्रिपाठी ने बाबा का श्रीअभिषेक कर लोकमंगल की प्रार्थना कर कार्यक्रम का श्रीगणेश किया।

आध्यात्मिक सत्संग को संबोधित करते हुए सीडब्ल्यूसी मेंबर प्रमोद तिवारी ने कहा कि धर्मार्थ जीवन का ध्येय सदैव लोककल्याण मे कर्म को समर्पित करने का पवित्र साधन हुआ करता है। उन्होनें कहा कि ईश्वर के प्रति सच्ची श्रद्धा सदैव हमें सार्वभौमिक विकास तथा सुख शांति के बीच जीवन के कर्तव्य निर्वहन की प्रेरणा भी दिया करता है। श्री तिवारी ने आयोजन समिति की ओर से अयोध्या धाम से पधारे पं. गिरीशपति त्रिपाठी को सम्मानित भी किया। वहीं अयोध्या धाम के पं. गिरीशपति त्रिपाठी ने आचार्य समूह के वैदिक मंत्रोच्चारण के मध्य सीडब्ल्यूसी मेंबर प्रमोद तिवारी को श्रीराम नाम के अंगवस्त्रम् तथा श्रीरामचरित मानस ग्रन्थ की प्रति के साथ तुलसी की माला भेंट कर मंगलकामना सौपी। इस मौके पर सांगीपुर प्रमुख अशोक सिंह बब्लू, चेयरपर्सन प्रतिनिधि संतोष द्विवेदी, मीडिया प्रभारी ज्ञानप्रकाश शुक्ल, दृगपाल यादव आदि लोग मौजूद रहे।

बाबा घुइसरनाथ में प्रमोद तिवारी के टेका मत्था

लालगंज, प्रतापगढ़। केन्द्रीय कांग्रेस वर्किंग कमेटी के सदस्य प्रमोद तिवारी ने सोमवार को बाबा घुइसरनाथ जी का मत्था टेक कर रामपुरखास के सार्वभौमिक विकास की कामना की। श्री तिवारी ने बाबा का मत्था टेकने के बाद श्रद्धालुओं के बीच कहा कि जब कभी उन्हें विकास की कोई बड़ी राह देखनी होती है तो वह बाबा का आर्शीवाद लिया करते है। उन्होनें कहा कि बाबा की असीम शक्ति से उन्हें विकास की कोई न कोई बड़ी योजना को यहां साकार करने के लिए सदैव शक्ति भी मिलती रही है। धाम में महन्थ डा. मयंक भाल गिरि, आचार्य आदित्य नारायण दुबे, पं. वीरेन्द्रमणि तिवारी, पं. विपिन तिवारी आदि ने प्रमोद तिवारी का मलयागिरि श्रीचंदन अभिषेक किया।

तीन दिन से गायब राजमिस्त्री का तालाब में मिला शव

पुलिस ने शव को कब्जे में लिया

पट्टी, प्रतापगढ़। कोतवाली क्षेत्र के पूरे भीखा गांव निवासी तीन दिन से लापता राजमिस्त्री का शव तालाब में मिला। तालाब में शव उतराते देख ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को तालाब से बाहर निकाला। शव की पहचान पूरे भीखा निवासी लापता राजमिस्त्री के रूप में हुई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पीएम के लिए जिला चिकित्सालय भेजा है।

पूरे भीखा गांव निवासी महावीर गुप्ता (42) राज मिस्त्री का काम करता था। तीन दिन पूर्व अचानक लापता हो गया। परिजनों ने उसकी तलाश की लेकिन कामयाब नहीं हुए। सोमवार की सुबह ग्रामीणों ने गांव के तालाब में एक शव उतराया देखकर पुलिस को सूचना दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को बाहर निकाला तो शव की पहचान लापता महावीर गुप्ता के रूप में हुई। ग्रामीणों में चर्चा है कि मृतक शराब का लती था संभवतः तालाब में पैर फिसलने से उसकी मौत हुई है।

पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पीएम के लिए भेजा है। पट्टी कोतवाल गणेश प्रसाद सिंह ने बताया कि महावीर गुप्ता की किसी से अदावत नहीं थी। ग्रामीणों में चर्चा के अनुसार वह नशे का आदि था। अनुमान है कि पैर फिसलने से वह तालाब के गहरे पानी में डूब गया। शव को पीएम के लिए भेजा गया है। पीएम रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई की जाएगी। मृतक महावीर गुप्ता पांच बच्चों का पिता था, जिसमें उसकी पत्नी सरोजा, बेटी नेहा (22) वर्ष की शादी हो जनपद जौनपुर में हुई है। छोटी बेटी निधि (18) वर्ष, बेटी दीक्षा (14) वर्ष, बेटा राज (8) वर्ष व बेटा अर्पित (5) वर्ष हैं।

किशोरी से युवक ने किया दुष्कर्म, फरार

दुराचार के आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

परियावां/पट्टी, प्रतापगढ़। कुंडा कोतवाली क्षेत्र के एक गांव की युवती रविवार की दोपहर लगभग 3 बजे घर से बाहर शौच के लिए गई थी तभी पीछे से लवकुश नाम का युवक अपने कुछ साथियों के साथ आया और युवती को जबरन पकड़ कर उसके साथ गलत कार्य करने लगा।

कुछ देर बीत जाने के बाद जब युवती घर वापस नही पहुँची तब युवती के परिजन ढूढ़ते हुए खेतों की तरफ गए तब उन लोगो ने देखा। लवकुश युवती के साथ जबरन गलत कार्य कर रहा था। परिजनों के शोर मचाने पर युवक भाग निकले। इसके बाद परिजन युवती को लेकर कुंडा कोतवाली आये जहाँ घटना की लिखित सूचना पुलिस को दी पुलिस ने मामले में युवक के खिलाफ धारा 376 ,पास्को एक्ट सहित गम्भीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया। घटना के बाद आरोपी फरार है। पट्टी संवाददाता के मुताबिक दुराचार के आरोप में फरार चल रहे एक अभियुक्त को न्यायालय के आदेश पर वारंट जारी होने पर पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पट्टी कोतवाली क्षेत्र के दाऊदपुर गांव का रहने वाला पप्पू सिंह उर्फ बृजभान पुत्र सूर्यभान सिंह को पृथ्वी गंज चौकी इंचार्ज चल शेखर सिंह ने न्यायालय के आदेश की पालना करते हुए आरोपी को गिरफ्तार किया।। वह विगत कई महीनों से दुराचार के मामले मे फरार चल रहा था।

नाबालिग को भगा ले गया आरोपी

पट्टी, प्रतापगढ़। शौच के लिए गई एक नाबालिक को आरोपी बहला-फुसलाकर भगा ले गया। पीड़ित के माता-पिता ने मामले में पट्टी कोतवाली में तहरीर देकर आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। पट्टी पुलिस ने आरोपी के खिलाफ सुसंगत धाराओं में मामला दर्ज कर लिया। पट्टी कोतवाली क्षेत्र के गदौरी खुर्द गांव की रहने वाली एक महिला ने बताया कि बीते 23 अगस्त को शाम 8 बजे जब वह शौच के लिए गई थी। गांव का एक व्यक्ति उसकी बेटी को बहला-फुसलाकर भगा ले गया। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी पर मामला दर्ज कर लिया है।

20 लीटर देशी शराब के साथ अभियुक्त गिरफ्तार

प्रतापगढ़। थाना जेठवारा से उ0नि0 राजीव कुमार मय हमराह द्वारा देखभाल क्षेत्र/चेकिंग के दौरान मुखबिर खास की सूचना पर थाना क्षेत्र के शीतल पाण्डेय का पुरवा से एक व्यक्ति अवधेश कुमार सरोज पुत्र भगवानदीन सरोज निवासी राजापुर बिंधन थाना महेशगंज को 20 लीटर अवैध देसी शराब के साथ गिरफ्तार किया गया। उक्त बरामदगी के संबंध में थाना स्थानीय पर मु0अ0सं0 350/2021 धारा 60 आबकारी अधिनियम का अभियोग पंजीकृत किया गया।

संगम के लिए बुधवार से पटरी पर दौड़ेगी नई पैसेंजर ट्रेन

परियावां, प्रतापगढ़। रेल विभाग यात्रियों की सुविधा को देखते हुए बुधवार की सुबह कानपुर सेंट्रल से 2.40 बजे नई पैसेंजर ट्रेन चलाने की तैयारी कर रहा है जो सभी स्टेशनों पर रुकते हुए सुबह परियावां स्टेशन 6.50 बजे पहुंचेगी, जिसका किराया एक्सप्रेस ट्रेन का लगेगा ट्रेन न0 04119 अप व 04120 डाउन के नाम से जानी जाएगी। परियावां स्टेशन मास्टर चेतन शुक्ला ने ट्रेन के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि कानपुर ऊंचाहार पैसेंजर ट्रेन की जगह रेल विभाग बुधवार की सुबह कानपुर से वाया ऊंचाहार प्रयागराज संगम के लिए नई ट्रेन चलाने की तैयारी कर रहा है जो प्रयागराज संगम से शाम 4.10 बजे कानपुर के लिए छूटेगी जो शाम को परियावां स्टेशन 6.50 बजे आएगी। ट्रेन में सफर करने के लिए यात्रियों को एक्सप्रेस ट्रेन का किराया देना पड़ेगा। रेल विभाग ने अन्य ट्रेनों के टिकट की बिक्री का काउंटर नही चालू किया है सिर्फ नई पैसेंजर ट्रेन के लिए एक्सप्रेस ट्रेन का टिकट बिकने के लिए काउंटर खोलने का आदेश दे रखा है।

बराछा स्थित गोशाला व कूड़ा डम्पिंग केन्द्र का ईओ ने किया निरीक्षण

गोशाला में साफ-सफाई का दिया विशेष निर्देश

प्रतापगढ़। नगर में बेल्हा देवी पुल के समीप बराछा स्थित गोशाला जिसमें लगभग दो सौ पशु रहते हैं, उनका निरीक्षण करने के लिये सोमवार को नगर पालिका के अधिशाषी अधिकारी मुदित सिंह अपने सहयोगियों के साथ पहुंचे और वहां उन्होंने गाय-बछड़ों के रखरखाव, उनके चारे की व्यवस्था तथा साफ-सफाई का विधिवत निरीक्षण किया। गोशाला में पशुओं की व्यवस्था देखकर ईओ ने संतोष जताया और साफ-सफाई रखने का विशेष निर्देश दिया। इसके बाद वह महुली स्थित कूड़ा डम्पिंग केन्द्र (एमआरएफ) पहुंचे, जहां चहारदीवारी बन रही है। बता दें कि यह कूड़ा डम्पिंग केन्द्र अंदर एक स्कूल के बगल बना है जहां जाने का रास्ता इतना पतला है कि कूड़े की गाड़ियां नहीं जा पाती। कूड़ा डम्पिंग केन्द्र की बाउंड्री पहले ही बनाने का कार्य शुरु हुआ था लेकिन कुछ अवरोधों के कारण उसे पूरा नहीं किया जा सका। अब उसकी बाउंड्री पूरी की जा रही है। अधिशाषी अधिकारी के सामने कर्मचारियों ने भी रास्ता पतला होने से आ रही दिक्कतों का जिक्र किया। अधिशाषी अधिकारी को चहारदीवारी को जल्दी से जल्दी पूरा करने का निर्देश दिया। अधिशाषी अधिकारी के साथ नगर पालिका के सफाई निरीक्षक संतोष कुमार सिंह, आरआई लाल बहादुर सिंह व अनिल शुक्ला आदि थे। बता दें कि अधिशाषी अधिकारी छुट्टी के दिनों में इस तरीके का निरीक्षण आये दिन किया करते हैं।

जिले में लायंस क्लब का कार्य बेहतरीनः चैतन्य पाण्डया

शैल श्याम में हुआ संयुक्त अधिष्ठापन समारोह

प्रतापगढ़। लायंस क्लब प्रतापगढ़ हर्ष, गौरव, शक्ति व अवध का संयुक्त अधिष्ठापन समारोह शैल श्याम पैलेस में आयोजित हुआ। मुख्य अतिथि डिस्ट्रिक्ट गवर्नर लायन चैतन्य पाण्ड्या व उनकी पत्नी रागिनी पाण्ड्या मौजूद रहीं। मुख्य अतिथि डिस्ट्रिक्ट गवर्नर लायन चैतन्य पाण्ड्या ने कहा कि इस वर्ष हम वी चेन्ज के नारे के साथ कार्य कर रहे है। यह परिवर्तन हमारे कार्यो में भी दिखना चाहिए। मुख्य वक्ता निवर्तमान मल्टीपल कॉउन्सिल चेयरपर्सन लायन क्षितिज शर्मा ने प्रेरित करते हुए कहा कि सारे क्लब स्थायी प्रोजेक्ट पर कार्य करे जिसके लिए लायन्स क्लब द्वारा पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा। पूर्व मण्डलाध्यक्ष लायन सतीश चन्द्र श्रीवास्तव ने कहा कि मेरा प्रतापगढ़ जनपद से बहुत पुराना लगाव है। यहां के सभी क्लब बेहतरीन कार्य कर रहे है। इस दौरान उपमण्डलाध्यक्ष प्रथम लायन सौरभ कान्त श्रीवास्तव ने अध्यक्ष राजेश बहादुर पाल (हर्ष), कंचन सिंह (गौरव), गीता मिश्रा (शक्ति), राजेन्द्र शुक्ला (अवध) व सचिव अश्वनी सिंह (हर्ष), स्मृति सिंह (गौरव), अनीता पाण्डेय (शक्ति), डा. अमित पाण्डेय (अवध), कोषाध्यक्ष अमितेन्द्र श्रीवास्तव (हर्ष), अमोलक सिंह (गौरव), पर्मिला शुक्ला (शक्ति), पंकज शुक्ला (अवध), प्रशासक संतोष भगवन (हर्ष), डॉ बृजभानु सिंह (गौरव), लक्ष्मी मिश्रा (शक्ति), संतोष पाण्डेय (अवध) सहित सम्पूर्ण कार्यकारिणी को शपथ दिलाते हुए उन्हे उनके कार्यो तथा दायित्व से परिचित कराया। अधिष्ठापन अधिकारी डिस्ट्रिक्ट गवर्नर प्रथम लायन सी ए सौरभ कान्त , दीक्षाधिकारी डिस्ट्रिक्ट गवर्नर द्वितीय पी.के. सिंह, मुख्य वक्ता पूर्व एम.सी.सी. डा. क्षितिज शर्मा पूर्व मण्डलाध्यक्ष सतीश चन्द्र श्रीवास्तव, मंडल सचिव नरेन्द्र मेहता, मंडल सचिव प्रशासन लायन प्रदीप जायसवाल, जीएटी एरिया कोऑर्डिनेटर लियो वीपी मारवाह, डिप्टी डिस्ट्रीक्ट गवर्नर डॉ पीयूष कान्त शर्मा, रीजन चेयरपर्सन पुष्पांजलि शुक्ला, जोन चेयरपर्सन क्षितिज श्रीवास्तव के समक्ष सम्पन्न हुआ। उपमण्डलाध्यक्ष द्वितीय लायन पी.के. सिंह ने नवीन सदस्यो लायन्स क्लब हर्ष से विनय कुमार सिंह (भोला), केशव धनगर, लायन्स क्लब शक्ति की रूचि केसरवानी, छाया श्रीवास्तव, पूजा सिंह तथा लायन्स क्लब अवध के अनिल तिवारी, सूबेदार उपाध्याय, विपिन शुक्ला, रामवृक्ष पाण्डेय, के.के. त्रिपाठी, श्याम शंकर द्विवेदी, संदीप त्रिपाठी को दीक्षा प्रदान की। रीजन चेयरपर्सन पुष्पांजलि शुक्ला ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन लायन शिशिर खरे ने किया।

संस्कृत के विकास को जनसहयोग जरूरी

शुरू हुआ दूसरे चरण का प्रशिक्षण

प्रतापगढ़। संस्कृत भाषा शिक्षण का द्वितीय चरण के प्रशिक्षण का सोमवार को शुभारंभ किया गया। इसमें 5329 लोगों ने अपना पंजीकरण कराया है। इनमें से उपस्थित 2032 प्रतिभागियों के लिए उत्तरप्रदेश संस्कृत संस्थान के 36 भाषा प्रशिक्षकों ने 44 कक्षाओं में शिक्षण कार्य आरंभ किया। इसका आनलाइन सामूहिक उद्घाटन संस्थान के अध्यक्ष वाचस्पति मिश्र एवं निदेशक पवन कुमार ने किया। वाचस्पति मिश्र ने कहा कि संस्कृत के विकास के लिए जन सहयोग अपेक्षित है। उन्होंने संस्कृत आपके द्वार मिस्डकाल योजना की विस्तृत जानकारी दी।

निदेशक पवन कुमार ने बताया कि संस्कृत भाषा पूर्ण वैज्ञानिकी भाषा है। संस्कृत के प्रति संस्थान समर्पित भाव से कार्य कर रहा है और इसका लाभ भी समाज को मिल रहा है। इस योजना में भारत से ही नहीं अपितु कई देशों के लोग लाभान्वित हो रहे हैं। प्रतापगढ़ जिले के निवासी प्रयागराज मंडल के प्रशिक्षक डॉ.दिवाकर मिश्र ने गूगल मीट के माध्यम से अपराह्न तीन बजे प्रथमस्तरीय भाषा शिक्षण का द्वितीय चरण का शुभारंभ किया। यहां 125 पंजीकृत प्रशिक्षु देश के विभिन्न स्थानों से प्रतिभाग कर रहे हैं। डॉ.दिवाकर मिश्र ने बताया कि यदि कोई भी किसी भी आयु वर्ग का व्यक्ति इस निःशुल्क ऑनलाइन संस्कृत भाषा शिक्षण की कक्षा में आना चाहे तो उसे सर्व प्रथम 9522340003 पर मिस्डकाल करना होगा। मैसेज बॉक्स पर प्राप्त लिंक के माध्यम से अपना पंजीकरण एवं वहां अपने अनुकूल समय, महीने को चुनकर अपना स्थान सुरक्षित कर सकता है। कार्यक्रम में प्रशिक्षण प्रमुख सुधीष्ठ मिश्र, प्रशिक्षण समन्वयक धीरज मैथानी, निरीक्षक डॉ. रत्नेश्वर मणि त्रिपाठी, चंद्रकला शाक्य, दिनेश मिश्र एवं सहयोगी संस्कृत भाषा प्रशिक्षक शशिकांत शर्मा रहे।

वारण्टी अभियुक्त गिरफ्तार

प्रतापगढ़। थाना पट्टी से उ0नि0 चन्द्र शेखर सिंह मय हमराह द्वारा देखभाल क्षेत्र/चेकिंग के दौरान मुखबिर खास की सूचना पर थाना स्थानीय के मु0अ0सं0 187/11 धारा 363, 366, 376, 504, 506 भादंवि से सम्बन्धित वारण्टी अभियुक्त पप्पू सिंह उर्फ बृजभान सिंह पुत्र सूर्य नारायण सिंह निवासी दाउतपुर थाना पट्टी को उसके घर से गिरफ्तार किया गया।

यूनिक आईडी लागू करने के विरोध में सर्राफा व्यवसायियों ने की हड़ताल

प्रतापगढ़। उत्तर प्रदेश सर्राफा एसोसिएशन के आवाहन पर केंद्र सरकार के द्वारा हॉलमार्किंग यूनिक आईडी लागू करने के कारण सर्राफा व्यापारी भाईयों को इससे तमाम लिखापढ़ी व इससे उत्पन्न परेशानी के कारण विरोध में प्रतापगढ़ में भी सोमवार को सर्राफा व्यवसाय बन्द रहा। सर्राफा एसोसिएशन के जिला संयोजक राजेन्द्र कुमार केसरवानी ने बताया कि इसमें सामान में हॉलमार्किंग का विरोध नही किया जा रहा है, बल्कि विरोध उस कारण से है जिसमे सारे सामान को विभाग में ले जा कर सामानों को इंट्री करवाने से है। इंट्री के पश्चात ही माल की बिक्री किया जाए, जिस कारण से व्यापारी को बहुत ही ज्यादा परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। 90 प्रतिशत सर्राफा व्यवसायी इससे प्रभावित हो सकते हैं। इस तरह से दुकान के सारे जेवरात विभाग में जाकर इंट्री करवाने से किसी भी व्यापारी के साथ किसी तरह की अप्रिय घटना घट सकती है। इस तरह की घटनाओं का जिम्मेदार कौन होगा।

पीईटी परीक्षा आज, बढ़ी प्रशासनिक मुस्तैदी

लालगंज, प्रतापगढ़। मंगलवार को होने वाली पीईटी की यहां होने वाली परीक्षा को लेकर प्रशासन तैयारियों को लेकर मुस्तैद दिखा। अफसरो ने निर्धारित परीक्षा केन्द्रो का भ्रमण कर वहां सीसी कैमरे आदि के सुचारू होने की जानकारियां ली। बतादें आज मंगलवार को नगर के रामअंजोर मिश्र इण्टर कालेज, कमला नेहरू बालिका विद्यालय, सरस्वती इण्टर कालेज, एचएन बहुगुणा पीजी कालेज, एसबीएम डिग्री कालेज, एसबीएम टेक्निकल इंस्टीटयूट तथा अझारा स्थित भागवत दत्त महाविद्यालय मे पीईटी की परीक्षा होगी। एसडीएम राहुल यादव ने बताया कि परीक्षा को शांतिपूर्ण कराये जाने के लिए सभी प्रशासनिक तैयारियां भी पूर्ण कर ली गई है। सोमवार को राजकीय अवकाश होने के बावजूद इन केन्द्रों पर अभिभावको तथा परीक्षार्थियों के द्वारा केंद्र स्थल को देखने की भी उत्सुकता नजर आयी।

कांग्रेस के समर्पित नेता था राजाराम सरोजः डा0 लालजी त्रिपाठी

इंदिरा भवन पर कांग्रेसजनों ने जताया शोक

प्रतापगढ़। जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय इंदिरा भवन पर कांग्रेस नेता राजाराम सरोज के निधन पर शोक सभा की गई। कांग्रेसजनों ने दो मिनट का मौन रखकर राजाराम की आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की। जिलाध्यक्ष डॉ0 लालजी त्रिपाठी ने शोक व्यक्त करते हुए कहा कि राजाराम सरोज कांग्रेस के समर्पित नेता थे, जो कि अपने सरल स्वभाव, मृदुभाषी और कांग्रेस के प्रति अपनी निष्ठा के लिए जाने जाते थे। उन्होंने कहा कि राजाराम सरोज के पार्टी के लिए किए गए कार्यो को भुलाया नहीं जा सकता। उनके निधन से पार्टी को क्षति हुई है। शोक व्यक्त करने वालो में शहर अध्यक्ष इरफान अली, रोहित शुक्ल, वेदांत तिवारी, फतेह बहादुर सिंह, मो0 इश्तियाक, अब्दुल रहमान, अवध राज यादव, रामधन यादव, कृष्णकांत शुक्ल, शिवम मिश्र आदि ने शोक व्यक्त किया। डॉ0 लालजी त्रिपाठी ने राजाराम सरोज के आवास पर जाकर डॉ0 नीरज त्रिपाठी, इरफान अली, प्रशांत शुक्ला के साथ राजाराम सरोज के पार्थिव शरीर को तिरंगा ओढ़ा कर सलामी पेश कर शोक व्यक्त किया।

भदोही संदेश

परिवार नियोजन के प्रति लोगों का बढ़ा विश्वास

गतवर्ष 3250 तो, इस वर्ष 4011 दंपति हुए लाभान्वित

अखंड भारत संदेश

भदोही। जिले में वर्ष 2020-21 के मुकाबले इस साल लोगों का परिवार नियोजन के साधन अपनाने के प्रति विश्वास बढ़ा है। इस बढ़ती जनसंख्या के प्रति लोगों में जहां जागरूकता दिख रही है। वहीं इस उपलब्धि से जिला स्वास्थ्य विभाग काफी उत्साहित है। मुख्य चिकित्साधिकारी डा. संतोष कुमार चक ने बताया कि छोटा परिवार सुखी परिवार की अवधारणा को अपने जीवन में साकार करने के लिए अब महिलाएं ही नहीं बल्कि पुरूष भी आगे रहे हैं। लोगों में परिवार नियोजन के अस्थायी और स्थायी साधनों के प्रति जागरूकता बढ़ी है। दम्पत्ति परिवार नियोजन और दो बच्चों के बीच के अंतराल को लेकर जनपद निवासी अत्यन्त सक्रिय हो गये है। जिला कार्यक्रम प्रबन्धक रोली श्रीवास्तव का कहना है कि शासन के निर्देश पर पिछले माह 11 से 31 जुलाई तक जनसंख्या स्थिरता पखवाड़ा में मिले आंकड़ों पर नजर डाले तो स्पष्ट है कि लोगों तक परिवार नियोजन के साधनों की पहुंच बढ़ी है। वर्ष 2020-21 में 3250 लाभार्थियों तक ही परिवार नियोजन के साधनों को पहुंचाया जा सका था। जबकि 2021-22 वर्ष में 4011 लाभार्थियों तक परिवार नियोजन के साधनों को पहुंचाया गया था। परिवार नियोजन कार्यक्रम के विशेषज्ञ तुलसी ने बताया कि वर्ष 2020-21 में एक भी पुरूष ने नसबन्दी नहीं कराया, जबकि इस बार के जिले में 04 पुरूषों ने नसबन्दी कराकर अपनी उपस्थित को दर्ज कराया है। महिला नसबन्दी में इस बार इजाफा हुआ है। पिछले वर्ष 62 महिलाओं के मुकाबले इस बार 91 महिलाओं ने नसबन्दी कराकर परिवार नियोजन के इस स्थायी साधन को अपनाने का कार्य किया है। उन्होंने ने बताया कि पिछले साल जिले भर में कुल 268 परिवार के लोगों ने आईयूसीडी को अपनाया था, जबकि इस वर्ष का आंकड़ा बढ़कर 1027 हो गया है। इसी तरह बीते साल पीपीआईयूसीडी का लाभ लेने वाले 114 दंपत्ति कें मुकाबले इस साल 335 दंपति ने इस सुविधा का लाभ लिया है। इस साल 377 महिलाओं ने अंतरा इंजेक्शन लगवाया, जबकि पिछले वर्ष 187 महिलाओं ने यह इंजेक्शन लगवाने का काम किया। इसी तरह गत वर्ष 3250 महिलाओं ने गर्भनिरोधक गोलियों का प्रयोग किया था, जबकि इस साल 3032 ने छाया का प्रयोग किया है।

जिले में परिवार नियोजन की सुविधा उपलब्ध

छह सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, 17 प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों समेत 161 सबसेन्टरों पर परिवार नियोजन सम्बन्धी सुविधाओं को दिया जा रहा है। इसके साथ ही 69 केन्द्रों पर डिलेवरी की सुविधा 24 घण्टों दी जा रही है। 18 केन्द्रों पर पीपीआईयूसीडी, व 177 आईयूसीडी की सुविधा उपलब्ध करायी जा रही है।

जर्जर तारों का बदलने की कवायद शुरू, टीम ने किया सर्वे

अखंड भारत संदेश

गोपीगंज। नगर और ग्रामीण क्षेत्रों में अघोषित विद्युत कटौती और आए दिन दुर्घटना का कारण बन रहे जर्जर तारों से जल्द ही उपभोक्ताओं को राहत मिल सकती है। रिवमैपड योजना के अंतर्गत होने वाले कार्यों के लिए सर्वे शुरु किया जा चुका है। पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम वाराणसी कार्यालय द्वारा गठित तीन सदस्यीय दल सोमवार को गोपीगंज क्षेत्र के अलीनगर, काली देवी, पूरे रजई, शिव नगर कॉलोनी, धनीपुर, जंगीगंज समेत दर्जनों स्थानों पर पहुंचकर जर्जर तारों का सर्वे किया है। अवर अभियंता मनोज सिंह ने बताया कि योजना के तहत पांच साल के प्रस्तावित कार्यों को अमली जामा पहनाने की तैयारी जोर शोर से चल रही है। इस क्रम में ट्रांसफार्मर क्षमता वृद्धि, जर्जर तार को बदलने, कंडक्टर, एलटी लाइन व सर्किट ब्रेकर सहित अन्य संसाधनों को चाक-चौबंद कर दिया जाएगा। योजना के पहले चरण में जर्जर तारों को बदलने का काम किया जाएगा। साथ ही बताया कि गोपीगंज विद्युत सब स्टेशन पर क्षमता से ज्यादा लोड होने के कारण आए दिन विद्युत व्यवस्था छिन्न भिन्न हो जाया करती है जिसके लिए शीघ्र ही जोगिनका गांव में एक अलग ट्रांसफार्मर लगाने का प्रस्ताव चल रहा है। जिसके लग जाने से नगर व ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में विद्युत व्यवस्था सुचारु रुप से मिल पायेगा। इसके पूर्व रविवार को टीम द्वारा उप केन्द्र का निरीक्षण किया गया था। इस दौरान एक्सईएन अमर सिंह, एसडीओ ईश्वर शरण सिंह समेत विद्युत विभाग के अधिकारी तथा कर्मचारी मौजूद रहे।

जिला अस्पताल के मांग की मुहिम अब पकड़ने लगा है जोर

युवा नेता डीएम सिंह गहरवार के वृहद हस्ताक्षर अभियान को मिल रहा है जनसहयोग

अखंड भारत संदेश

औराई। भदोही मांगे जिला अस्पताल की मुहिम अभी तक सिर्फ सामाजिक माध्यम पर ही देखने को मिल रहा था। लेकिन अब इसका असर जमीन पर भी देखने को मिलने लगा है। भदोही के युवा नेता डीएम सिंह गहरवार ने इस मुहिम की शुरुआत स्वतंत्रता दिवस के मौके पर शुरू की थी।

सोमवार को उन्होंने इसके लिए औराई और घोसिया में हस्ताक्षर अभियान चलाया। इस दौरान युवा नेता डीएम सिंह गहरवार ने बताया कि जैसे-जैसे वक्त बीत रहा है, यह अभियान पूरे जिले में चलने लगा और जनपद के कोने-कोने से युवा इस मुहिम का हिस्सा बनने लगे हैं। हस्ताक्षर अभियान में सपा नेत्री बिंदु सरोज ने दलगत भावना से ऊपर उठकर भाग लिया। उन्होंने जिले के स्वास्थ्य व्यवस्था की बदहाली का जिम्मेदार पूर्ववर्ती व वर्तमान सरकार को ठहराया। कहा कि जिले के विकास के लिए जो कुछ भी करना पड़ेगा, उसके लिए हम तैयार है। श्री सिंह ने वर्तमान सरकार पर तंज कसते हुए कहा कि इस सरकार में शिलान्यास तो खूब हो रहा है। लेकिन वास्तविकता के धरातल पर कोई कार्य नहीं दिख रहा। उन्होंने तमाम सड़कों की बदहाली के बारे में बताया। साथ ही और कहा कि ताल समधा में हुए जल निकासी समस्या नाला खुदाई कार्य पर भी कहा कि ठीक से सफाई हुई होती तो आज ताल समधा की स्थिति अच्छी होती। किन्तु ऐसा नहीं हुआ कार्य कागजों तक ही सीमित रह गया और बजट हिस्सेदारो की तिजोरी में चला गया। नतीजा आज भी ताल समधा के किसान उसका खामियाजा भुगत रहे है। कहा कि इसके लिए वृहद आंदोलन छेड़ा जाएगा।

चार दिन से घर से गायब है दिव्यांग, दर्ज हुई गुमशुदगी

अखंड भारत संदेश

गोपीगंज। कोतवाली क्षेत्र के जगन्नाथपुर गांव निवासी स्वर्गीय माता शंकर तिवारी का दिव्यांग पुत्र बृजेश कुमार तिवारी जो गुंगा और बहरा है तथा जिसका दिमागी संतुलन भी ठीक नहीं है 21 अगस्त को सुबह दस बजे घर से निकला और वापस घर नहीं लौटा। काफी खोजबीन के बाद परिजनों ने गोपीगंज कोतवाली में तहरीर दी।

घर से भागे प्रेमी युगल धराये

गोपीगंज। थाना क्षेत्र के एक गांव से गायब हुए प्रेमी युगल कानपुर में मिले। जहां पहुंची पुलिस दोनों को हिरासत में लेकर थाने ले आयी। युवती का मेडिकल कराकर महिला अल्पावास में दाखिल कर दिया गया है और युवक को जेल भेजने की कार्रवाई की जा रही है।

घटना के बारे में बताया जाता है कि एक ही गांव में रहने वाले पड़ोसी युवक और युवती की आंखे चार हो गई और दोनों पिछले चार दिनों पूर्व घर से गायब हो गए। परिवार के लोग युवती को घर में नही पाया तो उसकी तलाश शुरु की और थाने में पड़ोसी युवक के खिलाफ पुत्री के अपहरण करने की तहरीर दे दी। पुलिस उसी दिन युवती के पिता के तहरीर पर कार्रवाई करते हुए 217/21 धारा 366 आईपीसी के तहत मुकदमा दर्ज कर युवक की तलाश शुरु कर दी। रविवार को देर शाम पुलिस युवक युवती को कानपुर से बरामद कर गोपीगंज थाने ले आई। जहां युवती का मेडिकल कराकर महिला अल्पावास में दाखिल करा दिया गया और युवक को पुलिस जेल भेजने की तैयारी में लग गई है।

वरदान हॉस्पिटल में आयोजित हुआ निःशुल्क स्वास्थ शिविर

काफी संख्या में पहुंचकर लोगों ने उठाया निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का लाभ

अखंड भारत संदेश

भदोही। नगर के स्टेशन रोड मुल्ला तालाब स्थित वरदान हॉस्पिटल में सोमवार को निःशुल्क स्वास्थ शिविर का आयोजन किया गया है। स्वास्थ शिविर में काफी संख्या में पहुंचे लोगों ने उसका लाभ उठाया।इस दौरान स्वास्थ्य शिविर में पहुंचकर लोगों ने अपना रजिस्ट्रेशन कराया। इसके साथ ही तमाम जांच कराई। स्वास्थ्य शिविर में पहुंचने वालों में महिलाओं की संख्या अधिक रही। महिला रोग से संबंधित बीमारियों के लिए महिलाओं ने वाराणसी की वरिष्ठ स्त्री रोग विशेषज्ञ डा. शशि किरण ओझा से परामर्श लिया। वहीं जिसको चर्म रोग व सौंदर्य रोग की शिकायत थी। उन्होंने वरदान हॉस्पिटल की चर्म रोग व सौंदर्य रोग विशेषज्ञ डा. सौम्या ओझा जायसवाल से परामर्श लिया और उनमें मुफ्त में दवाएं भी वितरित की गई। मौसमी बीमारियों से ग्रसित

मरीजों को वरदान हॉस्पिटल के निदेशक डा. पीयूष जायसवाल ने देखा और उनको परामर्श के साथ दवाएं दी। वहीं उन्होंने मौसमी बीमारियों से बचने के लिए लोगों को सलाह भी दिया।

जगरन का पर्व आज

अखंड भारत संदेश

कांवल/भदोही। विन्ध्यवासिनी जयंती पर्व भाद्रपद मास (भादों) में शुक्ल पक्ष की दूज को मनाया जाता है और इसे सामाजिक, सांस्कृतिक और धार्मिक परम्पराओं को जीवंत करने के लिए भी जाना जाता है जो आज है। भगवती विध्यवासिनी आद्य महाशक्ति हैं। इस दिन को जगरन या चण्डी जयंती के नाम से भी जाना जाता है। इस संबंध में अजय कुमार शुक्ल ने बताया कि विन्ध्याचल पर्वत सदा उनका निवास-स्थान रहा है। जगदम्बा की नित्य उपस्थिति ने विंध्यगिरि को जाग्रत शक्तिपीठ बना दिया है। बताया कि श्रीमद्भागवत के दशम स्कन्द में कथा आती है, कि जब सृष्टिकर्ता ब्रह्माजी ने सृष्टि के आरंभ में अपने मन से स्वायम्भुव मनु और शतरूपा को प्रगट किया। तब विवाह करने के उपरान्त स्वायम्भुव और मनु ने स्वयं के कर कमलों से देवी की प्रतिमा बनाकर सौ वर्षो तक कठोर तप किया। उनकी तपस्या से प्रसन्न होकर भगवती विध्यांचल देवी ने उन्हें निष्कण्टक राज्य, वंश-वृद्धि एवं परम उच्च पद प्राप्त करने का वरदान दिया। वर देने के बाद महादेवी विध्याचल पर्वत पर चली गई। इस कथा से यह स्पष्ट होता है कि सृष्टि के प्रारंभ से ही विध्यवासिनी की पूजा होती रही है। सृष्टि का विस्तार उनके ही शुभाशीष के द्वारा हुआ है। त्रेता युग में भगवान श्री रामचन्द्र जी, सीता जी के साथ विध्याचल आए थे। मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम के द्वारा स्थापित शिव ज्योतिर्लिंग स्वरुप रामेश्वरम से इस शक्तिपीठ की महानता और बढ़ जाती है। द्वापर युग में मथुरा के राजा कंस ने जब अपने बहन-बहनोई देवकी-वसुदेव को कारागार में डाल दिया और उनकी सन्तानों का वध करने लगा। तब वसुदेव जी के कुल-पुरोहित गर्ग ऋषि ने कंस के वध एवं श्री कृष्णावतार हेतु विध्याचल में जाकर लक्षचण्डी का अनुष्ठान करके देवी को प्रसन्न किया। जिसके फलस्वरूप श्री कृष्ण जी गोकुल में नन्दबाबा जी के यहां हुए। मार्कण्डेयपुराण के अन्तर्गत वर्णित दुर्गासप्तशती (देवी-माहात्म्य) के ग्यारहवें अध्याय में देवताओं के अनुरोध पर भगवती उन्हें आश्वस्त करते हुए कहती हैं, कि हे देवताओं वैवस्व तमन्वन्तर के अट्ठाइसवें युग में शुम्भ और निशुम्भ नाम के दो महादैत्य उत्पन्न होंगे।

नगर में नहीं है सार्वजनिक मूत्रालय

सुरियावां। स्थानीय नगर पंचायत को आदर्श नगर पंचायत का दर्जा मिला हुआ है। नगर में 13 वार्ड है, किंतु एक भी वार्ड में मूत्रालय ना होने से बाजार में आने जाने वाले लोगों को काफी शर्मिंदगी उठानी पड़ती है। वैसे नगर पंचायत में 4 सामुदायिक शौचालय का निर्माण किया गया है परंतु ऐसे-ऐसे जगह पर बनाया गया है जिसका कोई उपयोग नहीं है। क्षेत्र के हजारों लोगों का प्रतिदिन बाजार में खरीदारी करने हेतु पुरुष एवं महिलाएं आती हैं। पुरुष तो किसी प्रकार लघु शंका का समाधान कर लेता है, किंतु महिलाओं को विशेष परेशानी का सामना करना पड़ता है। महिलाएं लोक लाज के चलते किसी से कह भी नहीं पाती हैं। क्षेत्रीय नागरिकों ने जिला प्रशासन से आग्रह किया है।

कच्चा मकान धरासायी

अखंड भारत संदेश

सुरियावा। क्षेत्र के डुहिया शुकुलपुर में जटाशंकर यादव का कच्चा मकान धराशायी हो गया। जिससे पीड़ित का पचास हजार से अधिक नुकसान हो गया। पीड़ित जटाशंकर ने प्रशासन से मुआवजे की मांग की है। रुक-रुक कर हो रही रिमझिम बारिस से लगातार नुकसान देखे जा रहे है। जिससे घरों के अंदर रखा अनाज व अन्य गृहस्थी का सामान पूरी तरह बर्बाद हो गया।

चुनाव जीतने के बाद कार्पेट इंडस्ट्रीज की बेहतरी के लिए होगा कामः सूर्यमणि

उद्योग को टाउन आफ एक्सीलेंस की सुविधाओं को दिलाने का होगा प्रयास

अखंड भारत संदेश

भदोही। कालीन निर्यात संवर्धन परिषद (सीईपीसी) के प्रशासनिक समिति के सदस्य का चुनाव लड़ रहे वरिष्ठ कालीन निर्यातक सूर्यमणि तिवारी ने कहा कि हम लोगों का पैनल मजबूत और सशक्त है। कालीन उद्योग को पैनल को भरपूर सहयोग मिल रहा है।

उन्होंने कहा कि भदोही को कुछ वर्ष पहले टाउन आफ एक्सीलेंस घोषित किया गया था। लेकिन अभी तक भदोही कालीन उद्योग को टाउन आफ एक्सीलेंस का लाभ नहीं मिल

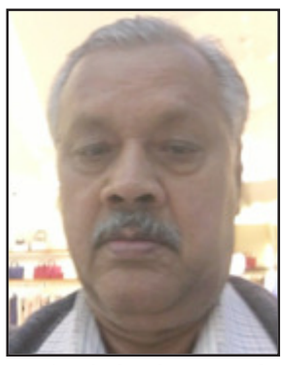

रहा है। श्री तिवारी ने कहा कि चुनाव जीतने के बाद प्रयास होगा कि भदोही कालीन उद्योग को सरकार द्वारा मिले टाउन आफ एक्सीलेंस की हर सुविधाओं का लाभ दिलाया जा सकें। इसके लिए सरकार से मांग की जाएगी और अपनी बातों को रखा जाएगा। उन्होंने कहा कि यही नहीं चुनाव जीतने के बाद प्रयास होगा कि अक्टूबर माह में जो अंतरराष्ट्रीय कालीन मेला वाराणसी में आयोजित किया जाता था। उसका आयोजन भदोही में निर्मित कार्पेट एक्सपो मार्ट में हो। इसके लिए रुपरेखा तय की गई है। स्थिति सामान्य रहा तो इसी वर्ष भदोही में अंतराष्ट्रीय स्तर का कालीन मेले का आयोजन किया जाएगा। आयोजित होने वाले इंडिया कार्पेट एक्सपो में छोटे और मझोले कालीन निर्यातक की भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। उनको सस्ते दर पर स्टाल उपलब्ध कराए जाने का प्रयास होगा। श्री तिवारी ने कहा कि भदोही जिले के ढांचागत सुविधाओं को ठीक करने का प्रयास के साथ ही साथ इंडस्ट्रीज की बेहतरी के लिए काम किया जाएगा।

निर्माणाधीन मकान से सबमर्शिबल पंप निकाल ले गए चोर

गोपीगंज। थाना क्षेत्र के बाबा बड़े शिव मंदिर परिसर स्थित कालोनी में स्थित एक निर्माणाधीन मकान परिसर में लगा सबमर्सिबल पंप रविवार की रात चोर उखाड़ ले गये।गहरपुर निवासी लोकगीत गायक राजेश परदेसी ने थाने में तहरीर देकर अवगत कराया कि मंदिर परिसर स्थित कालोनी में निर्माणाधीन मकान की बाउंड्रीवाल फाद कर अंदर घुसे चोर परिसर में लगा पंप खोल ले गए। अगल बगल पूछने के बाद कुछ पता नही लगा तो चोरी की तहरीर थाने में दे दी गई है।

नशे में धुत युवकों ने सिपाही को पीटा, महिला सिपाही से भी खींचतान, वीडियो वायरल

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज त् कर्नलगंज में नशे में धुत दो युवकों ने सरेआम सिपाही को पीट दिया। भागते वक्त उन्हें पकड़ने का प्रयास किया तो वर्दी भी फाड़ने की कोशिश की। महिला सिपाही से भी खींचतान की। किसी तरह दोनों को पकड़कर थाने ले जाया गया। लेकिन बाद में बिना कार्रवाई के ही उन्हें छोड़ दिया गया। चौंकाने वाली बात यह है कि इंस्पेक्टर मारपीट की बात से इंकार करते रहे जबकि घटना का वीडियो

भी वायरल हुआ। घटना सोमवार शाम चार बजे की बताई जा रही है। 100 नंबर पर सूचना मिली कि नशे में धुत दो युवक मैरी लूकस स्कूल के पास हंगामा कर रहे हैं। इस पर पीआरवी 84 नंबर की टीम मौके पर पहुंची। टीम में तैनात दीवान भुवनेश ने युवकों को हंगामा करने से रोका तो उन्होंने गालीगलौज शुरू कर दी। विरोध पर मारपीट करने लगे। शोरगुल पर आसपास के लोग जुटने लगे तो दोनों भागने लगे। दीवान ने पकड़ने की कोशिश की तो उसकी वर्दी भी फाड़ने की कोशिश की।

पीआरवी में ही तैनात महिला सिपाही ने बीचबचाव की कोशिश की तो उससे भी धक्कामुक्की और खींचतान की। पुलिसकर्मी किसी तरह दोनों को पकड़कर उनकी कार समेत थाने लाए। लेकिन बाद में बिना लिखापढ़ी के ही उन्हें छोड़ दिया गया। घटना का वीडियो भी वायरल हुआ जिसमें भुक्तभोगी दीवान दोनों युवकों को पकड़ने की कोशिश के दौरान यह कहता दिखाई पड़ता है कि उन्होंने उसे क्यों पीटा और वर्दी क्यों फाड़ी। चौंकाने वाली बात यह है कि मामले में कर्नलगंज इंस्पेक्टर सुरेश सिंह मारपीट की बात से इंकार करते रहे। उनका कहना है कि हंगामे की सूचना पर दोनों को थाने लाया गया था। बाद में उन्हें छोड़ दिया गया।

रेलवे ट्रैक पर मिला अज्ञात युवक का शव

पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर भेजा पोस्टमार्टम को

अखंड भारत संदेश

खमरिया। औराई कोतवाली क्षेत्र के अहिमनपुर रेलवे स्टेशन के पूर्वी छोर पर दलपतपुर के पास सोमवार को रेलवे ट्रैक पर अज्ञात 28 वर्षीय युवक का शव मिलने से सनसनी फैल गई। सूचना पर पहुंची पुलिस शव का शिनाख्त करने की कोशिश की, लेकिन सफलता हाथ नहीं लगी। प्रक्रिया पूरी कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। सुबह के समय शौच के लिए निकले ग्रामीणों को रेलवे ट्रैक पर शव दिखाई दिया। शोर- गुल सुनकर बड़ी संख्या में आस-पास के लोग पहुंच गए। ग्रामीणों ने इसकी जानकारी खमरिया पुलिस चौकी को ग्रामीणों ने दी। मौके पर दलबल के साथ पहुंचे चौकी इंचार्ज मनोज कुमार राय ने क्षेत्र के कई गांवों के प्रधानों से शव की पहचान को लेकर पूछताछ की। चौकी प्रभारी मनोज राय ने बताया कि फोन से जानकारी मिलने पर शव की शिनाख्त के लिए कई ग्राम प्रधानों व चट्टी चौराहे पर फोटो दिखाकर पहचान की कोशिश की गई लेकिन सफलता नहीं मिली है। मृतक व्यक्ति की पहचान व घटना की जांच की जा रही है।

सर्प दंश का शिकार हुए किशोरी व वृद्ध

अखंड भारत संदेश

चौरी। क्षेत्र के राईपुर निदुर गांव में बिस्तर पर सोई किशोरी के पैर में सर्प ने डंस लिया। जिससे किशोरी की स्थिति नाजुक बनी हुई है। परिजनों ने आनन फानन में उसे भदोही के एक निजी चिकित्सालय में इलाज के लिए लेकर गए। जहा पर स्थिति गम्भीर होने के चलते डॉक्टरों ने उसे वाराणसी के लिए रेफर कर दिया। जानकारी के अनुसार राईपुर निदुर निवासी कैलाश सरोज की 12 वर्षीय पुत्री अंजली खाना खाने के बाद बिस्तर पर सोने चली गयी। वहीं रविवार को देर रात घर में एक सर्प ने उसके पैर में काट लिया। अंजली ने तुरन्त सर्प काटने की बात अपने परिजनों को बताई। वहीं परिजन उसे भदोही के एक निजी अस्पताल में लेकर गए। जहां उसकी स्थिति गम्भीर होने से चलते उसे अन्यत्र के लिए रेफर कर दिया गया। इसी तरह चौरी थाना क्षेत्र के ही सुरहन गावं में बीती रात एक वृद्ध को सर्प ने डस लिया। हालत बिगड़ता देख परिजनों ने बृद्ध को एक निजी चिकित्सालय में भर्ती कराया।

पेट परीक्षा आज, तैयारी पूर्ण

अखंड भारत संदेश

ज्ञानपुर। उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग लखनऊ के द्वारा 24 सितम्बर को प्रारंभिक अर्हता परीक्षा पेट 2021 का आयोजन किया जा रहा है। परीक्षा का आयोजन दो पाली में किया जाएगा। पहली पाली पूर्वाह्न 10 से 12 बजे तक एवं द्वितीय पाली अपराहन 3 से 5 बजे तक संपन्न होगी। अपर जिलाधिकारी शैलेन्द्र कुमार मिश्र ने बताया कि परीक्षा केंद्र का मुख्य प्रवेश द्वार परीक्षा शुरू होने से 30 मिनट पहले बंद कर दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि परीक्षा को पारदर्शी तथा निष्पक्ष तरीके से संपन्न कराए जाने हेतु अभ्यर्थियों को कुछ आवश्यक निर्देश दिए गए हैं, जिनका अनुपालन अनिवार्य होगा। इस क्रम में उक्त प्रवेश परीक्षा में अभ्यर्थियों को आवश्यक निर्देश दिए गए हैं कि अभ्यर्थियों को किसी भी तरह का मोबाइल फोन, आईपैड, पेन ड्राइव, हार्ड डिस्क, डाटा कार्ड, केलकुलेटर या किसी भी तरीके की हाथ की घड़ी, विद्युत सामग्री या कोई भी सामग्री जो धातु से बनी हो कान में लगी किसी भी तरीके की मशीन कागज से बनी सारणी या मानचित्र स्लाइड रूल को लेकर परीक्षा केंद्र के भीतर जाने की अनुमति नहीं है।

सम्पादकीय

एक और देसी टीका

यह दुनिया का पहला कोरोना टीका है, जो डीएनए आधारित है। भारत के संदर्भ में इसका एक बड़ा फायदा यह है कि अन्य टीकों की तरह इसे रखने के लिए अत्यधिक ठंडे यानी कम तापमान की जरूरत नहीं पड़ेगी। कोरोना के खिलाफ लड़ाई के मोर्चे पर एक और महत्वपूर्ण खबर यह आई कि जाइडस कैडिला के तीन खुराकों वाले टीके जाइकोव डी को इमर्जेंसी इस्तेमाल की मंजूरी मिल गई। यह टीका 12 साल से अधिक उम्र वालों के लिए है। 18 साल से ऊपर वालों के लिए देश में इससे पहले तीन टीकों- कोवैक्सीन, कोविशील्ड और स्पूतनिक- को मंजूरी मिली थी। जाइडस का टीका इस लिहाज से महत्वपूर्ण है कि यह बच्चों के साथ बड़ों को भी दिया जा सकता है। तसल्ली इस बात की भी है कि संभावित तीसरी लहर में बच्चों के ज्यादा शिकार होने संबंधी चिंता को दूर करने में इससे मदद मिलेगी। भले कहा जा रहा हो कि इस चिंता के पीछे कोई ठोस वैज्ञानिक आधार नहीं है, लेकिन यह तथ्य तो अपनी जगह था ही कि हमारे पास बच्चों के लिए कोई टीका उपलब्ध नहीं था। यानी कोई ऐसा साधन नहीं था, जिसके जरिए हम वायरस से अपने बच्चों की सुरक्षा को लेकर आश्वस्त हो पाते। जाइकोव डी के आने से वह कमी दूर होगी। उम्मीद जताई जा रही है कि अक्टूबर तक यह बाजार में आ जाएगा। कंपनी का कहना है कि वह सालाना 10 से 12 करोड़ डोज तक का उत्पादन कर सकेगी।

यह दुनिया का पहला कोरोना टीका है, जो डीएनए आधारित है। भारत के संदर्भ में इसका एक बड़ा फायदा यह है कि अन्य टीकों की तरह इसे रखने के लिए अत्यधिक ठंडे यानी कम तापमान की जरूरत नहीं पड़ेगी। दो से आठ डिग्री सेल्सियस के तापमान में भी इसे सुरक्षित रखा जा सकता है, जो देश के सामान्य कोल्ड स्टोरेज सिस्टम के अनुरूप है। इसे वायरस के बदलते रूपों के मुताबिक ढालना आसान है। यानी कोरोना वायरस के ताजा खतरनाक रूप डेल्टा वायरस पर तो यह कारगर है ही, संभावित नए रूपों के लिहाज से भी ज्यादा उपयोगी हो सकता है। वहीं, पूरे देश के स्तर पर देखा जाए तो कोरोना के मामले अभी कमोबेश कंट्रोल में नजर आते हैं। मई के पहले हफ्ते में पीक के दौरान रोज चार लाख से भी ज्यादा नए मामले दर्ज होने के बाद इसमें कमी आनी शुरू हुई थी। यह कम होते हुए अगस्त के शुरुआती हफ्ते में 40,000 रोज के साप्ताहिक औसत पर आ गया था। पिछले सप्ताह तक यह 35,000 से भी नीचे देखा गया। लेकिन इसके ऊपर उठने की आशंका लगातार बनी हुई है। स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक अब तक देश में 12.77 करोड़ लोगों को ही टीके की दोनों डोज लगी हैं। पहला डोज लगवाने वालों की संख्या 44.44 करोड़ है। साफ है कि टीकाकरण में तेजी लाने और नए-नए टीकों का इस्तेमाल करने के साथ-साथ व्यक्तिगत स्तर पर सावधानी बनाए रखने की जरूरत अभी काफी समय तक बनी रहने वाली है।

स्वरा भास्कर जैसे लोग हिंदुत्व को आतंक से जोड़कर समाज में जहर घोल रहे हैं

डॉ. कृष्णगोपाल मिश्र

कट्टरपंथी तालिबानी ताकतों की जीत पर भारतीय कट्टरपंथियों की प्रसन्नता जहां भारत में आने वाले भावी संकटों का संकेत देती है वहां कम्युनिस्ट विचारधारा का प्रतिनिधित्व करने वाली स्वरा भास्कर जैसी हिंदुत्व विरोधी शक्तियों के भ्रामक बयान भी चिंता उत्पन्न करते हैं। स्वरा ने ट्वीट करके लिखा है- ठहम हिंदुत्व आतंक के साथ ठीक नहीं हो सकते हैं और तालिबान आतंक से सभी हैरान और तबाह हो गए हैं।ठ स्वरा की नजर में हिंदुत्व और तालिबान समान हैं। जैसे तालिबानी आतंकवादी है वैसे ही हिंदुत्व की बात करने वाले भी आतंकवादी हैं। यह बयान स्वयं को चर्चा में लाने के लिए जानबूझ कर दिया गया है। स्वरा को इस बात की कोई परवाह नहीं कि उनके ऐसे अनर्गल प्रलाप से न केवल करोड़ों हिन्दुओं की भावनाएं आहत हुई हैं अपितु देश के बहुसंख्यक वर्ग की छवि भी विश्वपटल पर धूमिल होती है। स्वरा को बताना चाहिए कि हिंदुओं ने तालिबानियों की तरह कब-कब लोकतंत्र की हत्या करके अपने देश की सत्ता पर कब्जा किया है और लोकतांत्रिक-संवैधानिक मानमूल्य ध्वस्त किए हैं ? हिंदुओं के कौन-से समूह ने देश के किस भाग से अन्य धर्मावलंबियों को पलायन करने पर विवश किया है ? उनकी संपत्ति लूटी है अथवा उनकी स्त्रियों पर बलात्कार किए हैं ? यदि नहीं तो इस प्रकार का गैर-जिम्मेदाराना बयान देना कहां तक उचित है ? यदि स्वरा और हिन्दुत्व को बदनाम करने वाले उन जैसे लोग गुजरात दंगों और विवादित ढांचे के ध्वंस के लिए हिन्दुत्व का आतंक मानते हैं तो उन्हें इन दोनों घटनाओं की अप्रिय और दुखद पृष्ठभूमि को भी देखना चाहिए। गुजरात दंगों में मुस्लिम कट्टरपंथियों द्वारा गोधरा स्टेशन पर निर्दोष हिंदुओं को जिंदा जलाया जाना प्रमुख कारण रहा जबकि विवादित ढांचे का ध्वंस मुस्लिम शक्तियों द्वारा विगत सैंकड़ों वर्षों में बार-बार राममंदिर तोड़े जाने की प्रतिक्रिया का परिणाम था। स्वतंत्र भारत की यह दोनों ही दुर्घटनाएं भारतीय कट्टरपंथी मुस्लिमों की तालिबान जैसी सोच का ही दुखद परिणाम थीं। इन्हें हिंदुत्व का आतंक कहना और तालिबान से इनकी समानता दर्शना भ्रम उत्पन्न करना है, समाज को बहकाना है।

पिछले सत्तर वर्षों में इस्लामिक आतंकवाद ने अफगानिस्तान, पाकिस्तान और बांग्लादेश में हिंदुओं का लगभग सफाया कर दिया है, अभी भी कर रहे हैं जबकि हिंदुस्तान में मुस्लिम आबादी हिंदुओं की तुलना में बहुत तेजी से बढ़ी है। यह प्रमाण है कि हिंदुओं के शासन में आतंक का स्थान नहीं, हिंदू सहिष्णु हैं, उदार हैं। इसीलिए हिंदुओं ने बहुसंख्यक होकर भी धर्मनिरपेक्ष राष्ट्र की अवधारणा स्वीकार कर ली। यदि हिंदू कट्टर और आतंकवादी होते तो यह देश हिंदू-राष्ट्र होता। इसमें कश्मीरी पंडितों को पलायन नहीं करना पड़ता और गोधरा में उनसठ हिंदुओं को जिंदा जलाने जैसी भीषण दुर्घटनाएं नहीं होतीं। तब शायद हिंदू-विरोध की पर्याय बन चुकी कम्युनिस्ट विचारधारा का चिह्न भी इस देश में ना होता। क्रिया और उसकी प्रतिक्रिया दोनों भिन्न कार्य हैं। उन्हें समान समझना अथवा समान बताना भ्रम उत्पन्न करना है। यदि क्रिया न हो तो प्रतिक्रिया के लिए अवसर ही नहीं रह जाता। अतः क्रिया-प्रतिक्रिया के अंतर को समझते हुए तथ्यों और घटनाओं का विश्लेषण किया जाना चाहिए। सैंकड़ों वर्षों तक मंदिरों का बार-बार तोड़ा जाना क्रिया है और विवादित ढांचे का ध्वंस उसकी प्रतिक्रिया है। दोनों को एक समझना भूल होगी। क्रिया और प्रतिक्रिया की भांति हिंसा और प्रतिहिंसा भी भिन्न अर्थ व्यक्त करते हैं। गोधरा में हिंदुओं का जिंदा जलाया जाना क्रिया थी और उसके बाद हुए गुजरात दंगे

उसकी प्रतिक्रिया थे। दोनों एक नहीं थे। समाज के कर्णधार कहे जाने वाले बुद्धिजीवियों-विचारकों से यह अपेक्षा की जाती है कि वे तथ्यपरक और सुचिंतित लेखन से समाज को सही दिशा देंगे किंतु दुर्भाग्य से हमारे देश में स्वयं को चर्चा में लाने के लिए जानबूझकर कुछ भी कहने-लिखने की कुरीति चल पड़ी है। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम पर तथाकथित महान लोगों का कुछ भी कहना-लिखना और समाज तथा शासन का उसे चुपचाप सह जाना इस लोकविरोधी दूराचरण को और भी प्रोत्साहित कर रहा है। बॉलीवुड अभिनेत्री स्वरा भास्कर का ताजा ट्वीट इस तथ्य का साक्षी है। स्वरा भास्कर के ट्वीट की पृष्ठभूमि में हिंदुत्व-विरोधी ताकतों की सक्रियता विद्यमान है। वोटबैंक की राजनीति करने वाले कुछ बड़े नेताओं ने मुस्लिम तुष्टीकरण के लिए इस्लामिक आतंकवाद के प्रतिपक्ष में भगवा आतंकवाद का जुमला गढ़ा था। ओसामा-बिन-लादेन जैसे कुख्यात आतंकवादी सरगना को ओसामाजी कहकर संबोधित करने वाले और जाकिर नायक तथा हाफिज सईद जैसे कट्टरपंथियों को आदर देने वाले नेतृत्व ने इस्लामिक आतंक के बचाव में अपने प्रतिद्वंद्वी हिंदुत्ववादी दल को जनता के बीच बदनाम करने के लिए भगवा आतंकवाद का काल्पनिक और भ्रामक भूत खड़ा किया जिसे उनके समर्थकों ने हिंदुत्व आतंकवाद के नाम से प्रचारित किया है।

इस्लाम के नाम पर जिहाद कहकर हिंसक आतंकवादी गतिविधियों में लिप्त रहने वालों को क्लीन चिट देने के लिए जिन नेताओं ने कहा कि आतंकवाद का कोई रंग नहीं होता उन्होंने ही हिंदुत्व को बदनाम करने के लिए भगवा आतंकवाद कहकर उसे एक रंग दे दिया। कैसे दोहरे बयान हैं! वास्तव में किसी भी निर्दोष की हत्या किसी भी दृष्टि से सही नहीं कही जा सकती। किसी के भी साथ हुए अन्याय को किसी भी दृष्टि से उचित नहीं ठहराया जा सकता। किसी को भी किसी को डरा-धमका कर उससे अपनी बात मनवाने, उसे अपना धर्म बदलने के लिए मजबूर करने का कोई हक नहीं है। इसलिए आतंक का कोई भी रूप कहीं से भी समर्थन योग्य नहीं कहा जा सकता फिर भी हिंदुस्तान में ऐसे नेताओं, कलाकारों और बुद्धिजीवियों की कमी नहीं दिखती जो एक ओर इस्लामिक आतंकवाद पर चुप्पी साध लेते हैं और दूसरी और प्रतिक्रिया स्वरूप होने वाली दुर्घटनाओं पर आसमान उठा लेते हैं। कश्मीरी पंडितों को पलायन पर विवश किए जाने से उन्हें कोई फर्क नहीं पड़ता। पालघर में हिंदू साधुओं की पीट-पीटकर हत्या किया जाना उन्हें साधारण घटना लगती है लेकिन अशफाक की हत्या से वे इतने डर जाते हैं कि उन्हें देश छोड़ने पर विचार करने को मजबूर होना पड़ता है। कश्मीर घाटी में जान हथेली पर रखकर आतंकियों से जूझने वाले सैनिक उन्हें अत्याचारी लगते हैं और सैनिकों पर पत्थर बरसाने वाले उनकी नजर में भूले और भटके हुए बेरोजगार नौजवान हैं। पाकिस्तान में महाराजा रणजीत सिंह की मूर्ति तोड़े जाने की ताजी दुर्घटना पर इनके मुख से एक शब्द नहीं निकलता। आतंक की अमानवीय दुर्घटनाओं पर भारतीय समाज में होने वाली यह दोहरी मानसिकता जनित प्रतिक्रियाएं सामाजिक समन्वय के लिए घातक हैं। निजी स्वार्थों के लिए, अपनी राजनीति चमकाने अथवा संचार साधनों के माध्यम से चर्चा में बने रहने के लिए ऐसे भ्रामक बयानबाजों के विरुद्ध कठोर दंडात्मक कार्यवाही अपेक्षित है। समाज में जो जितना अधिक प्रसिद्ध-प्रतिष्ठित और चर्चित है, समाज को सही दिशा देने का उसका उत्तरदायित्व भी उतना ही अधिक है। अतः बड़े मुख से पक्षपात भरे छोटे बोल बोलना उचित नहीं है।

स्वरा जैसे लोगों को 'हिंदुत्व आतंक' जैसी भ्रामक शब्दावली गढ़ने से बाज आना चाहिए। सबके सुख के लिए पक्षपात रहित होकर सही को सही और गलत को गलत कहना आज की सबसे बड़ी जरूरत है। अपराध, आतंक और अन्याय के विरोध में सबका एक साथ खड़ा होना आवश्यक है, एक साथ बोलना आवश्यक है। पक्षपात पूर्ण मनमाने बयान सामाजिक सद्भाव को आहत करते हैं। अतः सार्वजनिक जीवन से जुड़े लोकप्रिय लोगों से संतुलित, सकारात्मक और तथ्यपूर्ण बयान अपेक्षित है।

2024 लोकसभा चुनाव का रास्ता यूपी होकर ही जाता है

शकील अख्तर

राजनीति मुद्दों का खेल है। अगर जनता के रोजी-रोटी, शिक्षा, स्वास्थ्य के मुद्दों पर धार्मिक मुद्दे हावी हो जाएंगे तो फिर जनता को इस भावनात्मक नशे से निकालना आसान नहीं होगा। पाकिस्तान के बाद यह ताजा तालिबान का उदाहरण सामने था कि धर्म के नशे को अगर समय रहते नहीं रोका गया तो वह किस तरह नासूर बन जाता है। ऐसे में पवार और ममता ने समझा कि बिना विपक्षी एकता के भाजपा और संघ परविार की नफरत और विभाजन की राजनीति से नहीं लड़ा जा सकता। 2024 के लोकसभा चुनाव में सोनिया गांधी कांग्रेस का नेतृत्व कर भी रही होंगी या नहीं, या वे वह चुनाव लडेंगी भी या नहीं, यह किसी को नहीं पता। मगर जिस हिम्मत से उन्होंने इस वक्त विपक्षी दलों की मीटिंग बुलाई और उसमें भाजपा को हराने का आह्वान किया वह बेजोड़ है। अपनी खत्म करती पारी में भी उनका इस तरह हाफ पिच पर आकर खेलना विपक्ष की राजनीति के लिए बहुत प्रेरणादायी मिसाल बन गया है। उनकी पहल पर हुई इस विपक्षी बैठक में 20 दलों का शामिल होना तो महत्वपूर्ण है ही, मगर उससे भी ज्यादा उल्लेखनीय यह है कि इसमें शरद पवार और ममता बनर्जी शामिल हुए। मीडिया विपक्षी एकता को बनने से रोकने के लिए रोज शरद पवार और ममता बनर्जी को विपक्ष के सबसे बड़े नेता के रूप में प्रोजेक्ट करता है। हालांकि जब ममता बंगाल में भाजपा के खिलाफ लड़ती हैं तो उनकी दूसरी ही तस्वीर दिखाता है। इसी तरह महाराष्ट्र में जब पवार अल्पमत भाजपा की फडणवीस सरकार हटाकर विपक्ष की सरकार बनाते हैं तो उन्हें खलनायक की तरह पेश किया जाता है। मगर जब केन्द्र की बात आती है तो राहुल और सोनिया का कद छोटा करने के लिए मीडिया पवार और ममता के विशाल कट आउट लगाने लगता है। खैर मीडिया आम भोली-भाली जनता को बेवकूफ बना सकता है। मगर लगातार संघर्षों की राजनीति करने वाले जन नेताओं को नहीं। शरद पवार और ममता बनर्जी ऐसे ही जन नेता हैं, जो अपने लगातार संघर्ष से यहां तक पहुंचे हैं। इन सात सालों में और खासकर इन दो सालों में जब अमित शाह और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी ज्यादा मजबूत हुए हैं, ये दोनों दूरंदेश नेता पवार और ममता समझ गए हैं कि अब मामला प्रधानमंत्री मोदी की राजनीति से भी और आगे जाएगा। अगर 2024 में वापसी नहीं की तो फि? भाजपा और संघ की राजनीति से मुकाबला करना बेहद कठिन हो जाएगा। हिन्दु-मुसलमान की राजनीति के साथ पूरा यथास्थितिवादी अजेंडा इस तरह सेट हो जाएगा कि उसमें फिर सेंध मारना बहुत मुश्किल होगा।

राजनीति मुद्दों का खेल है। अगर जनता के रोजी-रोटी, शिक्षा, स्वास्थ्य के मुद्दों पर धार्मिक मुद्दे हावी हो जाएंगे तो फिर जनता को इस भावनात्मक नशे से निकालना आसान नहीं होगा। पाकिस्तान के बाद यह ताजा तालिबान का उदाहरण सामने था कि धर्म के नशे को अगर समय रहते नहीं रोका गया तो वह किस तरह नासूर बन जाता है। ऐसे में पवार और ममता ने समझा कि बिना विपक्षी एकता के भाजपा और संघ परिवार की नफरत और विभाजन की राजनीति से नहीं लड़ा जा सकता। बाकी विपक्षी दल भी जानते हैं कि मीडिया की यह विकल्प की राजनीति और तीसरे एवं चौथे मोर्चे की कहानी केवल उन्हें गुमराह करने के लिए बनाई जा रही है। अभी हाल में इंडिया टुडे के एक सर्वे में प्रधानमंत्री मोदी की लोकप्रियता में भारी गिरवाट के आंकड़े हैं। ये मीडिया ऐसे ही इन्हें नहीं छाप देता। या तो वाकई गिरवाट बहुत ज्यादा है या भाजपा में ही किसी और को उठाने के लिए मोदी को गिराया जा रहा है। लकीर छोटी करने के खेल का सबसे बड़ा खिलाड़ी तो संघ परिवार ही है। 70 - 75 साल से नेहरू की लकीर को घिसे जा रहे हैं मगर वह एक इंच भी छोटी नहीं हो रही। उल्टे कुछ न कुछ ऐसा होता है कि वह और बड़ी हो जाती है। जैसे अभी कोरोना में जब चिकित्सा सेवाओं का बुरा हाल हुआ तो नेहरू का बनाया एम्स और दूसरे अस्पताल याद आ गए। नकारात्मक राजनीति सिर्फ विरोधियों का ही नहीं अपने लोगों का भी कद कम करती रहती है। आडवानी, मुरली मनोहर जोशी तो शीर्ष के उदाहरण हैं। लेकिन अरुण जेटली, सुषमा स्वराज, उमा भारती को भी उनकी मेहनत के अनुरूप महत्व नहीं मिला। हालांकि यह बीमारी सर्वत्र है मगर दक्षिणपंथियों को इसमें महारथ हासिल है। अटल बिहारी वाजपेयी केन्द्र का दरवाजा खोलने वाले भाजपा के पहले नेता थे। उनका संघर्ष बेमिसाल है। वाकई एक एक इंच के लिए लड़ते हुए वे दिल्ली की गद्दी तक पहुंचे। मगर आज उन्हें वर्तमान सरकार और भाजपा कितना याद करती है? उनकी स्मृति में क्या बना दिया? क्या इसके पीछे यह सोच है कि अगर वाजपेयी को उनके कद के अनुरूप सम्मान दे दिया तो उनके बाद के भाजपा नेता का कद छोटा दिखने लगेगा? वाजपेयी की राजनीति से आप चाहे जितने असहमत हों मगर भाजपा को शिखर पर ले जाने वाले और उसे गैर कांग्रेसी दलों के बीच स्वीकार्य बनाने वाले तो वही थे। एक तरफ लेफ्ट से लेकर ममता बनर्जी और जयललिता से लेकर चन्द्रबाबू नायडु, कांग्रेसी चाणक्य डीपी मिश्रा के बेटे ब्रजेश मिश्रा, अरुण शौरी, यशवंत सिन्हा, किसी वक्त में भाजपा का सूरज आकाश में चढ़ाने वाले शत्रुघ्न सिन्हा, जाने कितने नाम हैं जो याद आते ही चले जाएंगे, वाजपेयी के साथ जुड़े रहे। हँसी की बात है कि ऐसे वाजपेयी की याद करने में आज भाजपा नेता संकोच करते हैं जबकि वाजपेयी की प्रतिभा इतनी विकसित नहीं हुई थी तब नेहरू विदेशी राष्ट्राध्यक्षों से युवा वाजपेयी को मिलवाते हुए कहते थे कि आगे चलकर यह युवा भारत का प्रधानमंत्री बनेगा। उन्हें विपक्षी दल के नेता की प्रशंसा करने में कोई समस्या नहीं थी। मगर आज जिसने दिल्ली की गद्दी का रास्ता दिखाया, उसको श्रेय देने में समस्या है। तो राजनीतिक परिस्थितियां अगर एक तरफ खतरनाक तो दूसरी तरफ बहुत दिलचस्प भी हैं। सोनिया गांधी ने समय रहते एक सार्थक हस्तक्षेप की कोशिश की है। उन्होंने जिक्र तो 2024 के लोकसभा चुनाव का किया मगर उनके सामने 2022 का यूपी विधानसभा चुनाव भी है। यह विपक्ष के लिए बड़ी परीक्षा है। परीक्षा इसलिए कि विपक्ष की संसद की बैठकों में भी बसपा तो आ ही नहीं रही थी, इसमें सपा भी नहीं आई। हालांकि सपा ने रामगोपाल यादव के परिवार में शोक हो जाने का कराण बताया। लेकिन बैठक के महत्व को देखते हुए ये कारण कोई बहुत संतोषजनक नहीं है।

सपा बीच-बीच में पहले भी विपक्षी बैठकों से बाहर रही है। यूपी के चुनाव में फिलहाल वह सबसे प्रमुख विपक्ष है। लेकिन अकेले उसका भाजपा का मुकाबला करना संभव नहीं है। वहां विपक्षी एकता की सबसे पहले जरूरत है। भाजपा वहां एक ही मुद्दे हिन्दु-मुसलमान पर चुनाव लड़ रही है। ओवैसी और मुनव्वर राना इसे बीच-बीच में हवा देने का काम कर रहे हैं। यूपी में कहा जा रहा है कि मुख्यमंत्री योगी को प्रधानमंत्री मोदी और अमित शाह की मदद की इतनी जरूरत नहीं जितनी इन दोनों की मदद की है। यूपी में हिन्दू-मुसलमान मुद्दे से लोगों का ध्यान हटाने का एक ही तरीका है, वह है उससे बड़ा मुद्दा सामने आ जाना। ये काम शरद पवार और ममता बनर्जी ही कर सकते हैं। और इसमें सबसे अहम रोल निभा सकते हैं लालू यादव। मुलायम और अखिलेश की इन सबसे मेल मुलाकातें हो रही हैं। अगर ये तीनों नेता लखनऊ में आकर मीटिंग करें और बाकी सभी विपक्षी दलों को भी बुलाएं और जैसा कि ममता बनर्जी ने कहा कि और लोगों को भी बुलाना चाहिए तो उन्हें भी बुला लें। साथ ही यूपी के छोटे दलों को भी आमंत्रित करें। और लखनऊ सम्मेलन में विपक्षी एकता की घोषणा करें। बनवा दे एक महागठबंधन। जैसा 2015 में लालू ने बिहार में बनाया था। और भाजपा को शिकस्त दी थी। उस समय भी उन्होंने हिन्दू-मुसलमान राजनीति को जाति की राजनीति से मात दी थी। चुनाव से पहले सोनिया के रोजा अफ्तार में लालू ने हमसे बात करते हुए कहा था कि धर्म के रथ से उतर कर मोदी चुनाव नहीं जीत सकते। और सोनिया बगल की टेबल पर बैठी थीं। उनकी तरफ इशारा करते हुए कहा था कि ये हमारी जाति की राजनीति को मानती नहीं हैं। मगर उसी से भाजपा को हराया जा सकता है। सोनिया ने कुछ सुना। वहीं से बोलीं क्या कह रहे हैं? लालू ने कहा-बताएंगे, बताएंगे। आपका साथ होगा तो हम करके भी दिखाएंगे। सोनिया जी हँसने लगीं। 2015 के बिहार के नतीजों ने लालू के जातीय समीकरणों की ताकत बता दी। 2014 के लोकसभा चुनाव के बाद वह मोदी की पहली बड़ी हार थी। अब उत्तर प्रदेश में भी अगर जातीय समीकरण साधते हुए विपक्षी नेता एक महागठबंधन बना लेते हैं तो हिन्दू-मुसलमान राजनीति की हवा निकल जाएगी। है मुश्किल काम मगर विपक्ष के लिए जरूरी है। 2024 के लोकसभा चुनाव का कोई बायपास रास्ता नहीं है। विपक्ष को यूपी मार्ग तय करके ही गुजरना पड़ेगा।

बुजुर्ग आबादी के सामने आखिर रास्ता क्या है

मधुरेन्द्र सिन्हा

रिजर्व बैंक ने पिछले दिनों अपनी मॉनिटरी पॉलिसी में किसी भी तरह के बादलाव की घोषणा नहीं की। उसने रेपो रेट और रिवर्स रेपो रेट को यथावत रहने दिया। आम आदमी की भाषा में इसका मतलब यह हुआ कि ब्याज दरों में कोई परिवर्तन नहीं। इस बार रिजर्व बैंक की घोषणा का इसलिए बेसब्री से इंतजार हो रहा था कि देश में मुद्रास्फीति की दर बढ़ती जा रही है। महंगाई को नियंत्रित करने में सरकार के अलावा रिजर्व बैंक की बड़ी भूमिका रहती है। इसे नियंत्रित करने के लिए वह अमूमन ब्याज दरें बढ़ाता है ताकि इकॉनमी में पैसे का प्रवाह कम हो जाए। माना जाता है कि इससे कीमतों पर रोक लग जाती है। हालांकि इसके पूर्व गवर्नर सुब्बा राव ने अपने कार्यकाल में रेपो रेट में एक दर्जन बार बदलाव किए फिर भी ऐसा कुछ नहीं हुआ। कीमतें अपने हिसाब से बढ़ती-घटती रहीं। लेकिन इससे करोड़ों लोगों को यह लाभ हुआ कि देश में ब्याज दरें बढ़ीं जिससे उन्हें अपनी डिपॉजिट पर अधिक ब्याज मिलने लगा। उन दिनों यानी 2008 में बैंक 9.50 परसेंट तक ब्याज दे रहे थे। यह उनलोगों के लिए बेहद सुकून की बात थी जिनके पास अतिरिक्त कमाई का कोई बड़ा जरिया नहीं था। भारत में लगभग 12 करोड़ लोग सीनियर सिटीजन हैं। उनमें से लगभग एक-सवा करोड़ ही ऐसे हैं जिन्हें किसी तरह का पेंशन मिलता है। बाकी या तो अपने बच्चों पर आश्रित रहते हैं या फिर अपने जीवन की कमाई को बैंकों या ऐसी अन्य संस्थाओं में डालकर उसके ब्याज से अपना गुजारा करते हैं। ब्याज दरों का लगातार घटते जाना उनके लिए किसी शॉक से कम नहीं है। इसके पीछे एक बड़ा कारण यह भी है कि देश में पिछले दिनों महंगाई तेजी से बढ़ी है। कोरोना काल में न केवल दवाइयों बल्कि खाने-पीने की चीजों की भी कीमतें अनाप-शनाप ढंग से बढ़ी हैं। फूड इन्फ्लेशन की दर 6 परसेंट से ज्यादा है जबकि ब्याज दर इससे नीचे है। रिजर्व बैंक का अंदाजा है कि इस साल इन्फ्लेशन दर 5.7 परसेंट रहेगी। लेकिन मानसून की अच्छी रफ्तार और बढ़िया खरीफ फसल की उम्मीद है जिससे महंगाई पर अंकुश लगेगा। हालांकि इसमें अभी तीन महीने हैं। यानी फिलहाल महंगाई इसी रफ्तार से जारी रहेगी।

इस समय इन्फ्लेशन की दर का 5 परसेंट से ज्यादा रहना बैंकों में डिपॉजिट करने वालों के लिए घाटे का सौदा है क्योंकि बैंक उसे इससे भी कम ही ब्याज दे रहे हैं। जमाकर्ता के पैसे की वैल्यू माइनस में जा रही है। ऐसे में उसके पास कोई चारा नहीं है। इसका नतीजा है कि सीनियर सिटिजन बड़े पैमाने पर म्युचुअल फंड, डेट फंड, सरकारी बांडों में पैसे लगा रहे हैं। उनके लिए फिक्स्ड डिपॉजिट अब आकर्षक नहीं है। म्युचुअल फंड जोखिम भरे होते हैं और बाजार के उतार-चढ़ाव से पूरी तरह प्रभावित होते हैं। उनमें इस समय बहुत बड़ी संख्या में विदेशी धन लगा हुआ है और विदेशी धन जितनी जल्दी आता है उतनी ही जल्दी उसका पलायन हो जाता है। अतिरिक्त आमदनी के अन्य तरीकों में शेयर बाजार भी है जो इस समय तो अच्छी चाल दिखा रहा है लेकिन भविष्य में क्या होगा, इस बारे में कुछ नहीं कहा जा सकता। यानी अधिक कमाई तो हो सकती है लेकिन कमाई के ज्यादातर इंस्ट्रूमेंट में अनिश्चितता बहुत ज्यादा है। यहां पर फिक्स्ड डिपॉजिट ही सही है। यूं तो सरकार ने सीनियर सिटिजन सेविंग्स स्कीम फंड पेश किया है और उसमें इस समय 7.4 परसेंट ब्याज मिलता है लेकिन इस स्कीम में सिर्फ 15 लाख रुपए ही जमा किए जा सकते हैं और वह भी महज पांच साल के लिए। इस पर तुर्रा यह है कि इससे मिली राशि पर टैक्स लगेगा। इसकी खासियत यह है कि इसे भारत सरकार की गारंटी है और ब्याज दरों में कमी या बढ़ोतरी सरकार पर ही निर्भर करेगी। इसकी कमी यह है कि इसमें लॉक इन पीरियड है और समय से पहले आप पैसे नहीं निकाल सकते।एक और सरकारी योजना है प्रधान मंत्री व्यय वंदना योजना। यह 2017 में सीनियर सिटिजंस के लिए शुरू हुई थी। यह एक तरह की रिटायरमेंट सह पेंशन स्कीम है और इस स्कीम की शुरुआत में तो इस पर 8 से 8.3 परसेंट तक ब्याज देने की सुविधा थी लेकिन इसे 2021 में घटाकर 7.4 परसेंट कर दिया गया है। इसमें निवेश 1.5 लाख रुपए से लेकर 15 लाख रुपए तक हो सकता है। इसका समय 10 साल का है। इसमें समय पूर्व पैसे कुछ शर्तों पर निकाले जा सकते हैं। लेकिन इस स्कीम में यह परेशानी है कि इससे मिलने वाला ब्याज टैक्स फ्री नहीं है। सीनियर सिटिजन के लिए पोस्ट ऑफिस मंथली इनकम स्कीम भी है लेकिन इसमें ब्याज की दरें 6.6 परसेंट ही हैं जो कोई आकर्षक नहीं दिखतीं। इसका फायदा उन लोगों को है जिनके पास पैसे कम हैं या जो ज्यादा पैसा फंसाना नहीं चाहते क्योंकि इसमें एंट्री महज 1500 रुपए से हो सकती है। इसमें एक समस्या है कि इनकम टैक्स में किसी तरह की छूट नहीं है। यानी आपको ब्याज पर टैक्स देना पड़ सकता है। अन्य दो स्कीम की तरह इसमें 80 सी के तहत छूट भी नहीं है। कुछ लोग यह तर्क देते हैं कि अमेरिका और यूरोपीय देशों में ब्याज दरें शून्य से थोड़ी ही ज्यादा हैं तो भारत में लोग इसके पीछे क्यों भाग रहे हैं? इसका जवाब है कि यहां सीनियर सिटीजन के लिए किसी भी तरह की सामाजिक सुरक्षा नहीं है। वहां उन्हें तमाम तरह के खर्च के लिए सहारा मिल जाता है जबकि भारत में इलाज कराने के लिए भी पैसे लगते हैं क्योंकि सरकारी अस्पतालों की हालत दयनीय है तथा अन्य किस्म की बेसिक सुविधाएं भी नहीं हैं। उनका खर्च ज्यादा है कमाई बेहद सीमित।

अपनी इस हरकत के लिए साउथ अफ्रीका के कोच मार्क बाउचर ने लिखित में मांगी माफी

नई दिल्ली (एजेंसी)। साउथ अफ्रीका के पूर्व विकेटकीपर और मौजूदा हेड कोच मार्क बाउचर ने अपने खेलने के दिनों के दौरान अपमानजनक गाना गाने वाले ग्रुप का हिस्सा होने और टीम के अश्वेत साथियों को उपनाम देने के लिए माफी मांगी है। पॉल एडम्स सहित टीम के कुछ साथियों द्वारा नस्लवाद का आरोप लगाए जाने के बाद बाउचर ने क्रिकेट साउथ अफ्रीका (सीएसए) के सामाजिक न्याय और राष्ट्र निर्माण (एसजेएन) समिति को 14 पन्ने का हलफनामा दिया है। एडम्स से एसजेएन के समक्ष सुनवाई के दौरान दावा किया था कि बाउचर टीम के उन साथियों में शामिल थे, जिन्होंने गाने में उन पर नस्ली टिप्पणी की थी। बाउचर ने कहा कि उन्होंने एडम्स का कोई उपनाम नहीं रखा था।

'ईएसपीएनक्रिकइंफो के अनुसार, आरोपों के जवाब में बाउचर ने कहा कि उन्हें और टीम के उनके साथियों को अधिक संवेदनशील होना चाहिए था। बाउचर ने हलफनामे में लिखा, मैं किसी भी आपत्तिजनक आचरण, वास्तविक या कथित, के लिए माफी चाहता हूं, जिसके लिए मुझे जिम्मेदार ठहराया गया है। उपरोक्त समय के दौरान हमें, टीम, कोचिंग स्टाफ, चयनकर्ताओं और सीएसए को अधिक संवेदनशील होना चाहिए था और ऐसा माहौल तैयार करना चाहिए था जहां टीम के सभी सदस्य इन मुद्दों के बारे में बात कर सकते। बाउचर ने साथ ही कहा कि टीम के साथियों के साथ अपमानजनक गीत गाने या अपमानजनक उपनाम रखने में किसी भी तरह की भूमिका के लिए उन्हें बेहद खेद है और इसके लिए वह माफी मांगते हैं।

पैरालंपिक खिलाड़ियों को कप्तान विराट विराट ने इंग्लैंड से भेजा सपोर्ट, कहा- आप सभी पर है भरोसा

नई दिल्ला (एजेंसी)। टोक्यो ओलंपिक में भारतीय खिलाड़ियों के ऐतिहासिक प्रदर्शन के बाद अब देश के एथलीट्स पैरालंपिक में अपना जलवा बिखरने को तैयार हैं। खेलों के इस महाकुंभ का आगाज 24 अगस्त से होना जा रहा है और यह टूर्नामेंट 5 सितंबर तक चलेगा। भारत की तरफ से इस बार कुल 54 खिलाड़ी अलग-अलग खेलों में अपनी किस्मत आजमाते हुए नजर आएंगे। भारतीय खिलाड़ियों को टूर्नामेंट की शुरुआत होने से पहले काफी सपोर्ट मिल रहा है और फैन्स उनके धमाकेदार प्रदर्शन की उम्मीद लगाए बैठे हैं। इंडियन क्रिकेट टीम के कप्तान विराट कोहली ने भी इंग्लैंड से सभी पैरा एथलीट्स को अपना सपोर्ट भेजा है। कोहली ने उम्मीद जताई है कि भारतीय प्लेयर्स पैरालंपिक में अपनी छाप छोड़ने में सफल रहेंगे। विराट कोहली ने अपने ट्विटर पर लिखा, 'अपनी शुभकामनाएं और सपोर्ट टोक्यो पैरालंपिक दल को भेज रहा हूं। मैं आप सभी के लिए चीयर कर रहा हूं और मुझे पूरी उम्मीद है कि आप सभी हमको गर्व महसूस कराएंगे।बता दें कि विराट कोहली इस समय भारतीय टीम के साथ इंग्लैंड में मौजूद हैं और 25 अगस्त से टीम को इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज का तीसरा टेस्ट मैच खेलना है। टोक्यो ओलंपिक 2020 में भारत का प्रदर्शन काफी शानदार रहा था और देश ने पहली बार ओलंपिक खेलों में 7 मेडल अपने नाम किए थे। जैवलिन थ्रो में नीरज चोपड़ा ने इतिहास रचते हुए ट्रैक एंड फील्ड में भारत को पहला गोल्ड मेडल दिलाया था। वह ओलंपिक में भारत के लिए गोल्ड मेडल लाने वाले दूसरे एथलीट बने थे। नीरज के अलावा, मीराबाई चानू ने टूर्नामेंट के दूसरे दिन ही वेटलिफ्टिंग में सिल्वर मेडल अपने नाम किया था। वहीं, कुश्ती में रवि दहिया ने जबरदस्त दांव लगाते हुए सिल्वर मेडल जीता था। बॉक्सिंग में लवलीना ने देश को ब्रॉन्ज मेडल दिलाया था, जबकि बैडमिंटन में पीवी सिंधु, रेसलिंग में बजरंग पूनिया ने भी ब्रॉन्ज जीता था। भारतीय पुरुष हॉकी टीम 41 साल का सूखा खत्म करते हुए कांस्य पदक लेकर स्वदेश लौटी थी। महिला हॉकी टीम ने भी ओलंपिक खेलों के इतिहास में पहली बार सेमीफाइनल तक का सफर तय किया था।

तीसरे टेस्ट मैच से पहले शार्दुल ठाकुर की फिटनेस पर उपकप्तान अजिंक्य रहाणे ने दिया बड़ा अपडेट

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय टेस्ट टीम के उपकप्तान अजिंक्य रहाणे ने इंग्लैंड के खिलाफ हेडिंग्ले लीड्स में खेले जाने वाले तीसरे टेस्ट मैच से पहले शार्दुल ठाकुर की फिटनेस पर बड़ा अपडेट दिया है। रहाणे ने बताया कि भारत का यह ऑलराउंडर अब पूरी तरह से फिट है और सिलेक्शन के लिए उपलब्ध होंगे। गौरतलब है कि हेमस्ट्रिंग के चलते शार्दुल लॉर्ड्स में खेले गए दूसरे टेस्ट मैच से बाहर हो गए थे और उनकी जगह पर ईशांत शर्मा को टीम में शामिल किया गया था। भारत ने दूसरे टेस्ट मैच में इंग्लैंड को 151 रनों से रौंदा था। प्रेस कॉन्फ्रेंस में बात करते हुए अजिंक्य रहाणे ने कहा, 'शार्दुल पूरी तरह से फिट और फाइन हैं। वह सिलेक्शन के लिए तैयार हैं। हमको देखना होगा कि रोटेशन पॉलिसी के हिसाब से हम किसी कॉम्बिनेशन के साथ मैदान पर उतरेंगे। हमको आखिरी टेस्ट मैच के बाद काफी अच्छा ब्रेक मिला था तो सभी तेज गेंदबाज खेलने के लिए तैयार हैं। वह खेलने चाहते हैं, जो हमारे लिए काफी अच्छा साइन है।ट्रेंट ब्रिज में खेले गए पहले टेस्ट मैच में शार्दुल का प्रदर्शन शानदार रहा था और उन्होंने 4 विकेट अपने नाम किए थे। हालांकि,लॉर्ड्स में ईशांत शर्मा के धांसू प्रदर्शन के बाद शार्दुल के तीसरे टेस्ट में खेलने के चांस काफी कम नजर आ रहे हैं।

रहाणे ने खराब फॉर्म को लेकर हो रही अपनी आलोचना पर कहा, 'मैं खुश हूं कि लोग मेरे बारे में बात कर रहे हैं। मेरा हमेशा से ही मानना है कि लोग महत्वपूर्ण लोगों के बारे में ही बात करते हैं। यह सब मुझे मोटिवेट करता है, देश के लिए खेलना मुझे बहुत मोटिवेट करता है। मैं आलोचना से परेशान नहीं होता हूं। लोग महत्वपूर्ण लोगों की ही आलोचना करते हैं और मैं खुश हूं कि वह मेरे साथ ऐसा कर रहे हैं। मैं उन चीजों पर ही फोकस करता हूं जो मेरे कंट्रोल में होती हैं। टीम का प्रदर्शन मेरा मुख्य गोल है आप अपने प्लान और तरीकों के बारे में सोचते हैं, लेकिन आखिर में यह सब टीम के लिए ही होता है।

अमेरिका में जमकर बोला उन्मुक्त चंद का बल्ला, चौके-छक्कों की बारिश कर जड़ा पहला अर्धशतक

नई दिल्ली (एजेंसी)। 28 साल की उम्र में भारतीय क्रिकेट से संन्यास लेने वाले उन्मुक्त चंद का बल्ला अमेरिका में जमकर बोल रहा है। उन्मुक्त ने माइनर लीग क्रिकेट में खेले गए एक मैच में जबरदस्त बल्लेबाजी करते हुए टूर्नामेंट में अपना पहला अर्धशतक जड़ा। अपनी इस धांसू पारी का वीडियो उन्मुक्त ने इंस्टाग्राम पर शेयर किया है, जिसमें वह एक के बाद एक दमदार शॉट्स खेलते हुए नजर आ रहे हैं। उन्मुक्त ने हाल ही में अपने रिटायरमेंट लेने की वजह का खुलासा किया था। उन्होंने आरोप लगाया था कि दिल्ली क्रिकेट बोर्ड में गंदी राजनीति की जाती है और ऐसे खिलाड़ियों को मौका दिया जाता है जिनको वह अपनी क्लब टीम में भी शामिल ना करें।बता दें कि उन्मुक्त चंद ने माइनर लीग क्रिकेट टूर्नामेंट में सिलिकॉन वैली स्ट्राइकर्स की टीम के साथ करार किया है। उन्मुक्त के लिए टूर्नामेंट का आगाज हालांकि अच्छा नहीं रहा था और वह 3 गेंद खेलने के बाद बिना खाता खोले पवेलियन लौट गए थे। इंस्टाग्राम पर शेयर किए वीडियो में उन्मुक्त काफी अच्छी लय में नजर आ रहे हैं और मैदान के चारों ओर शॉट्स लगाते हुए दिख रहे हैं। उन्मुक्त ने कैप्शन में लिखा, 'पहली ऑफिशियल फिफ्टी अमेरिका की मिट्टी पर।उन्मुक्त ने अपनी कप्तानी में भारत को साल 2012 में अंडर 19 विश्व कप चैंपियन बनाया था।

हाल ही में स्पोर्ट्सकीड़ा को दिए गए इंटरव्यू में उन्मुक्त ने बताया था कि वह राज्य क्रिकेट बोर्ड द्वारा लगातार अनदेखी के चलते वह दिमागी तौर पर काफी परेशान हो गए थे। उन्होंने कहा था, 'पिछले कुछ साल मेरे लिए काफी कठिन रहे। आखिरी सीजन में मुझे दिल्ली की तरफ से एक भी मैच खेलने को नहीं मिला। और उसके बाद भी वहीं चिंता कि मुझे अगला मैच खेलने को मिलेगा या नहीं। भारतीय घरेलू क्रिकेट में इस समय काफी चिंताएं हैं।

मोंटी पनेसर ने बताया, हेडिंग्ले लीड्स में जीत दर्ज करने के लिए टीम इंडिया को करना होगा सिर्फ यह एक काम

नई दिल्ली (एजेंसी)। लॉर्ड्स का मैदान फतह करने के बाद टीम इंडिया का अब अगला मिशन हेडिंग्ले लीड्स में जीत हासिल करना है। इंग्लैंड टीम के पूर्व स्पिन गेंदबाज मोंटी पनेसर ने भारतीय टीम को लीड्स में जीत दर्ज करने का मंत्र दिया है। पनेसर ने बताया कि अगर भारतीय टीम इंग्लिश कप्तान जो रूट का विकेट जल्दी निकालने में सफल हो जाती है तो हेडिंग्ले में विराट कोहली एंड कंपनी की जीत पक्की है। बता दें कि शानदार फॉर्म में चल रहे रूट का हेडिंग्ले होम ग्राउंड भी है। पनेसर ने कहा कि भारतीय तेज गेंदबाज अगर इसी तरह से गेंदबाजी करते रहे तो टीम इंडिया आसानी के साथ सीरीज अपने नाम करने में सफल होगी। एक बातचीत करते हुए पूर्व इंग्लिश क्रिकेटर ने कहा, 'हेडिंग्ले जो रूट और जॉनी बेयरस्टो का होम ग्राउंड है। भारत ने लॉर्ड्स टेस्ट में शानदार क्रिकेट खेली थी, लेकिन हेडिंग्ले में टीम को बड़ा चैलेंज मिल सकता है। अगर भारत इसी तरह से गेंदबाजी करता रहेगा तो वह सीरीज पर कब्जा करने में कामयाब रहेगा। हेडिंग्ले टेस्ट को जीतने के लिए भारत तभी फेवरेट है जब वह जो रूट को जल्दी आउट कर लेगा। सिराज ने उनके लिए सबसे बड़ा अंतर पैदा किया है। सिराज ने सीरीज में इंग्लैंड के लिए मुश्किलें पैदा की हैं। इंग्लिश बल्लेबाजों को सिराज को पढ़ने में काफी दिक्कत हो रही है।'

मोंटी पनेसर ने कहा कि इंग्लैड की टीम बेन स्टोक्स को काफी मिस कर रही है और अगर उनको सीरीज में वापसी करनी है तो स्टोक्स को टीम में लाना होगा। उन्होंने कहा, 'इंग्लैंड को स्टोक्स की सख्त जरूरत है अगर वह सीरीज को बचाना चाहते हैं तो। जो रूट को टीम में इस समय बेन स्टोक्स की जरूरत है। इंग्लैंड उनको बुरी तरह से मिस कर रही है। गणना कुछ और ही होती अगर स्टोक्स टीम में मौजूद होते।भारत और इंग्लैंड के बीच तीसरा टेस्ट मैच 25 अगस्त से हेडिंग्ले लीड्स में खेला जाना है।

हरमनप्रीत, गुरजीत, श्रीजेश और सविता एफआईएच वार्षिक पुरस्कारों के लिए नामांकित

नई दिल्ला (एजेंसी)। टोक्यो ओलंपिक में शानदार प्रदर्शन करने वाली भारतीय पुरुष और महिला हॉकी टीमों के ड्रैग-फ्लिकर हरमनप्रीत सिंह और गुरजीत कौर को सोमवार को इंटरनेशनल हॉकी फेडरेशन (एफआईएच) के साल के बेस्ट खिलाड़ी (पुरुष और महिला वर्ग) पुरस्कार के लिए नामांकित किया गया। भारतीय खिलाड़ी लगभग सभी कटेगरी में जगह बनाने में सफल रहे। जहां पीआर श्रीजेश पुरुष वर्ग में साल के बेस्ट गोलकीपर बनने की दौड़ में शामिल हैं तो वहीं महिला वर्ग में सविता पूनिया को इस खिताब के लिए नामांकन मिला है। भारतीय पुरुष टीम के मुख्य कोच ग्राहम रीड और महिला टीम के उनके समकक्ष शोर्ड मारिन पुरुषों और महिलाओं के लिए एफआईएच साल के बेस्ट कोच के लिए नामांकित हैं। हरमनप्रीत ने टोक्यो ओलंपिक में अपनी ड्रैग-फ्लिक से आठ मैचों में छह गोल किए थे, जिससे भारतीय पुरुष टीम को एतिहासिक ब्रॉन्ज मेडल दिलाने में मदद मिली। टीम ने इस मेडल के साथ 41 साल के सूखे को खत्म किया था। गुरजीत उस भारतीय महिला टीम की एक महत्वपूर्ण सदस्य थी, जो ओलंपिक ब्रॉन्ज मेडल के प्ले-ऑफ में ब्रिटेन से हार गई थी। टीम हालांकि पहली बार ओलंपिक सेमीफाइनल में पहुंचने में सफल रही थी। पंजाब की 25 साल की इस खिलाड़ी ने क्वार्टर फाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ गोल कर टीम को 1-0 से जीत दिलाई थी। गुरजीत के अलावा एफआईएच साल की बेस्ट महिला खिलाड़ी पुरस्कार की दौड़ में अर्जेंटीना की अगस्टिना अल्बर्टारियो और अगस्टिना गोरजेलेनी के साथ नीदरलैंड की ईवा डी गोएडे, फ्रेडरिक मटला और मारिया वर्चुर शामिल हैं। पुरुषों के वर्ग में हरमनप्रीत के अलावा ओलंपिक गोल्ड मेडलिस्ट बेल्जियम के आर्थर वैन डोरेन और अलेक्जेंडर हेंड्रिक्स तथा सिल्वर मेडलिस्ट ऑस्ट्रेलिया के जेक वेटन, अरन जालेव्स्की और टिम ब्रांड के नाम हैं।

श्रीलंका नहीं अब अपनी धरती पर अफगानिस्तान के खिलाफ वनडे सीरीज खेलेगा पाकिस्तान

नई दिल्ली (एजेंसी)। अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच खेली जाने वाली वनडे सीरीज श्रीलंका की बजाए अब पाकिस्तान में ही खेली जाएगी। श्रीलंका में कोरोना के बढ़ते मामलों के चलते लॉकडाउन लगा दिया गया है जिसकी वजह से इस सीरीज को अब पाकिस्तान में कराने का फैसला लिया गया है। दोनों टीमों के बीच खेली जानी वाली यह वनडे सीरीज आईसीसी वर्ल्ड कप सुपर लीग का हिस्सा है। बता दें कि अफगानिस्तान में तालिबान का कब्जा हो चुका है और वहां पर हालात दिन प्रतिदिन बद से बदतर होते जा रहे हैं। इससे पहले, पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने इस सीरीज को अपने देश में कराने का अफगानिस्तान को ऑफर दिया था। लेकिन अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड (एसीबी) ने इसे रिजेक्ट कर दिया था। पहले के कार्यक्रम के मुताबिक, सीरीज के लिए अफगानिस्तान के खिलाड़ियों को सड़क के रास्ते से पाकिस्तान जाना था और वहां से यूएई होते हुए श्रीलंका पहुंचते। हालांकि, सीरीज के शेड्यूल में किसी भी तरह का कोई बदलाव नहीं किया गया है।

पीएम मोदी ने अंडर-20 वर्ल्ड एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में मेडल जीतने वालों को दी बधाई, कहा- एथलेटिक्स पूरे देश में फेमस हो रहा

नई दिल्ला (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नैरोबी में अंडर-20 वर्ल्ड एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में मेडल जीतने वाले एथलीटों को बधाई दी है। भारत की शैली सिंह ने अंडर-20 वर्ल्ड एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में रविवार को महिला लम्बी कूद स्पर्धा में सिल्वर मेडल जीत लिया। वह 659 मीटर की अपनी छलांग के साथ मात्र एक सेंटीमीटर से गोल्ड मेडलिस्ट स्वीडन की माजा अस्काज से पीछे रह गईं। इस सीजन से पहले तक भारत के विश्व जूनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में चार मेडल थे लेकिन भारत ने लगभग उस संख्या की इस बार बराबरी कर ली है। प्रधानमंत्री ने सोमवार को एक ट्वीट संदेश में कहा, 'रफ्तार एवं और सफलता का चयन। विश्व अंडर 20 एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में दो सिल्वर मेडल और ब्रॉन्ज मेडल जीतने वाले हमारे एथलीटों को बधाई। एथलेटिक्स पूरे भारत में लोकप्रियता हासिल कर रहा है और यह आने वाले समय के लिए एक बहुत ही अच्छा संकेत है। कठिन परिश्रम करने वाले हमारे एथलीटों को शुभकामनाएं। भारत की चार गुणा 400 मीटर मिक्स्ड रिले टीम ने इस बार ब्रॉन्ज मेडल और अमित खत्री ने पुरुषों की 10 हजार मीटर पैदल चाल में सिल्वर मेडल जीते थे। भारत पदक तालिका में 21वें स्थान पर रहा। एक भी गोल्ड भारत को तालिका में टॉप 15 में ले आता। इससे पहले डिस्कस थ्रोअर सीमा अंतिल ने 2002 और नवजीत कौर ढिल्लों ने 20914 ने ब्रॉन्ज मेडल और भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा ने 2016 में और 400 मीटर की धाविका हिमा दास ने 2018 में गोल्ड मेडल जीते थे।

टोक्यो ओलंपिक मेडलिस्ट रेसलर बजरंग पूनिया को लगा झटका, घुटने में चोट के कारण इस चैंपियनशिप से हुए बाहर

नई दिल्ला (एजेंसी)। टोक्यो ओलंपिक ब्रॉन्ज मेडलिस्ट पहलवान बजरंग पूनिया आगामी रेसलिंग वर्ल्ड चैंपियनशिप में हिस्सा नहीं लेंगे क्योंकि टोक्यो खेलों से पहले दाएं घुटने में लगी चोट (लिगामेंट टियर) के इलाज के लिए उन्हें छह हफ्ते के रिहैबिलिटेशन की सलाह दी गई है। रेसलिंग वर्ल्ड चैंपियनशिप का आयोजन नॉर्वे के ओस्लो में दो से 10 अक्टूबर तक किया जाएगा और रिहैबिलिटेशन प्रोग्राम पूरा होने तक बजरंग ट्रेनिंग शुरू नहीं कर पाएंगे। ओलंपिक से पहले जून में रूस में लगी चोट की गंभीरता को जानने के लिए हाल में बजरंग ने एमआरआई कराया था और मुंबई के कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी अस्पताल के खेल मेडिसिन केंद्र के प्रमुख डॉ. दिनशॉ परदीवाला से सलाह ली थी। बजरंग ने समाचार एजेंसी पीटीआई को बताया, लिगामेंट में चोट है और डॉ. दिनशॉ ने मुझे छह हफ्ते के रिहैबिलिटेशन प्रोग्राम से गुजरने को कहा है। मैं रेसलिंग वर्ल्ड चैंपियनशिप में हिस्सा नहीं ले पाऊंगा। बाकी बचे साल में और कोई रैंकिंग प्रतियोगिता नहीं है मेरा सीजन खत्म हो गया है। इस साल कैलेंडर में रेसलिंग वर्ल्ड चैंपियनशिप एकमात्र बड़ी प्रतियोगिता बची है। मैं इस साल किसी और टूर्नामेंट में खुद को हिस्सा लेते हुए नहीं देखता।टोक्यो खेलों से पहले जून में रूस में अली अलियेव टूर्नामेंट में खेलते हुए बजरंग को चोट लगी थी। बजरंग उस टूर्नामेंट में अब्दुलमजीद कुदियेव के खिलाफ सेमीफाइनल मुकाबले के बीच से हट गए थे जब विरोधी खिलाड़ी ने मुकाबले के पहले पीरियड में उनके दाएं पैर को पकड़कर खींच लिया था। पैर खींचे जाने से बजरंग के दाएं घुटने पर असर पड़ा और वह लड़खड़ाते हुए तुरंत मुकाबले से हट गए। उन्होंने हालांकि ओलंपिक में हिस्सा लिया और 65 किग्रा वर्ग में बॉन्ज मेडल जीता। बजरंग ने कहा, यह मेरा पहला ओलंपिक था और मैंने ओलंपिक पदक जीतने का सपना देखा था, टोक्यो में मैं दर्द के बावजूद खेला।

पीएम मोदी से नीतीश की बैठक से पहले सुशील मोदी बोले- बीजेपी ने हमेशा किया है जातीय जनगणना का समर्थन

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में आज बिहार से एक सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से जाति-आधारित जनगणना की मांग को लेकर मिलने वाला है। इससे ठीक एक दिन पहले भाजपा ने जाति-आधारित गणना के इस कदम का जोरदार समर्थन किया है। बिहार के वरिष्ठ भाजपा नेता और राज्यसभा सांसद सुशील कुमार मोदी ने कहा कि पार्टी ने हमेशा जाति आधारित जनगणना का समर्थन किया है और सोमवार को पीएम से मिलने वाले सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा बनेगी। सुशील मोदी ने ट्वीट किया, ठभाजपा कभी भी जातिगत जनगणना के खिलाफ नहीं रही, इसलिए हम इस मुद्दे पर विधानसभा और विधान परिषद में पारित प्रस्ताव

का हिस्सा रहे हैं।ठ उन्होंने सैकड़ों जातियों की संख्या शक्ति का आकलन करने पर सहमति व्यक्त की है।

बिहार के पूर्व डिप्टी सीएम का बयान, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा अपनी टीम में ओबीसी के सदस्यों को रिकॉर्ड प्रतिनिधित्व देने और चिकित्सा पाठ्यक्रमों में अखिल भारतीय कोटा की घोषणा सुनिश्चित करने के लिए हस्तक्षेप करने का अनुसरण करता है। इससे पहले, यूपी से पार्टी के लोकसभा सदस्य संघमित्रा मौर्य ने 127वें संशोधन विधेयक पर बोलते हुए राज्यों की अपनी ओबीसी कोटा सूची बनाने की शक्तियों को बहाल करते हुए जाति आधारित जनगणना का पुरजोर समर्थन किया था।

भाजपा नेता ने कहा कि ब्रिटिश राज के तहत 1931 की पिछली जनगणना के समय बिहार, झारखंड और उड़ीसा एक थे। मोदी ने कहा, 'बिहार की करीब एक करोड़ की आबादी में उस समय सिर्फ 22 जातियों की जनगणना हुई थी। अब 90 साल बाद आर्थिक, सामाजिक, भौगोलिक और राजनीतिक परिस्थितियों में बड़ा अंतर आया है।उन्होंने कहा कि हालांकि जाति जनगणना कराने में कई तकनीकी और व्यावहारिक कठिनाइयां हैं, फिर भी भाजपा सैद्धांतिक रूप से इसके समर्थन में है। 10 अगस्त को बीजेपी सांसद संघमित्रा मौर्य ने 127वें संशोधन बिल में हिस्सा लेते हुए जाति जनगणना की जोरदार पैरवी की थी। पिछड़ी जाति से ताल्लुक रखने वाले सांसद और जिनके पिता स्वामी प्रसाद मौर्य उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री हैं, ने कहा था, ''पहले जानवर भी गिने जाते थे लेकिन पिछड़ी जाति नहीं. बीजेपी सरकार अब कर रही है।'

बिहार के ही एक विधायक अजय कुमार, जो जाति आधारित जनगणना पर चर्चा के लिए आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलने वाले प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा हैं, ने कहा कि यह मुद्दा समय की जरूरत है। न्यूज एजेंसी एएनआई से बात करते हुए अजय कुमार ने कहा, ठहमने मुख्यमंत्री से कहा कि हमें प्रधानमंत्री से मिलना चाहिए क्योंकि जाति आधारित जनगणना समय की जरूरत है। जाति आधारित शोषण आज भी होता है। जाति आधारित जनगणना से इसे सुधारा जा सकता है।

अफगानिस्तान से भारतीयों को सुरक्षित निकालने का सिलसिला जारी, 75 सिख देर रात तक पहुंच जाएंगे भारत

नई दिल्ली (एजेंसी)। अफगानिस्तान से भारतीयों से बाहर निकालने का सिलसिला जारी है। लगातार बदहाल होते हालात के बीच सोमवार को यहां से 75 सिखों को बाहर निकाला गया। इन लोगों दुशान्बे के रास्ते काबुल से निकाला जा रहा है और यह लोग देर रात भारत पहुंचेंगे। दिल्ली सिख गुरुद्वारा मैनेजमेंट कमेटी के चीफ मजिंदर सिंह सिरसा ने इस बात की जानकारी दी। मजिंदर सिंह सिरसा ने बताया कि अफगानिस्तान से एक जरूरी अपडेट आया है। 75 सिखों को काबुल से दुशान्बे के रास्ते निकाला गया है। देर रात तक यह लोग भारत पहुंचेंगे। सिरसा ने एक ट्वीट में कहा कि हम लोग इस बड़े सहयोग के लिए पीएम ऑफिस इंडिया और विदेश मंत्रालय के शुक्रगुजार हैं। गौरतलब है कि अफगानिस्तान में सिचुएशन लगातार खराब होती जा रही है।

यहां से बड़े पैमाने पर लोग देश छोड़कर भाग रहे हैं। 15 अगस्त को अफगान राष्ट्रपति अशरफ गनी के देश छोड़ने के बाद तालिबान ने यहां पर कब्जा कर लिया है।

तालिबान का शासन लागू होने के बाद अफगानिस्तान में लगातार स्थितियां खराब होती जा रही हैं। तालिबानी क्रूरता और महिलाओं के प्रति उनके हिंसात्मक व्यवहार को देखते हुए लोग यहां से बाहर निकल रहे हैं। विभिन्न देश अपने नागरिकों को जल्द से जल्द अफगानिस्तान से निकालना चाहते हैं। अफगान देश को छोड़ने के लिए लोग किस हद तक बेकरार हैं इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि लोग उड़ती हुई जहाज के पहियों तक पर सवार हो जा रहे हैं। वहीं भारतीय विदेश मंत्रालय ने अपने सभी नागरिकों को यहां से निकालने का इरादा किया हुआ है।

हुर्रियत पर लग सकता है प्रतिबंध

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार कश्मीर की ऑल पार्टी हुर्रियत कॉन्फ्रेंस के कट्टर और नरम दोनों धड़ों पर बैन लगाने पर विचार कर रही है. सवाल उठ रहे हैं कि अगस्त 2019 के बाद से हुर्रियत वैसे ही निष्क्रिय है, तो फिर इस कदम की जरूरत क्या है?मीडिया में आई खबरों में दावा किया जा रहा है कि हुर्रियत के दोनों धड़ों पर यूएपीए के तहत प्रतिबंध लगाने की तैयारी चल रही है. इस तरह के प्रतिबंध लगाने के बाद सरकारी एजेंसियां ना सिर्फ इन दोनों धड़ों को मिलने वाली आर्थिक मदद रोक पांगी, बल्कि उन्हें इनके नेताओं और सदस्यों को गिरफ्तार करने में भी मदद मिलेगी. ऑल पार्टी हुर्रियत कॉन्फ्रेंस का जन्म नौ मार्च 1993 को हुआ था. उस समय इसके बैनर तले कश्मीर के 26 राजनीतिक, सामाजिक और धार्मिक संगठन

साथ आए थे. इनका सभी संगठनों का उद्देश्य था कि कश्मीर को भारत से अलग करने की मांग को आगे बढ़ाया जाए. खत्म होता वर्चस्व दशकों तक हुर्रियत के कहने पर आम कश्मीरी कश्मीर को ले कर केंद्र की नीतियों के खिलाफ सड़कों पर उतर आते थे. इस तरह के प्रदर्शन कश्मीर में 2016 तक भी हुआ करते थे।हालांकि बीते दो दशकों में हुर्रियत काफी कमजोर हुई है. 2003 में यह दो अलग अलग धड़ों में बंट गई और अभी तक बंटी हुई है. एक धड़े का नेतृत्व मिरवाइज उमर फारूक करते हैं, जिन्हें कश्मीरियों के सबसे बड़े आध्यात्मिक नेता के रूप में देखा जाता है. इस धड़े को मॉडरेट या नरम धड़े के रूप में जाना जाता है।

अफगानिस्तान से निकाले गए 146 भारतीय, दोहा से भारत लौटे

नई दिल्ली (एजेंसी)। अफगानिस्तान से निकाले गए भारत के 146 भारतीय नागरिक कतर की राजधानी से चार अलग-अलग विमानों के जरिये सोमवार को भारत पहुंचे। इन नागरिकों को अमेरिका और उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) के विमान के जरिए पिछले कुछ दिन में काबुल से दोहा ले जाया गया था। मामले से संबंधित जानकारी रखने वाले लोगों ने बताया कि अफगानिस्तान पर तालिबान के कब्जे के बाद तनावग्रस्त देश में फंसे अपने नागरिकों और अफगान भागीदारों को निकालने के भारत के अभियान के तहत इन लोगों को दिल्ली लाया गया। काबुल में निकासी अभियान शुरू करने के बाद दोहा से भारत लाया गया यह भारतीयों का दूसरा जत्था है।

सिद्धू के सलाहकारों पर गिरेगी गाज? बोले पंजाब कांग्रेस प्रभारी - बयानों की जांच के बाद होगी कार्रवाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। पंजाब कांग्रेस के चीफ नवजोत सिंह सिद्धू के सलाहकारों प्यारे लाल गर्ग और मलविंदर माली ने कश्मीर को लेकर हाल ही में विवादित बात कही थी। अब सिद्धू के इन दोनों सलाहकारों पर गाज गिर सकती है। पंजाब कांग्रेस के प्रभारी हरीश रावत ने सोमवार को कहा कि उनके बयान आशंकाओं से भरे हैं, लेकिन अगर उन्होंने यह बयान दिया है तो कार्रवाई की जाएगी। हरीश रावत ने आगे कहा कि 'ये सलाहकार कांग्रेस द्वारा नियुक्त नहीं किये गए हैं। प्रदेश अध्यक्ष ने इन्हें अपने स्तर से नियुक्त किया है। अगर ऐसा कोई व्यक्ति निजी राय जाहिर करता है तो इससे पार्टी का क्या संबंध है? इसके बाद भी हम इसकी जांच करा रहे हैं। मैंने सिद्धू जी और

कुछ अन्य लोगों से भी जानकारियां मांगी थीं। मुझे बताया गया कि बयान को राजनीतिक फायदे के लिए तोड़ा-मरोड़ा जा सकता है।'

हरीश रावत ने आगे कहा कि 'मैं पार्टी की तरफ से साफ करना चाहता हूं कि जम्मू और कश्मीर भारत का हिस्सा हैं। किसी को भी इस मसले पर किसी तरह की आशंका नहीं हो सकती है।हरीश रावत ने कहा कि इस बयान को राजनीतिक फायदने के लिए तोड़ा-मरोड़ा भी जा सकता है। ताकि आने वाले विधानसभा चुनाव में इसका फायदा उठाया जा सके। लेकिन अगर उन्होंने ऐसा बयान दिया है तो इसपर कार्रवाई होगी। दरअसल, पंजाब कांग्रेस के अध्यक्ष नवजोत सिंह सिद्धू के सलाहकार मालविंदर सिंह माली ने कश्मीर को लेकर एक विवादित बयान दिया था। जिसके बाद वो कई नेताओं के निशाने पर आ गए। माली ने अपने फेसबुक पर एक पोस्ट करते हुए लिखा था कि कश्मीर एक अलग देश था, भारत और पाकिस्तान ने उस पर अवैध कब्जा किया था। माली ने कहा कि कश्मीर, कश्मीर के लोगों का है।

सिद्धू के सलाहकारों के बयान को लेकर मुख्यमंत्री के मीडिया सलाहकार रवीन ठुकराल ने ट्विटर पर लिखा था कि सीएम कैप्टन अमरिंदर सिंह ने नवजोत सिंह सिद्धू के सलाहकारों के कश्मीर और पाकिस्तान पर दिए गए बयानों को खारिज किया है, क्योंकि ये घटिया और स्पष्ट रूप से राष्ट्रविरोधी है, जो पंजाब और देश की शांति बिगाड़ सकते हैं। उन्होंने पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष से कहा कि इसस पहले कि वे देश के हितों को और अधिक नुकसान पहुंचाएं, उनपर लगाम लगाएं। मलविंदर सिंह माली पर इंदिरा गांधी का कथित रूप से विवादित कार्टून सोशल मीडिया पर शेयर करने का भी आरोप है। इसपर हरीश रावत ने कहा कि 'वह लोकप्रिय नेताओं में एक थीं. हम सब के लिए मां की तरह थीं।

छत्तीसगढ़ में बदलेगा मुख्यमंत्री?

मतभेदों की चर्चाओं के बीच हाईकमान से मिलेंगे भूपेश बघेल और टीएस सिंह देव

नई दिल्ली रायपुरनई दिल्ली (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ में सत्ता में भागीदारी को लेकर फैली अफवाहों के बीच कांग्रेस हाईकमान ने सीएम भूपेश बघेल और मंत्री टीएस सिंह देव को तलब किया है। दोनों नेता मंगलवार को दिल्ली आकर केंद्रीय नेतृत्व से मुलाकात करेंगे। पूरे मामले की जानकारी रखने वाले सूत्रों ने कहा कि मंगलवार को राज्य के प्रभारी पीएल पूनिया की लीडरशिप में यह मीटिंग होगी। भूपेश बघेल के करीबी एक नेता ने कहा, 'सीएम की मीटिंग करीब एक महीने पहले ही तय हुई थी। यह रिव्यू मीटिंग है और इसमें निश्चित तौर पर पावर-शेयरिंग के फॉर्म्यूले पर भी बात की जाएगी।

इस मीटिंग में भूपेश बघेल और टीएस सिंह देव दोनों ही मौजूद रहेंगे। भूपेश बघेल और सिंह देव के बीच 17 जून से ही विवाद है। इस दिन ही भूपेश बघेल ने सीएम के तौर पर अपने ढाई साल पूरे किए थे। दरअसल दिसंबर 2018 में सत्ता में आई कांग्रेस में उस वक्त सीएम पद के दावेदारों में भूपेश बघेल के अलावा टीएस सिंह देव और ताम्रध्वज साहू भी थे। लेकिन भूपेश बघेल को ही सीएम बनाया गया। उस वक्त कहा गया था कि भूपेश बघेल को सीएम बनाने के साथ ही ढाई साल का करार हुआ है। पहले ढाई साल भूपेश बघेल सीएम रहेंगे और उसके बाद टीएस सिंह देव नेतृत्व संभालेंगे। हालांकि ये

चर्चाएं ही थीं, इस पर पार्टी की ओर से आधिकारिक तौर पर कभी कुछ नहीं कहा गया।

ये चर्चाएं 17 जून के बाद से फिर शुरू हुईं, जब भूपेश बघेल का ढाई साल का कार्यकाल पूरा हो गया। हालांकि इसके बाद भी भूपेश बघेल और टीएस सिंह देव यही कहते रहे कि कांग्रेस हाईकमान की ओर से ही इस पर कोई फैसला लिया जाएगा। दोनों नेताओं का कहना है कि इस पर केंद्रीय नेतृत्व की ओर से जो भी आदेश होगा, वे उसे मानेंगे। यही नहीं मंगलवार को होने वाली मीटिंग के संबंध में टीएस सिंह देव से जब पूछा गया तो उन्होंने कहा कि इस बारे में आपको पीएल पूनिया जी से पूछना चाहिए। वह सही व्यक्ति हैं। वहीं पीएल पूनिया की ओर से इस संबंध में अब तक कुछ कहा नहीं गया है। यही नहीं इस महीने की शुरुआत में भी टीएस सिंह देव दिल्ली आए थे और सीनियर नेताओं से मुलाकात की थी। हालांकि जब सीएम पद को लेकर पूछा गया तो उनका कहना था कि ऐसा कुछ नहीं था। मैं पर्सनल विजिट पर आया था। कांग्रेस सूत्रों का कहना है कि सीएम पद के अलावा भूपेश बघेल की ओर से अहम फैसलों में टीएस सिंह देव को नजरअंदाज किए जाने के चलते भी विवाद बढ़ा है। बीते 16 महीनों में कोरोना को लेकर कई मीटिंग हुई हैं, लेकिन उनमें भी टीएस सिंह देव को किनारे ही रखा गया। कहा जा रहा है कि इसके चलते भी दोनों के बीच विवाद बढ़ा है।

सलाहकारों पर बुरी तरह घिरे सिद्धू, मनीष तिवारी बोले- ऐसे लोगों को कांग्रेस छोड़ो, देश में रहने का हक नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। पंजाब कांग्रेस के अध्यक्ष नवजोत सिंह सिद्धू अपने सलाहकारों को लेकर बुरी तरह से घिर चुके हैं। अब कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मनीष तिवारी ने सिद्धू के दो सलाहकारों की कथित विवादित टिप्पणियों को लेकर सोमवार को पार्टी नेतृत्व से इस पर आत्ममंथन करने का आग्रह किया है। साथ ही उन्होंने यह भी कहा है कि क्या ऐसे लोगों को पार्टी में होना चाहिए जो जम्मू-कश्मीर को भारत का हिस्सा नहीं मानते और जिनका रुझान पाकिस्तान समर्थक है। पंजाब कांग्रेस प्रमुख नवजोत एस सिद्धू के सलाहकार प्यारे लाल गर्ग और मलविंदर सिंह माली की पाकिस्तान और कश्मीर पर टिप्पणी पर कांग्रेस नेता मनीष तिवारी ने पूछा,ठक्या ऐसे लोगों को देश में रहने का भी अधिकार है।

कोरोना मुक्त हुए मिजोरम के कई इलाके, फिर से खुलेंगे 300 से अधिक स्कूल

नई दिल्ली (एजेंसी)। मिजोरम में कोरोना वायरस संक्रमण से मुक्त क्षेत्रों में 300 से अधिक स्कूलों को नए शैक्षणिक सत्र 2021-2022 के लिए फिर से खोले जाने की अनुमति दी गई है। स्कूल शिक्षा विभाग के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने रविवार को बताया कि राज्य सरकार द्वारा आठ अगस्त को जारी किए गए कोविड??-19 संबंधी नए दिशानिर्देशों के तहत आइजोल नगर निगम के अधिकार क्षेत्र के बाहर स्थित उन इलाकों में स्कूलों को फिर से खोलने की अनुमति दी गई, जहां कोरोना वायरस का कोई मामला नहीं है। स्कूल शिक्षा विभाग ने नौ अगस्त को एक आदेश जारी किया था जिसमें उपायुक्तों से पूर्व में परामर्श करके संक्रमणमुक्त कस्बों और गांवों में प्राथमिक से उच्च माध्यमिक स्तर के स्कूलों को फिर से खोलने की अनुमति दी गई।

स्कूल शिक्षा विभाग के निदेशक जेम्स ललरिंचना ने 'पीटीआई-भाषा को बताया कि आइजोल जिले सहित सात जिलों के कम से कम 376 स्कूलों को नए शैक्षणिक सत्र 2021-2022 के लिए फिर से खोलने की अनुमति दी गई है। उन्होंने बताया कि इनमें से अधिकतर स्कूलों ने नियमित कक्षाएं शुरू कर दी हैं, जबकि खौजौल जिले में 27 और स्कूल सोमवार से पुनः खोले जाएंगे।

ललरिंचना ने कहा कि जिन स्कूलों को फिर से खोलने की अनुमति दी गई है, उनमें से अधिकतर स्कूल दूरदराज के गांवों में स्थित हैं जहां इंटरनेट कनेक्टिविटी बहुत खराब है। उन्होंने कहा कि ऐसे गांवों में स्कूल फिर से खुलने से उन छात्रों को काफी मदद मिली है, जिनकी इंटरनेट तक पहुंच नहीं थी।

पाकिस्तान को तालिबान से मिली बड़ी राहत, कहा- अपनी जमीन से नहीं होने देंगे हमले

इस्लामाबाद (एजेंसी)। तालिबान और पाकिस्तान की गठजोड़ की खबरों के बीच पाकिस्तान को बड़ी राहत मिली है। पाकिस्तान के आंतरिक मंत्री ने कहा है कि तालिबान ने उन्हें आश्वस्त किया है कि वह अपनी जमीन से पाकिस्तान पर हमले नहीं होने देंगे। बता दें कि पाकिस्तान में तहरीक-ए-तालिबान सक्रिय है। हालांकि इसका अफगानिस्तान के तालिबान से कुछ लेना-देना नहीं है। फिर भी अफगानिस्तान में तालिबान राज स्थापित होने के बाद इस बात की आशंकाएं जताई जा रही थीं कि यह पाकिस्तानी तालिबान को सपोर्ट दे सकता है। लेकिन तालिबान के आश्वासन के बाद फिलहाल पाकिस्तान राहत की सांस ले सकता है।

पाकिस्तान के आंतरिक मंत्री शेख राशिद अहमद ने सोमवार को कहा कि अफगानिस्तान पर तालिबान राज के बाद उनके मंत्रालय को कुछ खुफिया सूचनाएं

मिली थीं। इन सूचनाओं के मुताबिक पाकिस्तान स्थित तहरीर-ए-तालिबान के कुछ सदस्यों को अफगानिस्तान की जेल से छोड़ा गया था।

अहमद ने बताया कि इस्लामाबाद ने इस सूचना पर तालिबान से संपर्क किया था। गौरतलब है कि तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान पर कई हमलों को अंजाम दे चुका है। 2014 में ऐसे ही एक बड़े हमले में 154 लोगों की जान चली गई थी। इसमें ज्यादातर स्कूली बच्चे थे। इस्लामाबाद का आरोप है कि पाकिस्तानी तालिबान पिछले कई साल से अफगानिस्तान में छुपा हुआ है। इस दौरान अहमद ने कहा कि पाकिस्तान 2000 से ज्यादा विदेशियों और पाकिस्तानी नागरिकों को अफगानिस्तान से निकलने में मदद कर चुका है। हवाई और जमीनी रास्ते से इस मिशन में मदद की गई है। इसके अलावा सुरक्षा के मद्देनजर काबुल छोड़ रहे सभी डिप्लोमेट्स, विदेशियों और पत्रकारों को ऑन अराइवल वीजा दिया जा रहा है।

काबुल एयरपोर्ट पर फायरिंग में अफगान सैनिक की मौत, पंजशीर के करीब जमा हुए तालिबान लड़ाके

काबुल (एजेंसी)। अफगानिस्तान में तालिबान के कब्जे के बाद देश छोड़ने के लिए अफरा-तफरी मची हुई है। इस बीच काबुल अंतर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट के एक गेट के पास सोमवार तड़के गोलीबारी में एक अफगान सैनिक की मौत हो गई। जर्मन अधिकारियों ने यह जानकारी दी। एयरपोर्ट पर गोलीबारी के बीच तालिबान ने अपने लड़ाकों को उत्तरी क्षेत्र में भेजा है। यहां उसे सशस्त्र प्रतिरोध का सामना करना पड़ रहा है।

तालिबान ने कहा कि उसने तीन जिलों पर फिर से कब्जा कर लिया है जिसे एक दिन पहले उसके विरोधियों ने अपने नियंत्रण में ले लिया था। इसके साथ ही पंजशीर को भी तालिबानी लड़ाकों ने घेर लिया है। काबुल एयरपोर्ट के एक द्वार के पास सोमवार को गोलीबारी हुई जहां एक दिन पहले भगदड़ में सात लोगों की मौत हो गयी थी। किन परिस्थितियों में गोलीबारी हुई यह स्पष्ट नहीं है। जर्मन सेना ने ट्वीट करके बताया कि सोमवार को गोलीबारी में अफगानिस्तान के एक सुरक्षा अधिकारी की मौत हो गई जबकि तीन अन्य घायल हो गए हैं। बाद

में जर्मन सेना ने स्पष्ट किया कि वह हवाई अड्डे की सुरक्षा में जुटी अफगान सेना के सदस्यों का हवाला दे रही थी। तालिबान के कब्जे के बाद अफगानिस्तान के सुरक्षा बलों ने समर्पण कर दिया।

अफगानिस्तान में अस्पतालों का संचालन करने वाले इतालवी मानवीय सेवा संगठन ने कहा कि उसने हवाई अड्डे पर गोलीबारी में घायल हुए छह मरीजों का इलाज किया। अमेरिकी सेना और नाटो ने गोलीबारी की घटना के बारे में अभी कुछ नहीं कहा है। तालिबान ने भी घटना के बारे में टिप्पणी नहीं की है। तालिबान ने अफरा-तफरी भरे बचाव अभियान के लिए अमेरिकी सेना को दोष दिया है और कहा है कि अफगान लोगों को उससे डरने की जरूरत नहीं हैं। हालांकि हवाई अड्डे के आसपास एकत्र भीड़ को काबू में करने के लिए तालिबान के लड़ाकों ने हवा में गोली चलाई और लोगों पर लाठियां चलाईं।

उधर तालिबान के प्रवक्ता मुजाहिद ने कहा कि उन्होंने पंजशीर प्रांत को घेरना शुरू कर दिया है। अफगानिस्तान के 34 प्रांतों में से पंजशीर इकलौता ऐसा प्रांत है जहां तालिबान कब्जा नहीं कर सका है। अफगानिस्तान के उप राष्ट्रपति रहे अमरूल्ला सालेह ने ट्विटर पर लिखा कि तालिबान लड़ाके प्रांत के आसपास एकत्रित हो गए हैं। 2001 में तालिबान को हटाने के लिए अमेरिका का साथ देने वाले 'नार्दर्न अलायंस संगठन के दिवंगत कमांडर अहमद शाह मसूद के बेटे अहमद मसूद ने कहा कि उसके लड़ाके भी पंजशीर में मौजूद हैं। उन्होंने कहा कि ताकत से प्रांत पर कब्जा करने के किसी भी प्रतिरोध का उनके लड़ाके मुकाबला करेंगे लेकिन तालिबान के साथ वार्ता का रास्ता खुला है।

अंखड भारत संदेश के लिए स्वामी श्री योगी सत्यम क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान संस्थान झूंसी, प्रयागराज 211019 से प्रकाशित एवं रामा प्रिंटिंग प्रेस 53/25/1ए बेली रोड नया कटरा प्रयागराज से मुद्रित।

मुद्रक/प्रकाशक

स्वामी श्री योगी सत्यम पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत समाचारों के चयन के लिए उत्तरदायी। इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों से संबंधित विवादों का न्याय क्षेत्र प्रयागराज होगा। आरएनआई नं.

UPHIN 2001/9025